Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 31 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 72 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

श्रम और पूंजी दोनों मिलकर आश्चर्यजनक काम कर सकते हैं।

दीपिका का प्रेग्नेंसी के दौरान अजीब पोस्ट...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,635.48
निफ्टी	:	22,326.90

SARAFA

सोना	:	6,435
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

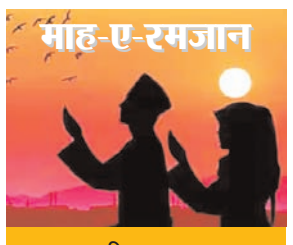

इफ्तार (रविवार) : 06.09
सेहरी (सोमवार) : 04.27

BRIEF NEWS

प्रधानमंत्री दो अप्रैल को जयपुर से करेंगे चुनाव प्रचार का आगाज

JAIPUR : राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अप्रैल को आ रहे हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 31 मार्च और एक अप्रैल का राजस्थान दौरा तय हुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का पहले ही छह अप्रैल का जयपुर दौरा तय हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो अप्रैल को राजस्थान में पहली सभा जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में हो सकती है। सभा कोटपूतली में कराने को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। इसी तरह केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का राजस्थान दौरा भी रविवार और सोमवार का बना है। उनका दौरा पार्टी पदाधिकारी और कार्यकताओं की बैठक को लेकर बताया जा रहा है। इसमें वे चुनाव तैयारी को लेकर चर्चा करेंगे। जयपुर में पांच लोकसभा क्षेत्रों की कोर कमेटियों की बैठक लेंगे। इन कोर कमेटियों में नागौर, दौसा, चूरू, झुंझुनूं, और करौली लोकसभा क्षेत्र शामिल है। इसके बाद शाह सीकर में रोड शो करेंगे । कोटपूतली के एलबीएस कॉलेज में प्रधानमंत्री मोदी की सभा प्रस्तावित है। सभा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री की राजस्थान में यह पहली जनसभा होगी।

अरुणाचल में चुनाव पूर्व 10 विधानसभा सीटों पर भाजपा जीती

ITANAGAR : अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 10 में भाजपा को चुनाव से पहले ही जीत मिल गई है। इन 10 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की। इनमें सीएम पेमा खांडू, डिप्टी सीएम चाउना मेन भी शामिल हैं। पेमा खांडू ने मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से नामांकन भरा था। चूंकि किसी और उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। ऐसे में खांडू को निर्विरोध चुन लिया गया। बाकी 9 सीटों पर भी इसी तरह बीजेपी उम्मीदवारों को जीत मिली। राज्य में 19 अप्रैल को एक फेज में चुनाव होंगे। वहीं रिजल्ट 2 जून को घोषित किया जाएगा। 2016 में भाजपा ने दो सरकारों को अस्थिर किया। सबसे पहले 2016 में पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल को समर्थन देकर कांग्रेस की नबाम तुकी सरकार को गिराया और कालिखो पुल की सरकार बनाई।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत के खिलाफ ईडी ने दायर की पीसी

पीसी में कई नाम, 5500 पेज में दी विस्तृत जानकारी, कैसे और किसके सहयोग से हुई मनी लॉन्ड्रिंग

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के केस में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल कर दी है। शनिवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट में ईडी के अधिकारियों ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल की है। लगभग साढ़े पांच हजार पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन जमा की गई है, जिसमें कोर्ट को यह विस्तृत जानकारी दी गई है कि लैंड स्कैम के जरिए हुये मनी लॉन्ड्रिंग में किसकी क्या भूमिका है। ईडी ने जो पीसी दायर की है उसमें हेमंत सोरेन के साथ बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप, आर्किटेक्ट् विनोद सिंह, हिलेरीयस कच्छप और राजकुमार पाहन का नाम शामिल है। बता दें कि हेमंत सोरेन फिलहार होटवार जेल में हैं।

● ईडी ने लैंड स्कैम से जुड़े मामले में सात घंटे से ज्यादा देर तक की गयी पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को किया था गिरफ्तार

जमीन घोटाला मामला : बरियातू स्थित 8.5 एकड़ जमीन को ईडी ने किया अटैच

जमीन घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी की टीम ने बरियातू के बड़गाईं अंचल स्थित 8.5 एकड़ जमीन को अटैच कर लिया है। इस मामले में जल्द ही ईडी आधिकारिक रूप से मीडिया को जानकारी देगी। दूसरी तरफ ईडी ने शनिवार को जमीन घोटाले मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन, उनके मित्र विनोद सिंह, राजस्व अधिकारी भानु प्रसाद के अलावा हिलेरियस कच्छप और राजकुमार पाहन के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की है। जमीन घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी के अधिकारी 11 फरवरी को रांची के बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद को भौतिक सत्यापन के लिए बरियातू क्षेत्र में स्थित उस भूखंड पर ले गए थे। भानु ने ईडी की टीम के समक्ष स्वीकार किया कि उसने इसी जमीन की मापी अमीन शशिंदर महतो के माध्यम से कराई थी। भानु ने बताया कि उसे कहा गया था कि बॉस की जमीन की मापी करनी है। उक्त जमीन कुल 12 प्लॉट में बंटी है। कौन सा प्लॉट किसके नाम पर है, इसकी जानकारी भी उसने ईडी को दी थी।

ईडी की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन पर कोर्ट जल्द ही ले सकता है संज्ञान

ईडी की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन पर कोर्ट जल्द ही संज्ञान ले सकता है। 21 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पीएमएलए कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने 5 अप्रैल तक उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी है। हेमंत सोरेन फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस्तीफा देने के बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार कर लिया गया था।

बीजेपी मेनिफेस्टो कमेटी का ऐलान, राजनाथ सिंह अध्यक्ष, 27 सदस्य होंगे

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में बीजेपी ने चुनावी घोषणापत्र के लिए कमेटी का गठन किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चुनाव घोषणापत्र समिति की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को समिति का अध्यक्ष बनाया है। राजनाथ सिंह के अलावा कमेटी में 27 सदस्य होंगे। वहीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कमेटी का संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा कमेटी में पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, किरेन रिजिजू, अश्विनी वैष्णव, हिमंता बिस्वा सरमा, वसुंधरा राजे, स्मृति ईरानी, धर्मेंद्र प्रधान, विष्णुदेव साय, शिवराज सिंह चौहान, रवि शंकर प्रसाद,सुशील मोदी,अनिल एंटनी, केशव प्रसाद मौर्य, राजीव चंद्रशेखर, विनोद तावड़े, राधामोहन दास, ओपी धनखड़, तारीक मंसूर समेत कई और नेताओं को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी अब तक उम्मीदवारों की सात लिस्ट जारी कर चुकी है। बीजेपी ने 407 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी पूरी तरह तैयारी में जुटी है। पार्टी के इसी हफ्ते 13 राजोयों के लिए प्रभारियों और उप प्रभारियों की नियुक्ति की है। बीजेपी ने हरियाणा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष ओपी धनखड़ को दिल्ली का प्रभारी नियुक्त किया है। जबकि अलका गर्जुर को दिल्ली का सह प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं डॉ दिनेश शर्मा को महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया है। संजीव चौरसिया को यूपी की कमान सौंपी है। रघुनाथ कुलकर्णी को अंडमान और निकोबार का सह प्रभारी बनाया गया है। नितिन नवीन को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है।

गुरदासपुर से बब्बू लड़ेंगे चुनाव, सनी का कटा टिकट

DHANBAD : आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों की 8वीं सूची जारी कर दी है। इसमें ओडिशा, पंजाब और पश्चिम बंगाल से लोकसभा उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इसके मुताबिक दिनेश सिंह 'बब्बू' गुरदासपुर से, तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से, सुशील कुमार रिंकू जालंधर से, हंसराज हंस फरीदकोट से और परनीत कौर पटियाला से चुनाव लड़ने वाले हैं। बता दें बीजेपी ने अपनी 8वीं सूची में ओडिशा, पंजाब और पश्चिम बंगाल से लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की है। गुजदासपुर से फिलहाल बीजेपी नेता सन्नी देओल सांसद हैं। लेकिन बीजेपी ने इस बार उनका टिकट काट दिया है। पार्टी ने दिनेश सिंह 'बब्बू' को गुरदासपुर से मैदान में उतारा है। मालूम हो कि इस बार लोकसभा चुनाव 7 चरणों में होंगे। 19 अप्रैल से 1 जून के बीच लोकसभा चुनाव के वोट डाले जाएंगे। इसके बाद 4 जून को नतीजे घोषित होंगे। बीजेपी की 8वीं लिस्ट में ओडिशा से 3 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इनमें जाजपुर से रविंद्र नारायण बेहरा, कंधमाल से सुकांत कुमार पाणिग्रही और कटक से भर्तृहरि महताब हैं। पंजाब से 6 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान हुआ है। इनमें गुरदासपुर से दिनेश सिंह बब्बू, अमृतसर से तरणजीत सिंह संधू, जालंधर से सुशील कुमार रिंकू, लुधियाना से रवनीत सिंह बिट्टू, फरीदकोट से हंसराज हंस और पटियाला से परवीन कौर हैं।

राव समेत 4 शख्सियतों को दिया गया भारत रत्न

लालकृष्ण आडवाणी को आज दिया जाएगा सम्मान

AGENCY NEW DELHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को 4 शख्सियतों को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को 31 मार्च को भारत रत्न दिया जाएगा। न्यूज एजेंसी ने बताया- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को आडवाणी के घर जाकर उन्हें सम्मानित करेंगी। तबीयत खराब होने के कारण वे नहीं आ सके। आडवाणी के घर पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति भवन में आयोजित आज के कार्यक्रम में चारों शख्सियतों के परिजनों ने यह सम्मान हासिल किया। नरसिम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव, चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी, कपूर्री ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर और एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति से यह सम्मान लिया। केंद्र ने इस साल 5 हस्तियों को भारत रत्न सम्मान देने का ऐलान किया था। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। 2024 के 5 हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को अब तक हासिल करने वालों की संख्या 53 हो गई।

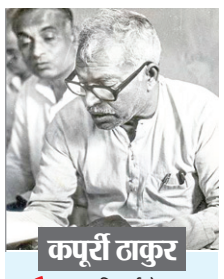

कपूर्री ठाकुर

● राष्ट्रपति मुर्मू ने 23 जनवरी को कपूर्री ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की थी। कपूर्री ठाकुर दो बार बिहार के मुख्यमंत्री और एक बार डिप्टी सीएम रहे। वे पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे।

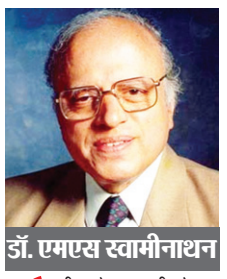

डॉ. एमएस स्वामीनाथन

● पीएम ने 9 फरवरी को डॉ. एमएस स्वामीनाथन, पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने का ऐलान किया था। स्वामीनाथन एक कृषि वैज्ञानिक थे। उन्हें भारत में 'हरित क्रांति' का जनक कहा जाता है। पीएम मोदी ने कहा था- डॉ. स्वामीनाथन ने भारतीय कृषि को बदल दिया।

चौधरी चरण सिंह

● चरण सिंह भारत के पांचवें प्रधानमंत्री थे। वे उत्तर प्रदेश के 5वें मुख्यमंत्री भी रहे थे। पीएम मोदी ने 9 फरवरी को उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा करते वक्त कहा था- हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है।

पीवी नरसिम्हा राव

● नरसिम्हा राव देश के 9वें प्रधानमंत्री थे। पीएम मोदी ने उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा करते वक्त कहा था- प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया।

कांग्रेस बोली-बीजेपी वॉशिंग मशीन, मोदी वॉशिंग पाउडर

NEW DELHI : कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके सामने टेबल पर वॉशिंग मशीन रखी थी। इस पर बीजेपी वॉशिंग मशीन लिखा हुआ था। खेड़ा बोले- भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, उन्हें पार्टी में शामिल करवाती है और केस वापस ले लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग निकलता है। मशीन के साथ-साथ ये कमाल मोदी वॉशिंग पावडर का भी है। खेड़ा ने एक पेपर जारी करके आरोप भी लगाया कि विपक्ष के नेताओं को डराने धमकाने के लिए सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। हम ऐसी वॉशिंग मशीन न आपको बेच पाएंगे और न आप खरीद पाएंगे, क्योंकि 8,552 करोड़ की मशीन केवल एक ही आदमी रख सकता है, उसका नाम नरेंद्र मोदी है। खेड़ा ने विपक्ष के 51 केस गिनाए जिस पर कार्रवाई हो रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें सत्ता पक्ष और उसके करीबी पार्टियों के नेताओं पर केस दर्ज हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। खड़गे ने जिन नेताओं के बारे में कहा है उनके मुकुल रॉय, सुवेंदु अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती, सोवन चटर्जी, वायएस चौधरी, जगन रेड्डी का नाम भी है।

केजरीवाल के मंत्री गहलोत से ईडी की पांच घंटे पूछताछ

शराब नीति घोटाले पर किए गए सवाल

AGENCY NEW DELHI : शराब नीति केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनके करीबी मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी ने करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। गहलोत शनिवार को साढ़े 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंचे थे। गहलोत नजफगढ़ से आप के विधायक हैं। वे केजरीवाल सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री हैं। ईडी ने शनिवार सुबह ही गहलोत को समन जारी किया था और उन्हें तत्काल पूछताछ के लिए अपने दफ्तर बुलाया था। गहलोत से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा है। एजेंसी का कहना है कि गहलोत मंत्रियों के उस ग्रुप का हिस्सा थे।

कोडरमा लोकसभा सीट से विनोद सिंह प्रत्याशी

RANCHI : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा-माले) ने विनोद सिंह को कोडरमा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। इस संबंध में पार्टी की ओर से शनिवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया, जिसमें पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद, राज्य सचिव मनोज भक्त और शुभेंदु सेन मौजूद रहे। नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि इंडिया गठबंधन की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 में माले को कोडरमा से चुनाव लड़ने पर सहमति बनी है। ऐसे में पार्टी ने विनोद सिंह को पार्टी से टिकट दिया है, जिसमें इंडिया गठबंधन पार्टियों की सहमति है। इसके साथ पार्टी की ओर से संकल्प पत्र भी जारी किया गया, जिसमें विभिन्न राजनैतिक और आम मुद्दे शामिल किये गये है।

प्रिंस खान ने सरयू राय व कृष्णा को दी धमकी

ढुल्लू महतो के फेवर में एक ऑडियो संदेश जारी कर दी चेतावनी, भद्दी-भद्दी गालियां दी

PHOTON NEWS DHANBAD : कुख्यात अपराधी प्रिंस खान ने जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय और धनबाद मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को धमकी दी है। प्रिंस खान ने एक ऑडियो संदेश जारी कर कहा है कि उसके चूल्हे पर रक्तनीति की रोटी सेंकी जाती है, राजनीति की नहीं। प्रिंस खान ने धनबाद लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार ढुल्लू महतो के फेवर में एक ऑडियो संदेश जारी कर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय और उनके समर्थक कृष्णा अग्रवाल को सिर के बाल नोच लेने की धमकी दी है। कथित तौर पर यह दावा किया जा रहा है कि यह ऑडियो मैसेज प्रिंस खान का ही है। प्रिंस खान ने सरयू राय और कृष्णा अग्रवाल को भद्दी-भद्दी गालियां दी हैं। उसकी धनबाद की राजनीति में एंट्री परोक्ष तरीके से हो ही गई है और माना जा रहा है कि यह एंट्री किसी आपराधिक छवि के शख्स ने ही कराई है।

● प्रिंस को पकड़ने के लिए घोषित है 30 लाख का इनाम
● गुर्गों ने नाम दिया है छोटे सरकार
● पुलिस के दावे के विपरीत बढ़ रहा प्रिंस खान का दबदबा

क्या है ऑडियो संदेश में

1 मिनट 19 सेकेंड के इस वीडियो में प्रिंस खान ने सरयू राय और कृष्णा अग्रवाल को छह बार गालियां दी हैं। कहा कि तू लोगों को राजनीति करना है तो अपना पार्टी का मुद्दा उठा कर करो। मुझे बीच में मत लाना। नहीं तो तुम लोगों के सर में जो बाल बचा है न दोनों रे टकला …सरयू राय और कृष्णा अग्रवाल, दोनों से सर से बाल पूरा उखाड़ देंगे, याद रखना। …(गाली) तुम लोग जनता को (गाली) बनाना। ढुल्लू महतो को टिकट मिल गया तो उसको टिकट मिल गया। इससे पहले जो चार गो नरसंहार करके विधायक जेल में है तो का उ पूजा करके जेल गया है रे। तुम लोगों के सिर का एक भी बाल नहीं बचेगा। देखेंगे कौन तुम लोगों को बचा लेगा। यह ऑडियो संदेश प्रिंस खान ने ही भेजा है या उसका नाम लेकर कोई और, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

23 पाकिस्तानी चालक दल को समुद्री लुटेरों के चंगुल से इंडियन नेवी ने बचाया

पाकिस्तानियों ने लगाया हिन्दुस्तान जिंदाबाद का नारा

AGENCY MUMBAI : सोमालियाई समुद्री लुटेरों के खिलाफ एक बार फिर भारतीय नौसेना ने अपना झंडा बुलंद किया है। इंडियन नेवी ने समुद्री लुटेरों के चंगुल से एक बार फिर पाकिस्तानी मछुआरों की जान बचाई है। कल यानी शुक्रवार को अरब सागर में भारतीय नौसेना ने ईरान की मछली पकड़ने वाली जहाज अल कंबर और उसके 23 पाकिस्तानी चालक दल को समुद्री लुटेरों के चंगुल से बचाया है। दरअसल हथियारबंद लुटेरों ने ईरानी जहाज पर कब्जा कर लिया था। जहाज में सवार पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नौसेना का आभार जताया है। समुद्री लुटेरों के चंगुल से छूटने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नौसेना का आभार जताया है। इंडियन नेवी की जांच के बाद सभी ने हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये। गौरतलब है कि इससे पहले भी भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों के चंगुल से पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों की रक्षा की थी। भारतीय नौसेना ने पहले तो 9 सशस्त्र समुद्री डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया। इसके बाद भारतीय नौसेना की विशेषज्ञ टीमों ने एफवी अल-कंबर की जांच की। वहीं, मछली पकड़ने की गतिविधियों को जारी रखने के लिए नाव की जांच के बाद नौसेना ने छुड़ाए गये 23 पाकिस्तानी नागरिकों की पूरी तरह से चिकित्सा जांच की।

12 घंटों में नेवी ने लुटेरों पर पाया काबू

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की अल कंबर नाम के पोत अरब सागर में गई थी। पोत के चालक दलों में 23 पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। इस बीच समुद्री लुटेरों ने शिप पर हमला कर दिया। साथ ही उस पर कब्जा कर लिया। भारतीय नौसेना तो जब घटना की जानकारी मिली तो अपहृत शिप को छुड़ाने की कोशिश में नौसेना जुट गई। भारतीय नौसेना ने आईएनएस सुमेधा के जरिये लुटेरों पर धावा बोल दिया। भारतीय नौसेना ने त्रिशूल मिसाइल का इस्तेमाल किया। भारतीय नौसेना ने करीब 12 घंटे तक लुटेरों से संघर्ष करने के बाद उन पर काबू पा लिया। सभी नौ सोमालियाई लुटेरों ने इंडियन नेवी के सामने समर्पण कर दिया। इसके बाद लुटेरों की गिरफ्त से सभी 23 पाकिस्तानी नागरिकों को इंडियन नेवी ने मुक्त कराया, उनकी स्वास्थ्य जांच की। दुनिया के देशों में इंडियन नेवी का डंका बज रहा है। लुटेरों के खिलाफ इंडियन नेवी के अभियान से न सिर्फ निर्दोष लोगों की जान बच रही है।

मुख्तार अंसारी को किया गया दफन

GAJIPUR : मुख्तार अंसारी को शनिवार सुबह 10:45 बजे गाजीपुर के कालीबाग कब्रिस्तान में दफन कर दिया गया। करीब 30 हजार लोग मुख्तार के जनाजे में पहुंचे थे। पैतृक घर जिसे बड़ा फाटक कहते हैं, वहां मुख्तार का शव अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। बेटे उमर ने जनाजे पर पर इत्र छिड़का। मुख्तार की मूंछों पर आखिरी बार ताव दिया। जनाजा निकलने के बाद प्रिंस टाकीज मैदान पर नमाज-ए-जनाजा की रस्म अदा की गई। यहीं लोगों से अपील की गई कि अब आगे ना जाएं, परिवार के लोगों को ही कब्रिस्तान में जाने दें। मुख्तार उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद था। 28 मार्च की रात उसे बेहोशी की हालत में रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज लाया गया था। 9 डॉक्टर्स ने उसका इलाज किया, पर मुख्तार को बचाया नहीं जा सका। मुख्तार कई बार कह चुका था कि जेल में उसे मारने की साजिश की जा रही है। उसे जहर दिया जा रहा है।

पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली कमांडर गिरफ्तार

लातेहार में पुलिस ने दबोचा, 11 मामले हैं दर्ज

PHOTON NEWS LATEHAR : लातेहार में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। झारखंड में अपनी आखिरी सांस गिन रहा भाकपा माओवादी का सदस्य नेशनल भुइंया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में 11 मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने शनिवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नागेश्वर गंझू उर्फ नेशनल भूइंया को मिरचईया जंगल से धर दबोचा गया है। लातेहार के पुलिस अधीक्षक ने मामले की पूरी जानकारी देते हुए कहा कि हमें गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी के रीजनल कमिटी के सदस्य छोटू खरवार का दस्ता लोहरगढ़ा व मिरचईया जंगल मे भ्रमणशील है। ये सभी लोकसभा चुनाव में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लानिंग कर रहा थे। सूचना के आधार छापमारी दल का ने कार्रवाई करते हुए नेशनल भुइंया को गिरफ्तार कर लिया।

चोर पंचर

कमल

अंतिम भाग
कहानी

"अरे कोई पैसा नहीं मारा, भई। उसके पास पैसा था ही नहीं। एक लड़का अपनी सायकिल ले कर आया था । मैं तो सुबह उसकी हालत और वेश-भूषा देख कर ही समझ गया था कि वह किसी और की सायकिल ले कर अपना काम करने गया होगा । सायकिल रास्ते में कहीं पंचर हो गयी होगी। अब पंचर सायकिल तो उसी तरह नहीं लौटा सकता था और उसके पास बनवाने को पैसे भी नहीं थे, तो क्या करता? यही कह कर न जाता कि शाम तक पैसे दे देगा। अब एक पंचर के पैसे नहीं मिले तो क्या हुआ। संतोष तो मिला कि मैं किसी जरूरतमंद के काम आया।" जगजीत के चेहरे पर एक भली-सी मुस्कान थी, "उसे छोड़, तू जा मुनीर की दुकान से तीन चाय पकड़ ला। कहना कड़क चाय दे।" पीटर लकड़ा को भी शायद कोई जल्दी नहीं थी। उसने पास रखे बेंच पर बैठते हुए कहा, "आप भी अजीब हैं सरदार जी। मैंने देखा है ऐसे कितने लोगों के सायकिल आप बनाते रहते हैं। आपको मुफ्त के पंचरों और ऐसे कामों से हर माह कितना घाटा होता है?"

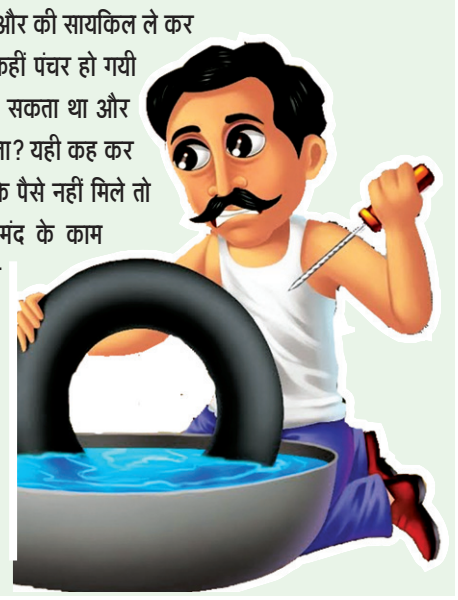

काफी दिनों से जगजीत उसका फोन आने का इंतजार जरूर करता रहा था, लेकिन वैसी किसी बात के लिए वह बिल्कुल भी तैयार नहीं था। वह बुरी तरह चौंका, "अरे यार, हम तुम्हारे कोई साहब नहीं हैं। और हम तुमको सूचना के अधिकार के बारे में कुछ नहीं बताये हैं। तुम बार-बार हमको रौंग नंबर लगा रहे हो, समझे।"

"सर, ऐसा क्यों बोल रहे है ! हम तो बराबर आपसे इसी नंबर पर बात करते रहे हैं। आपकी आवाज भी पहचान रहे हैं। आज आप ऐसी बात क्यों कह रहे हैं?" गुमन उग्रसांडी की आवाज वाला पहाड़ी झरने-सा उत्साह अचानक ही गहरे समंदर की उदासी में डूब गया। उसकी आवाज कांपने लगी, ह्य ह्य सर जी, आप तो पहले वाले साहबों से बहुत अलग हैं। हमेशा हमलोगों का साहस बढ़ाते हैं। अगर आप ही ऐसा बोलिएगा, तो हम लोगों का क्या होगा ?"

"ओफ्फो ...अब मैं तुम्हें कैसे समझाऊं? तुम समझते क्यों नहीं। अपना नंबर चेक करो। यह मेरा नंबर है, तुम्हारे किसी साहब का नहीं।"

"सर नंबर कैसे गलत होगा"? जब हम धरधरो में मिले थे, यह नंबर तो आपने ही मुझे दिया था।

"अरे यार, अब तुम्हें कैसे समझाऊं?" जगजीत की आवाज में विवशता थी, "हम आज तक कभी नहीं मिले। तुम जिससे मिलते रहे हो, वह मैं नहीं कोई और है।"

"ऐसा मत बोलिए सर। अगर हम लोगों से कोई गलती हो गई है, तो माफ कर दीजिए। मगर ऐसा मत बोलिए। अच्छा सर, अभी हम फोन रखते हैं। लगता है, आप किसी बात पर हम लोगों से नाराज हैं। हम बाद में बात करेंगे। परणाम!" कह कर उसने फोन रख दिया।

इधर से जगजीत चीखता ही रह गया, "हलो ! सुनो तो ! फोन मत रखना । पहले मेरी बात तो सुन लो। सुन रहे हो..." मगर उधर से फोन काटा जा चुका था।

"क्या बात है, सरदार जी। किस पर नाराज हो रहे हैं?" पीटर लकड़ा ने अपनी सायकिल से उतरते हुए पूछा। कचहरी में उसकी कागज, कार्बन, फार्म आदि की छोटी-सी दुकान है ।

"अरे नहीं पीटर बाबू, किसी पर नाराज नहीं हो रहा।" जगजीत ने सहज होते हुए कहा, "आइये, आइये, चाय पीजिए।"

तभी चुन्नु ने पास आते हुए याद दिलाया, "सुबह जो आदमी पंचर बनवा कर गया था। अभी तक पैसा देने नहीं आया।"

"छोड़ो उसे। उसका इंतजार मत करो। मुझे मालूम था, वह नहीं आएगा।" जगजीत ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया।

"कौन पंचर का पैसा मार गया?" पीटर लकड़ा ने अपनी सायकिल खड़ी करते हुए पूछा।

"अरे कोई पैसा नहीं मारा, भई। उसके पास पैसा था ही नहीं। एक लड़का अपनी सायकिल ले कर आया था । मैं तो सुबह उसकी हालत और वेश-भूषा देख कर ही समझ गया था कि वह किसी और की सायकिल ले कर अपना काम करने गया होगा । सायकिल रास्ते में कहीं पंचर हो गयी होगी। अब पंचर सायकिल तो उसी तरह नहीं लौटा सकता था और उसके पास बनवाने को पैसे भी नहीं थे, तो क्या करता? यही कह कर न जाता कि शाम तक पैसे दे देगा। अब एक पंचर के पैसे नहीं मिले तो क्या हुआ। संतोष तो मिला कि मैं किसी जरूरतमंद के काम आया।" जगजीत के चेहरे पर एक भली-सी मुस्कान थी, "उसे छोड़, तू जा मुनीर की दुकान से तीन चाय पकड़ ला । कहना कड़क चाय दे।"

पीटर लकड़ा को भी शायद कोई जल्दी नहीं थी। उसने पास रखे बेंच पर बैठते हुए कहा, "आप भी अजीब हैं सरदार जी। मैंने देखा है ऐसे कितने लोगों के सायकिल आप बनाते रहते हैं। आपको मुफ्त के पंचरों और ऐसे कामों से हर माह कितना घाटा होता है?"

"अरे छोड़िए भी, मेरी जरा-सी मेहनत से किसी का बिगड़ा काम बन गया तो घाटा कैसा ? किसी जरुरतमंद के काम आना ही तो सच्चा सौदा है।" फिर जगजीत ने बात का रुख मोड़ते हुए कहा, "अच्छा पीटर बाबू, एक बात बताइये, यह सूचना का अधिकार क्या कानून है?"

"आपको किससे सूचना निकलवानी है?" पीटर ने हंसते हुए कहा, "वैसे आर.टी.आई. माने सूचना का अधिकार वाला यह नया कानून, है बड़ा अच्छा।"

"पीटर बाबू, कानून तो सभी बड़े अच्छे होते हैं । प्रजातंत्र में भला खराब कानून कैसे बन सकते हैं? बस लागू ही अच्छी तरह नहीं हो पाते। जरूरत उन्हें उसी अच्छे रूप में लागू करने की होती है, जिस रुप में वे पास होते हैं। दरअसल कठिनाई तो इस बात की है कि अच्छे-भले कानूनों को अपने स्वार्थ के लिए तोड़मरोड़ कर लागू किया जाता है और तब वे किसी काम के नहीं रहते ।"

"आप ठीक कहते हैं। लेकिन यह कानून उसी तोड़मरोड़ को पकड़ने के लिए बना है। अब कोई यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकता कि आपका काम नियम से किया जा रहा है। इस नये कानून के तहत हम यह पूछ सकते हैं कि अब तक आपने क्या-क्या किया बताइये? उसे बताना पड़ेगा कि उसने क्या-क्या किया है और यहीं पर वह पकड़ा जाएगा कि काम कर रहा है या केवल बहाने बना कर दौड़ा रहा है।"

"तब तो यह सच में एक मजेदार कानून है। मेरा मतलब है कि अब हमें कोई आराम से बुद्धु नहीं बना सकेगा।" जगजीत सिंह ने हंसते हुए कहा।

तब तक चुन्नु चाय ले आया था। कुछ देर तक इधर-उधर की बातें कर के पीटर लकड़ा चला गया। आर.टी.आई. की उस थोड़ी-सी जानकारी के आधार पर जगजीत, गुमन उग्रसांडी के अगले फोन का बेसब्री से इंतजार करने लगा। बहुत दिनों बीत गये, उसका इंतजार लंबा होता चला गया। मगर गुमन उग्रसांडी का फोन न आना था और न ही आया।

जगजीत सिंह यह सोचता रहता, शायद गुमन उग्रसांडी का काम हो गया होगा। इसीलिए अब उसका फोन नहीं आता। या तो उसका काम हो गया होगा या फिर उसे अपने असल 'सर' का सही फोन नंबर मिल गया होगा। वैसे विचार उसे निश्चिंत करने वाले थे। बहुत दिन बीत गये। जगजीत की दुकान में सायकिलों की मरम्मत होती रही, पंचर बनते रहे। बीतते दिनों के साथ चुन्नु मांझी अपने काम में और दक्ष होता रहा। दिन बीतने के साथ ही गुमन उग्रसांडी उसकी स्मृतियों से बाहर जाने लगा। अब चारों तरफ शांति थी ।

हर साल की तरह उस पंद्रह अगस्त को भी जगजीत ने अपनी दुकान की छत पर तिरंगा फहराने की तैयारी कर ली थी। फूल वह अपने घर के बगीचे से ही तोड़ लाया था और आते ही चुन्नु मांझी को गर्मा-गर्म जलेबियां लाने भेज चुका था। 'मॉडर्न साइकिल रिपेयरिंग' के सामने लंबे बांस पर तिरंगे झंडे को रस्सी में लपेट कर वह तैयार था। चुन्नु आ जाए तो वह झंडा फहरा कर फुर्सत पाये। आज के दिन झंडा फहरा कर वह दुकान बढ़ा देता है। फिर वह अपनी पत्नी तथा बच्चों के साथ गोपाल मैदान जा कर सरकारी समारोह देखता है। चुन्नु की प्रतीक्षा में उसने अखबार खोल कर अपने सामने फैला लिया। अखबार स्वतंत्रता दिवस की खबरों, झंडा फहराने की तैयारियों और विभिन्न नेताओं और लोगों की सरकारी तथा गैर-सरकारी शुभकामनाओं से लबालब भरा हुआ था।

पिछले दिनों गोपाल मैदान में होने वाले सरकारी समारोह में झंडा फहराने की बात पर सरकार के दो मंत्रियों में खींचतान चलती रही थी। दरअसल दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से जीत कर इस बार मंत्री पद पाने वाले दो नेता इसी शहर में रहते थे। उनके बीच झंडा फहराने की बात को मूंछ की लड़ाई बना लेने से, अखबारों को मजेदार मसाला और शहर वालों को कुछ दिनों तक मन बहलाव का साधन मिल गया था। हां, जिला प्रशासन के लिए तब तक वह बात जी का जंजाल बनी रही, जब तक राजधानी से सीनियर मंत्री के पक्ष में फैक्स न आ गया। उसमें यह स्पष्ट किया गया था, अगले गणतंत्रता दिवस पर गोपाल मैदान में दूसरे मंत्री झंडोत्तोलन करेंगे। ऐसे ही बड़े-बड़े समाचारों से भरे पन्ने पलटता जगजीत एक कोने में छपी छोटी-सी खबर पर अटका। 'ग्रामीण की हत्या' शीर्षक से वह खबर इतने मामूली ढंग से छपी थी कि जगजीत की नजर का वहां पड़ना किसी आश्चर्य से कम नहीं लग रहा था। लेकिन अब नजर पड़ ही चुकी थी, इसलिए वह पढ़ने भी लग गया-

'देर से प्राप्त समाचार के अनुसार कुछ दिन पहले हत्या कर फेंके गये शव की पहचान मृतक की पत्नी द्वारा कर ली गयी है। वह धरधरो गांव का गुमन उग्रसांडी था जिसकी हत्या चाकुओं से गोद कर कर दी गयी थी। बताया जाता है कि नरेगा योजनाओं में हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ उसने सूचना के अधिकार के तहत आवेदन दे रखा था। हत्यारों का अभी तक पता नहीं चल पाया है लेकिन अनुमान है कि उन्हीं लोगों ने उसकी हत्या की होगी, जिन लोगों ने सरकारी योजनाओं के घपले में करोड़ों का वारा-न्यारा किया है।'

अखबार के कोने में छपी उस छोटी-सी खबर से निकल कर 'धराधरो' और 'गुमन उग्रसांडी' ये दो नाम उसकी मानसिक तरंगों में कॉंटों की तरह उलझ गये थे। सुबह से ही गणतंत्र दिवस के उत्साह में मचलता-इठलाता जगजीत सिंह अचानक ही बहुत उदास हो गया। उसके मन में गुमन उग्रसांडी के बारे में कई तरह के विचार आ-जा रहे थे और वह गुमसुम था।

'दुकान में बहुत भीड़ थी। इसलिए जलेबियां लाने में देर हो गयी।' चुन्नु मांझी उसके सामने आ खड़ा हुआ, "अब जल्दी से झंडा फहरा दीजिए, बड़े जोर की भूख लगी है।"

जगजीत सिंह ने खोये-खोये स्वर में कहा, "तुम ऐसे ही जलेबी खा लो, आज झंडा नहीं फहरेगा।"

"क्या कहा?" चुन्नु मांझी ने हैरानी से पूछा, "बिना झंडा फहरे जलेबी खा लूं "

मगर जगजीत सिंह तो कहीं और खोया हुआ था। जैसे उसने चुन्नु की आवाज नहीं सुनी, वैसे ही चुन्नु मांझी ने भी उसकी बुदबुदाहट नहीं सुनी थी, "पता नहीं इस देश का चोर-पंचर कैसे बनेगा? आधी रात को आजादी मिली थी, आज तक सुबह नहीं हुई।"

◆◆◆

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'महिमा अमित न जाई बखानी'

दिलीप कुमार

चाय की दुकान पर सिगरेट का कश फूंकते हुये इतवार का अखबार मैंने इस उम्मीद में खोला कि अगर मेरा व्यंग्य छप गया होगा तो तीन सौ रुपये मिलेंगे।

उम्मीद थी कि इससे चाय-सिगरेट की उधारी निबटाने में आसानी रहेगी। चाय की दुकान पर मैं मुफ्त का अखबार पढ़ने और उधारी की सिगरेट पीने आता था। मैं बागैरत कलमकार रहा हूं। मेरा उसूल था कि गंगाराम की दुकान पर ही उधारी की सिगरेट और मुफ्त का अखबार पढ़ूंगा। खुद से यह भी अहद ले रखी थी कि चाय सिगरेट का बकाया तभी निपटाएंगे जब व्यंग्य का मानदेय मेरे खाते में आ जाया करेगा। तब तक गंगाराम के तकादे सहते रहेंगे और उफ न करेंगे। मेरा व्यंग्य दो लोगों की बद्दुआ खूब झेलता था। पहला तो मेरी पत्नी का, जिसका मानना था कि यदि मैं व्यंग्य न लिखकर बच्चों की लोरियां लिखता तो कम से कम मेरी लेखनी बच्चों को सुलाने के काम तो आती और दूसरे गंगाराम जो मेरे व्यंग्य को इसलिये बद्दुआ देते थे क्योंकि छह-छह महीने तक व्यंग्य का मानदेय न मिलता था।

जबकि मोहल्ले के लड़के इतवार के अखबार की वर्ग पहेली लिखकर पचास रुपये जीत लेते थे और उसका भुगतान तुरंत अखबार वाले भेज दिया करते थे।

गंगाराम मुझे पसन्द करते थे क्योंकि मैं उनका ग्राहक था।यह पसन्द उसी तरह की थी जैसे मेरी पत्नी मुझे इसलिये पसन्द करती थी क्योंकि मैं उसका हस्बैंड-कम-एटीएम था।

अखबार खोला तो खबर शाया थी कि पूनम पांडे और उर्फी जावेद पर मुकदमा कर दिया गया है। मैं दुखी हो गया कि कैसे कुछ वर्ष पूर्व 'राखी का इंसाफ' नामक टीवी शो होस्ट करने वाली राखी सावंत पर सिर्फ इस बात पर मुकदमा कायम कर दिया गया था क्योंकि उनके शो पर रोस्ट किये जाने के बाद एक विवाहित युवक ने खुदकुशी कर ली थी। उस टीवी शो के प्रसारित किए जाने के कुछ दिन बाद। राखी सावंत उस शो में विवाहित जोड़ों की समस्याएं निपटा कर इंसाफ किया करती थीं। जिसमें एक एपीसोड में एक युवक को 'नामर्द' आदि कहते हुये इतनी फजीहत की गई कि कुछ दिनों बाद डिप्रेशन में उस युवक ने आत्महत्या कर ली थी।

मुकदमा दायर होते ही राखी सांवत डर गई और तब से दूसरों के व्यक्तित्व पर छीछालेदर पर आधारित वक्तव्य देने कम कर दिए थे। अब राखी सावंत, पूनम पांडे, उर्फी जावेद पर मुकदमे कायम होंगे तो गॉसिप लिखने वाले फिल्मी पत्रकार और व्यंग्यकार क्या लिखेंगे और क्या किससे प्रेरणा लेंगे? मैं इसी उधेड़बुन में उलझा था कि प्रेमनारायन प्रतापी जी आ गए। प्रेमनारायन प्रतापी जी स्थानीय डिग्री कालेज से रिटायर्ड। वह खुद को प्रोफेसर बताते हैं और फिलहाल 'कबीरी धार' नामक एक अनियतकालीन पत्रिका निकालते हैं। हालाँकि मैंने उनको साहित्य पर कम बातें करते ही देखा है। जब भी उनको देखा तो तूफान तंबाकू , मोहम्मद जर्दा और शुद्धि पनीर के विज्ञापन की ताड़ में ही पाया। उन्हें तुकबंदी के जिंगल लिखने से विज्ञापन कराने वाले उन्हें जर्दा,तम्बाकू पनीर इफरात भेजा करते थे।

यह उनकी साइड इनकम तो थी ही पर वह होली-दीवाली या ईद पर मोहम्मद जर्दा, तूफान तम्बाकू और शुद्धि पनीर के फुल पेज का विज्ञापन भी हथिया लिया करते थे। क्योंकि कबीरी धार तो मोहम्मद जर्दा और गंगाजल जैसे शुध्दता का दावा करने वाले शुद्धि पनीर पर बराबर असरदार थी। कबीर उनके लिए बहुत बड़ी सहूलियत थे कभी वह रामनामी हो जाते थे कभी खूब ज्यादा सेक्युलर और कभी मौका पड़ने पर नास्तिक होकर निर्गुण भी गा लिया करते थे।

उन्होंने कबीरी धार की मार चारों तरफ मारी थी।

निदा फाजली का मशहूर शेर उनका तकिया कलाम हुआ करता है -

'ईमान का हमारे क्या पूछती हो मुन्नी,
शिया के साथ शिया ,सुन्नी के साथ सुन्नी।'

सो जर्दा खाते हुए कबीरी धार की दुहाई देकर अक्सर पाला बदल दिया करते थे प्रेमनरायन प्रतापी साहब।

वैसे तो वह खुद को तीन दशक से नास्तिक बताते आये हैं मगर कबीरी धार पर चलना प्रिय शगल है। उनके आफिस में कबीरदास और मीराबाई की तस्वीर लगी है।

ऐसा नहीं है कि उनकी कबीरदास और मीराबाई के प्रति कोई अगाध श्रद्धा रहती हो । मीरा के चार पदों पर उन्होंने पढ़ाते पढ़ाते तीस साल से ज्यादा की डिग्री कालेज की नौकरी निकाल दी।

आज भी उनके सर्दियों में केरल और गर्मियों में सपत्नीक शिमला जाने का जुगाड़ मीराबाई के चार पदों की व्याख्या करके हो जाया करती थी।

मीरा उनके लिए सुविधा थीं क्योंकि वर्तमान साहित्य पढ़ाने के लिए पढ़ना पड़ता है। पढ़ने-लिखने पर उनका फंडा बिल्कुल क्लियर है कि वह किसी को क्यों पढ़ें? बल्कि लोग उन्हें पढ़ें । इसी तरह लिखने पर भी उनकी सोच बहुत क्लियर है कि वह अपने किसी वरिष्ठ-कनिष्ठ समकालीन पर क्यों लिखें? अलबत्ता वो सब ही उन पर लिखें। प्रेमनरायन प्रतापी जी गुणगान वाले लेख आईएएस अफसरों, अपनी पत्रिका के विज्ञापन दाताओं या ऐसे विभागों के अध्यक्षों पर लिखते आये हैं जो उन्हें प्रतिकूल मौसम में अनुकूल जगह बुला सकें जैसे गर्मी में शिमला और सर्दी में केरल।

प्रतापी जी खुद को मेरा शुभचिंतक बताते थे। उन्होंने मुझसे पूछा-

'क्यों भई, कुछ छपा है क्या अखबार में तुम्हारा। ये सामयिक व्यंग्य वगैरह छोड़ो अब भी उम्र है हिंदी से नेट या पीयचडी करके कहीं सही जगह लग जाओ। एक बार सिस्टम में घुस गए और मीरा के चार पद पढ़ और पढा लिए तो नैया पार समझो।'

मैंने सकुचाते हुए पूछा-

'जी मीराबाई को पढ़-पढ़ाकर मेरी नैया पार कैसे होगी?'

उन्होंने मेरा मखौल उड़ाते हुए कहा- 'तो क्या इतवार को छपने वाले तीन सौ रुपये वाले व्यंग्य से होगा कुछ होगा? वो भी जो मानदेय छह -छह महीने तक नहीं आता। अपना लक्ष्य साधो जैसे मैंने साधा। मुझे देखो मीरा बाई की चार कविताएं पढ़ाकर मैंने चार दशक की डिग्री कॉलेज की नौकरी काट दी। उसके बाद मैंने कबीर को पकड़ा और कबीरी धार पत्रिका निकालनी शुरू की और जीवन में कबीरी लाइन पकड़ ली ।कबीर दास का कमाल देखो आज भी मेरे लिए दूसरी नौकरी का इंतजाम किए बैठे हैं। इसी कबीरी धार पत्रिका की बदौलत मोहम्मद जर्दा, तूफान तम्बाकू और शुद्धि पनीर की इफरात मेरे जीवन में भरी पड़ी है। हर दिन कोई न कोई आयोजन कभी मीराबाई पर तो कभी कबीर पर। दोनों का नाम लेता हूं तो हर दो-तीन दिन पर कोई न कोई आयोजन,उपहार या निमंत्रण मिल ही जाता है। इसीलिये मेरे पूजाघर में एक तरफ देवी देवताओं की मूर्ति और फोटोज तो हैं मगर मैं हर सुबह कबीरदास और मीराबाई को अगरबत्तियां जलाकर स्तुति कर लिया करता हूँ कि ऐसे ही आप दोनों हम पर कृपा बरसते रहो। हमें अन्न, फल, मिठाई, जर्दा, तम्बाकू, पनीर यूं ही मिलता रहे। हमें सपत्नीक विपरीत मौसम में अनुकूल जगह आने जाने का टिकट व रहने खाने की व्यवस्था भी मिलती रहे। अब समझे?'

मैं उनकी बातों को समझने का प्रयत्न कर रहा था मेरे चेहरे पर असमंजस का भाव था। मैंने अपनी नजरें प्रतापी जी के चेहरे से हटा लीं और गंगाराम को देखने लगा। गंगाराम ने भी उनकी बातें ध्यान से सुनी थी। उनके चेहरे पर संतुष्टि थी।

गंगाराम ने मुझे क्रुद्ध दृष्टि से देखते हुए कहा-

'देखा, अब आप भी किसी कबीर या मीराबाई को पकड़ लो, शिमला- केरल घूमो, मुफ्त की पनीर-जर्दा खाओ और कभी-कभी हमको भी खिलाओ ताकि ये छह-छह महीने की चाय -सिगरेट की उधारी न चले।'

मेरे माथे पर बल पड़ गए कि जो बात प्रतापी जी बरसों से जानते हैं और जो बात मेरी बीवी तक काफी पहले समझ गई थी औ? यहाँ तक गंगाराम भी ये बात एक बार में समझ ही गये। वही बात मैं मूढ़मति अब तक क्यों न समझ पाया कि मुझे क्या लिखना और पढ़ना चाहिए? मुझे आज के युग में भी मीराबाई और कबीरदास की अमित महिमा का भान हो गया था।

कदाचित गंगाराम और प्रतापी जी मेरी खीझ ताड़ गए क्योंकि मुझे देखकर वह दोनों ही कुटिलता से मंद मंद मुस्करा रहे थे।

अचानक मैं उठ खड़ा हुआ और बाजार की तरफ चलने लगा तो पीछे से प्रतापी जी और गंगाराम ने पुकारा- 'अरे कहां चले?'

बिना मुड़े ही उन्हें मैंने जवाब दिया 'मीराबाई और कबीरदास के पोस्टर और उनसे जुड़ी किताबें लाने ताकि,,,,,,,।'

मैंने आगे क्या कहा आपने सुना क्या?

डॉ उमा सिंह किसलय

है कठिन पथ चल मुसाफिर

है कठिन पथ चल मुसाफिर
जिंदगी बढ़ती समय संग, दिखते मनुज के विविध रंग
घनतिमिर घेरे भले ही, हौसला ही बल मुसाफिर
है कठिन पथ चल मुसाफिर.....

वक्त बेवक्त आंधियों में, बेचैनियां उठती हृदय में,
उबड़-खाबड़ पथ मिलेंगे, प्रबल वेग से बढ़ मुसाफिर
है कठिन पथ चल मुसाफिर ....

मील दर मीलों सफर में, ख्वाब संग मंजिल नयन में
शीत पतझड़ बसंत आए, वक्त बदलेगा मुसाफिर
है कठिन पथ चल मुसाफिर ....

राह में ठोकर बहुत है, अपनों के धोखे बहुत हैं
जीत ही अंतिम सवेरा, संघर्ष को ही चुन मुसाफिर
है कठिन पथ चल मुसाफिर...

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

चौकीदार-दफादार के वेतन-वर्दी के लिए 14.30 करोड़ आवंटित

RANCHI : गृह, कारा और आपदा प्रबंधन विभाग ने चौकीदार-दफादार के वेतन एवं वर्दी भत्ता के लिए 14.30 करोड़ रुपये आवंटित किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए यह राशि आवंटित की गयी है। संबंधित जिलों के जिला कोषागार से राशि की निकासी की जायेगी। गृह विभाग ने इस बाबत डीसी को आदेश दिया है कि वह सुनिश्चित करेंगे कि चौकीदार-दफादार को वेतन का भुगतान नियत समय पर हो।

कचहरी नमाजगाह में दावत ए इफ्तार का आयोजन

RANCHI : रांची आज दिनांक 30 मार्च 2024 को कोर्ट कंपाउंड नमाज गाह में दावत इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नमाजगाह के अध्यक्ष अजहर खान पप्पू, सचिव कयूम अहमद, शाह फैसल, आफताब आलम, शमीम अख्तर, शाहिद हुसैन, मोहम्मद राजन, नदीम अहमद, रिंकू खान, अधिवक्ता मुमताज खान, अधिवक्ता हिमायु रशीदी, जया खान, वली साहब, परवेज अहमद, सोनू, सोहेल, रियाज अहमद, इत्यादि सैकड़ो की संख्या में रोजेदार उपस्थित हुए। मगरिब की अजान एम एस वली ने दी। जिसे सुनकर रोजादरों ने इफ्तार किया। देश दुनिया और राज्य की खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारगी, हिंदू मुस्लिम एकता की दुआ मांगी गई। आयोजनकर्ता में शाह फैसल परवेज आलम, मोहम्मद शमीम, तौहीद आलम, अली हसन, असलम, सुलतान खान,अली रजा, सैयद शाहिद हुसैन, नदीमुद्दीन, सरफराज खान, समेत दर्जनों अधिवक्ता शामिल हुए।

मासिक लोक अदालत में 593 मामलों का निष्पादन

RANCHI : रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से शनिवार को व्यवहार न्यायालय में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान सात बैंच का गठन किया गया था। लोक अदालत में कुल 593 वादों का निष्पादन किया गया और दो लाख 83 हजार 30 रुपये का निष्पादन विभिन्न वादों में किया गया।

जगतगुरु शंकराचार्य से मिले सांसद संजय सेठ

RANCHI : रांची के सांसद संजय सेठ ने शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर द्वारका शारदा पीठाधीश्वर अनंत विभूषित पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के दर्शन कर, उनका आशीर्वाद लिया। जगद्गुरु से मुलाकात के बाद सेठ ने कहा कि उनका आशीर्वाद, मार्गदर्शन और सान्निध्य मेरे लिए अद्भुत अनुभव देने वाला है। संतों का आशीर्वाद दैवीय आशीर्वाद होता है। जगतगुरु शंकराचार्य का आशीर्वाद मुझे जनसेवा के लिए ऊर्जा और सामर्थ्य प्रदान करेगा। सांसद ने कहा कि वह जमशेदपुर से आए थे उन्हें दिल्ली जाना था उन्हें सूचना मिली तो वह मिलने पहुंच गए।

शीतला माता सप्तमी पूजा कल

RANCHI : राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता सह रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने कहा कि इस वर्ष शीतला सप्तमी पूजा एक अप्रैल को मनाया जाएगा। उन्होंने शनिवार को बताया कि शीतला सप्तमी पर मां दुर्गा के स्वरूप शीतला माता की पूजा की जाती है। होली के साथ सात दिनों के बाद शीतला सप्तमी मनाई जाती है, कुछ लोग शीतला अष्टमी भी मानते हैं, शीतला सप्तमी - अष्टमी दोनों ही दिन माता शीतला की पूजा की जाती है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

नाबालिग से दुष्कर्म करने के दोषी को बीस साल की सजा

10 हजार का लगाया जुर्माना, राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा

PHOTON NEWS RANCHI : पोक्सो की विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने शनिवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के दोषी कृष्णा भुईया को 20 साल की सजा सुनायी है। साथ ही अदालत ने 10 हजार का जुमार्ना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। यह मामला खलारी थाना क्षेत्र का है। 8 मार्च 2021 को नाबालिग पीड़िता अपने दोस्त के घर गई थी। उस दोस्त के बड़े भाई कृष्ण भुइयां ने नाबालिग को घर छोड़ने की बात कह कर रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी परिजनों को दी थी। इसके बाद नाबालिग पीड़िता के बयान पर खलारी थाना में आरोपित के खिलाफ कांड संख्या 28/2021 दर्ज कराया गया था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किये गये थे।

जानलेवा हमला मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी को ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना पुलिस ने ई रिक्शा रोककर चालक के साथ जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपित मो समीर नायक उर्फ सद्दाम को गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक मोबाईल फोन बरामद किया गया है। डीएसपी कोतवाली प्रकाश सोय ने शनिवार को बताया कि 27 मार्च को मो जाहिद ने मो समीर नायक सहित उसके गैंग के आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि ई रिक्शा रोककर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया था। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। घटना को अंजाम देने के बाद समीर नायक अपने घर से फरार चल था। गुप्त सूचना के आधार पर हिंदपीढ़ी स्थित ग्वाला टोली के घर से गिरफ्तार किया गया।

महिलाओं के साथ मारपीट करने वाले दो गिरफ्तार

RANCHI : रांची पुलिस ने कांके में चोरी के आरोप में तीन महिलाओं और उनके पति के साथ मारपीट करने वाले आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। कांके थाना की पुलिस ने इस घटना में शामिल दो आरोपितों शफीक मंसूरी और अकीब मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों को शनिवार को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इनके पास से एक मोबाईल और घटना का वीडियों फुटेज बरामद किया है। पुलिस मुख्यालय डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि कांके थाना क्षेत्र के सुकुरहुटू में 25 मार्च एक ही परिवार की तीन महिलाओं और एक पुरुष के शबनम खातून, अलिमुन खातून , नूरजहां के साथ अमानवीय ढंग से मारपीट की घटना सामने आयी थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वीडियो के अनुसार, मारपीट के बाद महिलाओं को पूरे गांव में जूते की माला पहनाकर और मुंह पर कीचड़ लगाकर घुमाया गया था।

कल्पना सोरेन ने सोनिया गांधी व सुनीता केजरीवाल से की मुलाकात

RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सोनिया और कल्पना के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले कल्पना मुर्मू सोरेन ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से भी मुलाकात की। रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली का आयोजन किया गया है। इसमें गठबंधन के घटक दलों के तमाम बड़े नेता नजर आएंगे। इसी रैली में हिस्सा लेने के लिए कल्पना मुर्मू सोरेन दिल्ली गई हैं।

रांची : कांटाटोली फ्लाईओवर के नीचे होगी पार्किंग की व्यवस्था

कांटाटोली फ्लाईओवर। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : नगर विकास सचिव चंद्रशेखर ने राज्य में शहरी विकास योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। रांची सहित अन्य निकायों में चल रही पेयजल योजनाओं का पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से शीघ्र हैंडओवर लेने को कहा है। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर काम करने को कहा है।

सचिव चंद्रशेखर ने सभी संवेदकों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर योजनाओं में हो रही देरी का कारण जानने को कहा है। उन्होंने कांटाटोली फ्लाईओवर के काम में तेजी लाने और नीचे पार्किंग की भी संभावना तलाशने का निर्देश दिया। कांटाटोली फ्लाईओवर के नीचे दुकान भी बनाया जायेगा। सचिव ने रांची ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण कार्य की समीक्षा की है।

अधिकारियों ने बताया कि मई तक फेज-1 का काम पूरा हो जायेगा। नगर निकायों के बन रहे भवनों एवं टाउन हाल के निर्माण की प्रगति से भी अवगत हुए। राज्य में चल रही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घरों में लाभुकों को शिफ्टिंग कराने पर विशेष बल देते हुए सचिव ने कहा कि सभी आवासों में बिजली पानी जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं तभी लाभुक आवासों में गृह प्रवेश करेंगे।

भाजपा के लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र समिति में अर्जुन मुंडा शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा ने लोकसभा चुनाव-2024 के लिए चुनाव घोषणा पत्र समिति का गठन किया है। इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी किया है। इसके मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर बनायी गयी इस समिति में पार्टी के टॉप लेवल के कुल 27 लोगों को रखा गया है।

जमशेदपुर पहुंचे बाबूलाल मरांडी व नागेंद्रनाथ त्रिपाठी

JAMSHEDPUR : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी शनिवार को जमशेदपुर पहुंचे। इन्होंने कार्यकताओं से मुलाकात की। सरायकेला जिले में रविवार को संगठनात्मक बैठक में हिस्सा लेने से पूर्व शनिवार को मरांडी साकची स्थित जिला कार्यालय पहुंचे। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने सभी कार्यकताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक कार्यों की जानकारी ली और चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया। इसके पश्चात, रविवार को जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा की बैठक में भाग लेने आए नागेंद्र नाथ त्रिपाठी का आगमन भाजपा जिला कार्यालय में हुआ। त्रिपाठी ने भी सभी कार्यकताओं से बारी-बारी मुलाकात की और सांगठनिक कार्यों पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

इसका अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह जबकि संयोजक निर्मला सीतारमण को बनाया गया है। सह संयोजक पीयूष गोयल हैं। इसके अलावा अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, किरेन रिजीजू सहित अन्य राज्यों के नेताओं को भी शामिल किया गया है।

टेरर फंडिंग मामले में एनआइए कोर्ट से अनिश्चय गंझू की जमानत याचिका खारिज

RANCHI : एनआइए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत ने शनिवार को चतरा के टंडवा स्थित मगध और आम्रपाली कोयला परियोजना से टेरर फंडिंग मामले में आरोपित चतरा के लावालौंग थाना क्षेत्र के निवासी अनिश्चय गंझू की जमानत याचिका खारिज कर दी। एनआइए के वर्ष 2018 से जुड़े एक मामले में वह छह जून 2020 से जेल में है। एनआइए की ओर से सुनवाई के दौरान अदालत में कहा गया कि प्रार्थी प्रतिबंधित संगठन टीपीसी के लिए कोयला खनन क्षेत्र से जबरन वसूली के माध्यम से नाजायज स्रोतों से धन एकत्र करता है। वह अन्य सदस्यों के साथ मिलकर टीपीसी उग्रवादी के नाम पर भय पैदा कर स्थानीय व्यापारियों से लेवी वसूलने में संलिप्त था।

ईस्टर पर्व को लेकर रांची के ट्रैफिक व्यवस्था में हुआ बदलाव

PHOTON NEWS RANCHI : ईसाई समुदाय का रविवार को ईस्टर पर्व को लेकर रांची के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पर्व को लेकर हजारों-लाखों की संख्या में ईसाई धर्मावलंबी रांची में मौजूद कब्रिस्तान में अहले सुबह सपरिवार एकत्रित होते हैं। ट्रैफिक एसपी सुमित अग्रवाल ने इस संबंध में शुक्रवार रात आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार कांटाटोली चौक से बहुबाजार की ओर जाने वाली बस, सिटी राईड बस, मालवाहक वाहन सहित बड़े वाहनों का परिचालन 31 मार्च को सुबह चार बजे से नौ बजे सुबह तक पूर्णतः वर्जित रहेगा। इसी प्रकार कांटाटोली चौक से डंगराटोली होते हुए सर्जना चौक की ओर जाने वाली बस, सिटी राईड बस, मालवाहक वाहन सहित बड़े वाहनों का परिचालन 30 मार्च की रात नौ बजे से 31 मार्च के नौ बजे सुबह तक वर्जित रहेगा।

साथ ही सर्जना चौक से मिशन चौक होते हुए डंगराटोली, कांटाटोली चौक की तरफ जाने वाली बस, सिटी राईड बस, मालवाहक वाहन सहित बड़े वाहनों का परिचालन 30 मार्च रात नौ बजे से 31 मार्च के नौ बजे सुबह तक बंद रहेगा। इसके अलावा खेलगांव चौक से कांटाटोली चौक की ओर आने वाली बस, सिटी राईड बस, मालवाहक वाहन सहित बड़े वाहनों का परिचालन 31 मार्च को सुबह तीन बजे से नौ बजे सुबह तक वर्जित रहेगा। इसके अलावा पूर्व से निर्धारित नो-इन्ट्री का समय यथावत रहेगा।

बिरसा चौक में श्री बालाजी बाबोसा मंदिर का हुआ विधिवत उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : श्री बालाजी बाबोसा मंदिर ग्येबियन रोड बिरसा चौक के मंदिर का लोकार्पण एवं विधिवत प्राण प्रतिष्ठा शनिवार को हुआ। साथ ही कलश यात्रा हिनू चौक स्थित हनुमान मंदिर से निकलकर बिरसा चौक स्थित श्री बालाजी बाबोसा मंदिर पहुंची। शोभा यात्रा निकल कर देर शाम मंदिर परिसर पहुंची। शोभा यात्रा में भक्त बाबोसा की मूर्ति लाइव भजन रामगढ़ की ताशा पार्टी साथ ही सैकड़ों महिलाए कलश लेकर और पुरुष भक्त बाबा का निशान हाथों में लेकर घूमते नाचते गाते चल रहे थे।

मार्ग में रांची के सांसद संजय सेठ, मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा और नारायणी मेडिकल हॉल के जरिये मार्ग मे पेयजल की व्यवस्था भक्त जनों के लिए की गई थी। पुष्प वर्षा कर भक्तों का स्वागत किया गया। मंदिर के लोकार्पण के लिए परम आराधिका मंजू बाईसा दिल्ली से चलकर रांची पहुंची। उनका रांची एयरपोर्ट पर झारखंडी रीति रिवाज से स्वागत किया गया । मंजू बाईसा के जरिये मंदिर परिसर से पर्दा उठाकर मंदिर का विधिवत उद्घाटन किया गया। साथ ही मंत्र उच्चारण कर मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

नौ अप्रैल से चैत्र नवरात्र शुरू, 17 को रामनवमी

PHOTON NEWS RANCHI : नौ अप्रैल से चैत्र नवरात्र की शुरूआत हो रही है। नवरात्र के बीच चैती छठ का पर्व 14 अप्रैल को मनाया जायेगा। 12 अप्रैल को नहाय-खाय के साथ ये पर्व शुरू होगा। 17 अप्रैल को धूमधाम से रामनवमी मनाया जाएगा।

प्रथम दिन चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा नौ अप्रैल को है। इस दिन श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इसलिए इन दिन को सनातनधर्मी महाउत्सव के रूप में मानते हैं। इस दिन ही जो वार पड़ता है, उसी को इस वर्ष का राजा मानते हैं। इस वर्ष प्रतिपदा मंगलवार को होने से राजा मंगल होंगे। नौ अप्रैल को कलश स्थापना के साथ चैत्र नवरात्रि का अनुष्ठान भी शुरू होगा। चैत्र नवरात्र में भगवती के साथ गौरी का भी दर्शन-पूजन प्रतिदिन क्रमानुसार किया जायेगा। इसी नवरात्र के बीच चैती छठ का पर्व 14 अप्रैल को मनाया जायेगा। छठ पर्व 12 अप्रैल को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा।

महाअष्टमी का व्रत 16 अप्रैल को होगा। घर-घर की जाने वाली नवमी की पूजा भी 16 अप्रैल को ही की जायेगी। इसे भवानी उत्पत्ति के साथ बसियाउरा के रूप में भी मानते हैं। महानवमी का व्रत 17 अप्रैल बुधवार को होगा। रामनवमी का पर्व 17 अप्रैल को मनाया जायेगा।

पंडित रामदेव पाण्डेय ने बताया कि नवरात्र व्रत के समाप्ति के साथ समाप्ति से संबंधित पूजन-हवन नवमी तिथि पर्यंत 17 अप्रैल बुधवार को शाम 5:22 तक किया जायेगा। पूर्ण नवरात्रि अनुष्ठान व्रत की पारण दशमी तिथि में 18 अप्रैल को है।

कलश स्थापना की प्रतीकात्मक तस्वीर।

चैत्र नवरात्र के कार्यक्रम

कलश स्थापना-09 अप्रैल
मेष संक्रांति, सतुआन-13 अप्रैल
चैती छठ नहाय-खाय-12 अप्रैल
छठ का खरना-13 अप्रैल
चैती छठ व्रत-14 अप्रैल
महाअष्टमी व्रत-16 अप्रैल
महानवमी व्रत-17 अप्रैल
दशमी व व्रत पारण-18 अप्रैल

युवा संगम के तहत पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र पहुंचे राजभवन, राज्यपाल के प्रधान ने किया संवाद

झारखंड के इतिहास-भूगोल से परिचित हुए पंजाब के छात्र

PHOTON NEWS RANCHI : युवा संगम कार्यक्रम के तहत पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय से रांची के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) पहुंचे छात्रों ने शनिवार को राजभवन का भ्रमण किया। इस दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि युवा संगम के तहत राजभवन आने वाले यह तीसरा दल है। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, उसके बाद हरियाणा से विद्यार्थी आए थे और आज आप लोग आए हैं।

कुलकर्णी ने कहा कि झारखंड में लगभग 27 प्रतिशत आबादी जनजातियों की है। झारखंड के भौगोलिक क्षेत्र का 33 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वन और वृक्षों से आच्छादित है। यह राज्य खनिज संपदा से परिपूर्ण है। देश की लगभग 40 प्रतिशत खनिज सम्पदा यहां मौजूद है। यहां कोयले का अपार भंडार है। उन्होंने कहा कि यहां भगवान बिरसा मुंडा सहित कई महान स्वतंत्रता सेनानी हुए।

विद्यार्थियों ने संवाद के क्रम में कहा कि सोशल मीडिया पर यहां के संदर्भ में बहुत कुछ देखा था लेकिन यहां आकर बहुत कुछ प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला। झारखंड राज्य को वे लोग सिर्फ टाटा, महेंद्र सिंह धोनी के लिए प्रसिद्ध मानते थे लेकिन यहां विभिन्न सामाजिक संस्थान हैं। यह राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है एवं यहां के पर्यटन स्थल लोगों को आकर्षित करते हैं, जो रोजगार का भी सृजन कर सकता है।

छात्रों ने कहा कि यहां के जनजातीय समुदाय के लोग शिक्षित हैं तथा विभिन्न उच्च पदों पर आसीन हैं, यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। राज्य कृषि के क्षेत्र में और प्रगति कर सकता है। यहां के लोग अच्छे और व्यवहार कुशल हैं। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य ने कहा कि हमारे छात्र यहां की संस्कृति से बहुत प्रभावित हुए हैं। ये यहां पंजाब के एंबेसडर बनकर आये थे और अब ये झारखंड के एंबेसडर बनकर जा रहे हैं।

राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी से संवाद करता विद्यार्थियों का दल। ● फोटोन न्यूज

डीएवी कपिलदेव में अभिभावकों के लिए समन्वयन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू नर्सरी, एल के जी, यूकेजी, वर्ग एक तथा दो के अभिभावकों के लिए समन्वयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी सह विद्यालय के प्राचार्य एम०के० सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। शिक्षिका अर्पणा सिंह ने इस अवसर पर अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे निरंतर बच्चों की डायरी की जांच करें। विद्यालय या शिक्षक द्वारा दिए गए दिशा-निदेशों का पालन करें। वरिष्ठ शिक्षक नागेंद्र झा ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चे की हर गतिविधि पर नजर रखें। एक निश्चित समय तक स्वयं और बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखें। सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी सह विद्यालय के प्राचार्य श्री एम के सिन्हा ने कहा कि व्यक्ति को संस्कार घर से मिलते हैं लेकिन विद्यालय में उसे

और संस्कारित किया जाता है। सिन्हा ने कहा कि समय, परिस्थिति और स्थान के अनुसार उद्देश्य बदलते रहते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों में भारतीय संस्कार भरें। उन्हें भारत की गौरवमयी संस्कृति और संविधान की जानकारी दें। सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी ने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा का युग है और इसमें सफल होने के लिए 'कंफर्ट जोन' (सुविधा क्षेत्र) से बाहर निकलने की जरूरत है। श्री सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि डीएवी स्पोर्ट्स को अब खेल और युवा मामले विभाग से सीधा संबंधन मिल गया है और डीएवी स्पोर्ट्स में अच्छा प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ी सीधे देश के

अपराधियों ने व्यवसायी की पत्नी को मारी गोली, मौत

लोगों में रोष, हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के व्यवसायी रवि अग्रवाल की पत्नी ज्योति अग्रवाल को अपराधियों ने शुक्रवार की देर रात गोली मार दी थी, जिससे महिला की मौत हो गई। इस घटना को लेकर शहर भर में रोष है। व्यवसायियों के साथ-साथ राजनीतिक दल भी चिंतित हैं कि अचानक शहर में इस तरह का माहौल कैसे बन गया कि अपराधी सरेशाम किसी आम आदमी की हत्या करने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं। क्या सचमुच पुलिस का खौफ समाप्त हो गया है। इन्हीं सब सवालों के साथ भारतीय जनतंत्र मोर्चा के प्रतिनिधि शनिवार को सिटी एसपी मुकेश लुणायत से मिले।

भारतीय जनतंत्र मोर्चा, जमशेदपुर महानगर का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव की अगुवाई में एसपी से मिला और इस घटना में शामिल अपराधियों

ज्योति अग्रवाल की फाइल फोटो।

की शीघ्र गिरफ्तारी करने की मांग रखी। भाजमो नेताओं ने कहा कि शहर में अपराध बेलगाम है। चोरी-छिनतई, लूट, डकैती, मारपीट, हत्या सहित अन्य अपराधिक घटनाएं रोजाना शहर में बेधड़क घट रही है। ऐसे में कल जिस प्रकार एक व्यापारी परिवार पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें महिला की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इससे शहरवासियों में भय और अनिश्चितता का माहौल है।

होटल से खाना खाकर लौटते समय मारी गोली

यह घटना तब हुई, जब व्यवसायी रवि अग्रवाल अपनी पत्नी व दो बेटों के साथ हाईवे पर खाना खाने गए थे। मानगो के भिलाई पहाड़ी स्थित मिनी पंजाब होटल में रात का भोजन करने के बाद रवि अग्रवाल सीधे डिमना चौक आने की बजाए हाईवे होते हुए कांदरबेड़ा से दोमुहानी पुल होते हुए सोनारी आवास आ रहे थे। इसी बीच उनकी कार का पीछा कर रहे अपराधियों ने कांदरबेड़ा के पास रवि की पत्नी ज्योति अग्रवाल की कनपटी में गोली मार दी। जब रवि पत्नी को लेकर टीएमएच पहुंचे, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि अपराधियों ने रवि अग्रवाल से रंगदारी मांगी थी। रवि की भुइयांडीह में प्लाईवुड की दुकान है।

25 लाख रुपये मांगी थी रंगदारी

व्यवसायी रवि अग्रवाल ने बताया कि करीब सवा महीने पहले भुइयांडीह स्थित दुकान के सामने अपराधियों ने एक पर्ची उनकी कार के दरवाजे में फंसा दी थी। उसमें 26 फरवरी को दोमुहानी में 25 लाख रुपये पहुंचाने को कहा था। उन्होंने 25 फरवरी को सीतारामडेरा थाना में लिखित शिकायत के साथ वह पर्ची भी थाने में जमा करा दी थी। वे कांदरबेड़ा में शुक्रवार रात उल्टी करने के लिए कार का दरवाजा खोले ही थे कि दो लोग मास्क पहने हुए पहुंचे और कहा कि तुमसे रंगदारी मांगी थी, क्यों नहीं दिया। यह कह कर पत्नी को गोली मार दी। कार का शीशा बंद था, फिर भी पत्नी के सिर में गोली लग गई थी। कार स्टार्ट थी, मैं भागा-भागा टीएमएच पहुंचा, लेकिन डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

उधर, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी शनिवार को चैंबर भवन में व्यवसायियों-उद्यमियों की बैठक बुलाई। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि वे इस मामले में डीसी-एसएसपी से मिलेंगे। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी व्यवसायी रवि अग्रवाल से मिलकर ढाढस बंधाया।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

यदा यदा हि धर्मस्य...

यह कहने की आवश्यकता नहीं कि महाभारत की यह उक्ति न केवल आप पूरा जानते होंगे, बल्कि इसका भावार्थ भी समझते होंगे। यह श्लोक निराशा के भाव का नाश करता है। कुछ इसी तरह की परिस्थिति इन दिनों राजनीति में भी उत्पन्न हुई है। पृष्ठभूमि लोहे के शहर की नहीं, कोयला नगरी की है, लेकिन दोनों का कनेक्शन कुछ इस तरह से जुड़ गया है कि यह पूरे सूबे के लिए प्रासंगिक बन गया है। बात कुछ इस तरह की है कि कोयले की परत पर जब अलकतरा का कालापन चढ़ गया तो वहां के निवासियों में ग्लानि का भाव भर गया है। हालांकि इसके कुछ अन्य कारण भी हैं, लेकिन चतुर चाचा ने रार ठान लिया है कि वे कालिख पर अलकतरा पुतने नहीं देंगे। चाचा के पिछले रिकार्ड को देखते हुए वहां आशा का संचार हो गया है।

पानीदार भैया की भी सुगबुगाहट

लौहनगरी की धरती पर इस बार इंडिया टीम से बैटिंग कौन करेगा, यह संकट बना हुआ है। सबके मन में तरह-तरह के सवाल उमड़-घुमड़ रहे हैं। पहले तो यही तय नहीं हुआ है कि पंजे को तीर-धनुष छेदेगा या तीर-धनुष को पंजा अपनी मुट्ठी में बंद करेगा। बहरहाल, दोनों खेमे के दिग्गजों में मन ही मन बड़े-बड़े लड्डू फूट रहे हैं कि पता नहीं, किसकी लॉटरी लग जाए। वैसे इस बात की पूरी चर्चा है कि यहां से तीरों की ही बौछार होगी। कहा तो यह भी जा रहा है कि तीर इस बार फूल को ही बेधने जा रहा है। इसमें पहले एक सोशल मीडिया के धुरंधर का नाम जोर-शोर से उछला था, लेकिन इसी बीच एक पानीदार भैया को लेकर भी सुगबुगाहट चल रही है। बेचारे को लंबे संघर्ष के बावजूद खेतीबाड़ी में लगा दिया

सरदारजी फूल थामने को आतुर

अपने शहर में वैसे तो कई सरदारजी हैं, लेकिन उनमें से एक फूल थामने को इतने आतुर हैं कि यहां से मीलों दूर दिल वालों के शहर का चक्कर लगा रहे हैं। इतना ही नहीं, शहनाई जैसी दिखने वाली एक छोटे से वाद्य नामधारी का गुणगान भी कर आए। वे लगभग डेढ़ दशक से लौहनगरी की चुनावी वैतरणी में डुबकी लगाने का मन बनाए हुए हैं, लेकिन कमबख्त हर बार कुछ ऐसा होता है कि होनी टल जाती है। इस बार उन्होंने न केवल सभी कील-कांटे दुरुस्त कर लिए है, बल्कि ईश्वर की कृपा से बड़ा कांटा अपने आप निकल गया है। इसके बावजूद कुंडली में होनी प्रकट नहीं हो रही है। पता नहीं, अब कौन सा शनि या राहु कुंडली में बैठा है। जाड़े में इनकी सेवा तो पूरा जिला लेता है, लेकिन मौके पर भूल जाता है।

सबको छका रहा एक तेंदुआ

पहले शहर के पड़ोस में, तो अब यहां एक तेंदुआ सबको छका रहा है। पंद्रह दिन बाद, जब सभी उसकी मौत या गायब हो जाने की आस लगाए बैठे थे, एकबारगी प्रकट होकर सबको चौंका दिया। इस बार शहर के एक छोर पर खरकई नदी से सटे पार्क में तेंदुआ को देखे जाने की बात कही जा रही है। मजे की बात है कि इसे दिन के उजाले में सिर्फ कैमरे ने ही देखा है, किसी विश्वसनीय ने साक्षात दर्शन नहीं किया है। इस बार भी एक वीडियो से हलचल मच गई है, तो पिछली बार भी वीडियो ने ही हड़कंप मचाया था। मजे की बात है कि खूंखार नव्यजीव को पकड़ने के लिए निहत्थों की टीम बनाई गई थी। इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। एक अदद पार्क को घेरने और तेंदुआ को खाली हाथ दबोचने में सबके पसीने छूट रहे हैं।

BRIEF NEWS

बारीडीह में पांच को लगेगा खाटू श्याम का दरबार, खाटू व बरेली से आएंगे गायक

JAMSHEDPUR : बारीडीह स्थित पोस्टआफिस मैदान में श्रीश्याम दीवाने परिवार का 16वां श्याम महोत्सव होने जा रहा है। इसमें खाटू से भजन गायक पप्पू शर्मा, बरेली से निर्मल शर्मा व जमशेदपुर के राकेश मस्ताना, रवि व गणेश मित्तल बाबा के दरबार में भजनों की अमृतवर्षा करेंगे। इससे पहले दोपहर 3 बजे बारीडीह बस्ती स्थित बजरंग चौक से भव्य निशान यात्रा निकलेगी।

लोकसभा चुनाव में ओडिशा के ऑब्जर्वर बनाए गए नद्दू झा

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार झा उर्फ नद्दू झा को लोकसभा चुनाव में ओडिशा राज्य का ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा पत्र जारी करते हुए ओडिशा राज्य की ऑब्जर्वर मीनाक्षी नटराजन एवं ओडिशा के प्रभारी डॉ अजय कुमार को सूचित किया गया है। ओडिशा राज्य में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कुल 12 कांग्रेस प्रतिनिधियों को यह जिम्मेदारी सौंप गई है, जिसमें झारखंड से एकमात्र यह जिम्मेदारी नद्दू झा को सौंपी गई है। ज्ञात हो कि वरिष्ठ कांग्रेसी रविंद्र झा सरायकेला बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं शीतला मंदिर न्यास बोर्ड, साकची के भी अध्यक्ष हैं।

ईद को लेकर नाला रोड की मुख्य मार्ग पर लगने लगी अस्थाई दुकानें, शिकायत

ROURKELA : ईद को लेकर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। ईद मे नए कपड़े पहनने और नई चीजें खरीदने की परंपरा है। इसी कड़ी में राउरकेला के मुख्य मार्ग नाला रोड के पास हर साल अस्थायी दुकानें खोली जाती हैं। इस साल भी कई दुकानें खुली हैं। लेकिन इस बार दुकानों की संख्या बढ़ने से ट्रैफिक की समस्या हो रही है। इसके अलावा प्लांटसाइट थाने में शिकायत की गयी थी कि सड़क पर अस्थायी दुकान बैठने से आवागमन में परेशानी हो रही है। मामले पर चर्चा के लिए दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। आज प्लांटसाइट थाना प्रभारी जय नारायण खंडई, जसविंदर सिंह गोल्डी, अफरोज अहमद, एमडी खालिद अजीज, गुड्डू सोनार, एमडी इजाज और राउरकेला एकता मंच के सदस्य, शांति समिति के सदस्य नाला रोड पहुंचे और समस्या का समाधान करने का प्रयास किया।

गोलपहाड़ी के जगन्नाथ मंदिर तोड़ने की बात पर भाजपा के अभय सिंह ने रेल प्रशासन को दी चेतावनी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भाजपा नेता अभय सिंह ने बताया कि उन्हें अखबारों से पता चला कि गोलपहाड़ी के जगन्नाथ मंदिर को रेलवे तोड़ने जा रहा है। रेलवे द्वारा इस संबंध में नोटिस जारी करने की बात पर मैने रेल प्रशासन से बात की और कहा कि धार्मिक मामले में रेलवे प्रशासन सोच-समझकर निर्णय ले, क्योंकि जहां मंदिर बना है, वर्षों से लोग पूजा कर रहे हैं। रथ यात्रा निकलता है। बागबेड़ा, जुगसलाई, कीताडीह, हरहरगुटूटू,परसुडीह, खासमहल, सुंदरनगर आदि क्षेत्रों का वह एक आस्था का केंद्र बन चुका है। ऐसी

गोलपहाड़ी स्थित जगन्नाथ मंदिर पूजा करते अभय सिंह। ● फोटोन न्यूज

स्थिति में बेवजह इस मामले को तूल देना उचित नहीं है।

इसके आद अभय सिंह ने खासमहल स्थित प्रभु जगन्नाथ मंदिर जाकर सारी वस्तुस्थिति की जानकारी ली। मंदिर समिति के लोगों से मिला। प्रभु जगन्नाथ का दर्शन व पूजन किया। हमने आश्वस्त किया कि यह केवल एक मंदिर का मामला नहीं है। यह समूचे जमशेदपुर के मंदिरों का विश्वास का मामला है। हमने मंदिर समिति के पदाधिकारी के समक्ष रेलवे के एरिया मैनेजर और उनके बड़े पदाधिकारीयो से वार्ता कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की और हमने मांग किया कि आप इस पर संवेदनशीलता के साथ काम करें। किसी प्रकार की असंवेदनहीन पैदा न करें, जिससे यह मामला बिगड़े। उन्होंने आशस्वत किया कि हम लोग जल्दी दौरा करके इस वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर निर्णय करेंगे।

एमबीएनएस के छात्र-छात्राओं ने सीखे मानसिक संतुलन के गुर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में स्कूल व कॉलेज के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और प्रबंधन पर शनिवार को कार्यशाला हुई, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ धर्मेंद्र रजक थे। कोल्हान विश्वविद्यालय के क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, असिस्टेंट प्रोफेसर और ओएसडी-एक्जाम डॉ धर्मेंद्र रजक ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित बनाने का तरीका समझाया। ऐसा करके छात्र अपने शैक्षिक, व्यक्तिगत और

कार्यशाला में उपस्थित एमबीएनएस के छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रख सकते हैं।

इस कार्यशाला में इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर अनुपा सिंह और चेयरमैन विवेक सिंह, मार्केटिंग हेड मुकेश कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर सपना कुमारी राय, दीपिका राज, भबतारण भकत, अमरेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित थे। मंच संचालन प्रभारी प्राचार्य पिंकी सिंह ने किया।

सुंदरगढ़ लोकसभा सीट में जोएल व दीलिप एक बार फिर आमने सामने

PHOTON NEWS SUNDARGARH : चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद दो प्रमुख दलों ने सुंदरगढ़ लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बीजेडी ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दीलिप तिर्की के नाम की घोषणा की है, जबकि मौजूदा सांसद जोएल ओरम बीजेपी से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।भले ही सुंदरगढ़ जिले में त्रिकोणीय लड़ाई है, लेकिन मौजूदा चुनाव में दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी बीजेपी-बीजेडी के बीच लड़ाई की खबरें हैं।

पिछले चुनाव में जोएल ने बीजेडी उम्मीदवार सुनीता विशाल को 2 लाख से अधिक वोट जीते

थे। 2014 में जोएल ओरम और बीजेडी प्रत्याशी दीलिप तिर्की के बीच मुकाबला हुआ था। दीलिप मात्र 19,000 वोटों से हार गए थे। 2024 के आम चुनाव में दीलिप-जोएल फिर से आमने सामने हैं। जोएल ने शुक्रवार को सुंदरगढ़ से अपना चुनाव अभियान शुरू किया और रविवार को राउरकेला पहुंचेंगे। बहरहाल, बीजेडी प्रत्याशी दीलिप तिर्की ने अपना पहला चुनावी कार्यकर्ता सम्मेलन हेमगिरि से शुरू कर दिया है।नवीन पटनायक ने खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुंदरगढ़ जिले को महत्व दिया है।इस आधार पर मतदाताओं से बीजेडी को वोट देने की अपील की है।

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी जी महाराज का चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

JAMSHEDPUR : आनंद श्री विभूषित द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शनिवार को संपन्न हो गया, इसके उपरांत शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद जमशेदपुर, घाटजिला के कार्यक्रम के उपरांत रांची विमान से अहमदाबाद के लिए रवाना हो गये। इससे पूर्व रांची से बिरसा मुंडा हवाई अड्डे परशंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद का स्वागत गर्म जोशी के साथ किया गया। इस मौके पर श्री गुरु गुरुदेव सेवा समिति के मुख्य संरक्षक उमेश प्रसाद खीरवाल, शुभम खीरवाल, विकास अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

दो अप्रैल को होगा गरिमा परिवार के उत्कल दिवस समारोह का आयोजन

PHOTON NEWS ROURKELA : सामाजिक एवं सांस्कृतिक महिला संगठन गरिमा परिवार 2 अप्रैल को शाम 6:00 बजे भंजभवन थिएटर में छठा उत्कल दिवस मनाएगा, इसकी घोषणा आज सेक्टर-2 सहनाई मंडप में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में की गई। संस्थान के अध्यक्ष एवं सभापति सांस्कृतिक संपादक शंकर जेना ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि गरिमा परिवार पिछले 6 वर्षों से उत्कल दिवस मना रहा है।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय रेत मूर्तिकार पद्मश्री सुदर्शन पटनायक मुख्य अतिथि होंगे, एनआईटी प्राध्यापिका सूचिस्मिता चिन्नारा, सामाजिक कार्यकर्ता मंजूदेवी बागड़िया, ओलीवुड अभिनेत्री इप्सिता दास मुख्य आमंत्रित अतिथि होंगी। इस अवसर पर पूर्णतः ओडिशा के ओड़िया कला संस्कृति एवं महिला सशक्तिकरण

मीडिया को जानकारी देतीं शंकर जेना। ● फोटोन न्यूज

पर आधारित मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गोमती नायक, सुरेखा घासी और बंदना टिब्रीवाल को सम्मानित किया जाएगा। भजन, नृत्य और संगीत के अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में रामायण में महिला पात्रों पर आधारित सदियों से महिलाओं और आदिवासियों द्वारा पहने जाने वाले आभूषणों से सजे सदस्यों द्वारा एक रैंप शो भी शामिल होगा। इसके साथ ही विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रम भी होंगे। इसके लिए संस्था की ओर से बड़ी संख्या में जनता से इसे सफल बनाने का अनुरोध किया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में शंकर जेना के साथ प्राचार्य निहारिका बस्तिया, अध्यक्ष ममता नायक, संपादिका डॉ. सरिता मल्ल, समन्वयक सुमिता मोहंती ने महत्वपूर्ण जानकारी दी।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में मना इस्पात सुरक्षा दिवस

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला स्टील प्लांट में इस्पात सुरक्षा दिवस का पालन किया। राउरकेला स्टील प्लांट सह अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अतनु भौमिक गोपबंधु ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। मंच पर उप निदेशक विभू प्रसाद, कार्यपालक निदेशक एसआर सूर्यवंशी, डॉ बीके होता, तरूण मिश्र, आलोक वर्मा, एके बेहुरिया, ओडिशा सरकार के दोनों सहायक निदेशक बिबेकानंद नायक और स्वराज कुमार त्रिपाठी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतनु भौमिक ने कहा कि सुरक्षा पहलुओं को समेकित और मजबूत करने में सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें शून्य नुकसान के साथ इस्पात बनाने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि संयंत्र में प्रवेश करने वाला प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित रूप से

घर जाए। अपने कर्मचारियों की सुरक्षा करना और साथ ही उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना हमारी जिम्मेदारी है', और सभी से दिन-प्रतिदिन के आधार पर सुरक्षित प्रक्रियाओं का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से संगठन में सुरक्षित इस्पात के उत्पादन और सुरक्षा जाल को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देने का आह्वान किया। रक्षित कार्यस्थल के महत्व पर विभु प्रसाद ने कहा सुरक्षा केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है, यह ठेका श्रमिकों से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं अन्य अतिथियों ने भी विचार रखें।

साकची स्थित रवींद्र भवन में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दस अप्रैल तक बन सकते हैं मतदाता, शहरी क्षेत्र को प्राथमिकता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहरी क्षेत्र में मतदान के प्रति उदासीनता दूर करने के लिए जिला अंतर्गत सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय सहित व्यवसायिक संस्थान, निजी कंपनियां, संगठन, बैंक, आवासीय सोसायटी आदि में वोटर अवेयरनेस फोरस का गठन किया जाना है। इसके माध्यम से शत प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित कराने, मतदान के लिए संबंधित संस्थानों में गतिविधि संचालित करने एवं निर्धारित 25 मई को अपने अपने बूथों में जाकर मतदान के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका होगी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित उपायुक्त अनन्य मित्तल। ● फोटोन न्यूज

साकची स्थित रवींद्र भवन में शनिवार को हुए मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने उपस्थित सोसायटी के अध्यक्ष-सचिवों व अन्य स्टेकहोल्डर से अपील की कि अपने-अपने परिसर में रहने अथवा काम करने वाले शत प्रतिशत योग्य मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए अपने स्तर से बैठक कर पहल करें। 10 अप्रैल तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम जैसे स्थानीय बीएलओ, वोटर हेल्पलाइन एप, एनवीएसपी (नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल) या 1950 टोल फ्री नंबर की मदद से आसानी से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया जा सकता है।

बूथ पर पहचान वैकल्पिक दस्तावेज भी लेकर जाएं

मतदान के लिए बूथ पर वोटर कार्ड के अलावा 12 अन्य पहचान पत्र में से कोई अवश्य साथ रखें। इसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त बैंक या पोस्ट ऑफिस पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर (राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर) के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकारों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी सेवा आईडी कार्ड (फोटो के साथ), सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किया गया आधिकारिक पहचान पत्र और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी विशिष्ट विकलांगता आईडी (यूडीआईडी) आदि शामिल हैं।

राउरकेला स्टील प्लांट को अभिनव प्रयास से उपयोगी राजस्व अर्जित करने में मिली मदद

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला स्टील प्लांट का मार्केटिंग विभाग नवीन समाधान खोजने और संयंत्र की लाभप्रदता बढ़ाने में उत्पादन इकाइयों को पूरक करने के लिए विभिन्न इकाइयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। आरएसपी द्वारा पहली बार सिंगल पीस अनकट फॉर्म में एक स्क्रैप प्लेट मिल बैक अप रोल भेजा गया। उल्लेखनीय है कि स्क्रैप प्लेट मिल बैक अप रोल का वजन 60 टन से अधिक होता है और इसके परिवहन के लिए उच्च क्षमता वाले वाहन की आवश्यकता होती है। ऐसे वाहन की लंबाई आरएसपी में उपलब्ध वजन पुलों की सीमा से अधिक है और इसलिए ऐसे वाहन से वजन करना संभव नहीं है। तो, इस प्रकार के रोल को टुकड़ों में काटा जाता है और फिर पार्टियों द्वारा ले जाया जाता है। इस कठिनाई के कारण पार्टियाँ इन रोलों को खरीदने में कम ही रुचि लेती हैं और स्क्रैप रोल लंबे समय तक बिना निपटान के पड़े रहते हैं।

इस समस्या को हल करने के लिए आरएसपी की मार्केटिंग और रोल शॉप टीम ने रोल को बिना काटे तोलने की प्रक्रिया विकसित करने की चुनौती ली। काफी सोच-विचार के बाद वैगन से रोल तौलने का निर्णय लिया गया। विपणन, रोल शॉप, यातायात और कच्चे माल, उत्पादन योजना एवं नियंत्रण, वित्त एवं लेखा और सी एण्ड आईटी. विभाग के बीच उचित समन्वय के साथ, रोल को फ्लैट प्रकार के वैगन में लोड किया गया और रोल को वजन किया गया। फिर रोल को पहली बार सिंगल पीस अनकटा रूप में ट्रेलर में भेजा गया। नवप्रवर्तन ने समान रोल्स के निपटान का मार्ग प्रशस्त किया है जिससे संयंत्र को उपयोगी राजस्व अर्जित करने में मदद मिली है।

पटना में सब्जी बिक्री का समय निर्धारित कर दिया गया

पटना। शहर में अतिक्रमण और यातायात में आ रही दिक्कतों को देखते हुए प्रमंडलीय आयुक्त कुमार रवि ने सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं। सब्जी बिक्री का समय निर्धारित कर दिया गया है शुक्रवार को कार्यालय कक्ष में अतिक्रमण उन्मूलन, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षित परिवहन से संबंधित विषयों पर समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि बड़े प्रतिष्ठानों और शोरूम के आगे अवैध ढंग से वाहन पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में डीएम शीर्षत कपिल अशोक, एसएसपी राजीव मिश्रा समेत अन्य वरीय अधिकारी शामिल थे। विभिन्न इलाकों में गति सीमा दोबारा निर्धारित किए जाने

के लिए आयुक्त ने नियमानुसार प्रस्ताव भी मांगा है। सुबह पांच से नौ बजे तथा शाम में सात से 10 बजे तक सब्जी बिक्री बैठक के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने हरी सब्जी की बिक्री के लिए समय निर्धारित कर दिया।उन्होंने कहा कि अब सुबह पांच से नौ और शाम सात से 10 बजे तक ही निर्धारित स्थलों पर सब्जी बिक्री की अनुमति होगी। मुख्य मार्ग पर अवैध व्यावसायिक गतिविधियों की किसी हाल में मंजूरी नहीं दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुख्य मार्ग पर अवैध दुकान लगाने वालों पर, पैदल यात्रियों के रास्ते पर दुकान को किसी भी कीमत पर अनुमति न दें। ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। नगर निगम, जिला प्रशासन, यातायात, पुलिस, परिवहन, पथ निर्माण तथा अन्य संबंधित विभाग के पदाधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर इन निदेशों का अनुपालन करेंगे। आयुक्त ने वाहनों की गति सीमा फिर से निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव भी तलब किया।नहीं बर्दाश्त की जाएगी अवैध पार्किंगआयुक्त ने कहा कि राजधानी के बड़े शो रूम, प्रतिष्ठानों के सामने सड़क पर वाहनों की पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे यातायात की समस्या उत्पन्न होती है। ऐसे में जिन प्रतिष्ठानों में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होगी और वहां अवैध पार्किंग होगी तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रमंडलीय आयुक्त कुमार रवि ने कहा कि अब सड़क पर ठेला-खोमचा लगाने वाले अतिक्रमण करें या बड़े प्रतिष्ठान की अवैध पार्किंग हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। यातायात में व्यवधान को किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक अप्रैल से सघन अभियान चलाया जाएगा। एम्स, आइजीआइएमएस, पीएमसीएच आदि अस्पतालों के आसपास कोई अतिक्रमण नहीं रहना चाहिए। रोगियों, डाक्टरों तथा एंबुलेंस के आवागमन में कोई व्यवधान नहीं पड़ना चाहिए। वाहनों के अवैध पड़ाव पर रोक लगाएं और विधिसम्मत कार्रवाई करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि अभियान में सख्ती बरतें। प्रविधानों के अनुसार अर्थदंड लगाएं। पुनः अतिक्रमण करने वालों पर प्राथमिकी करें। पुल तथा पेड़ की आड़ में अतिक्रमण तथा अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुकान के आगे-पीछे अस्थायी संरचनाएं हटाएं। जीरो माइल से जगनपुरा के रास्ते को सुगम रखें। व्यवस्थित रखें।

संक्षिप्त डायरी

पाइपलाइन बिछाने के लिए रोड तोड़ा

भागलपुर। स्मार्ट सिटी के तहत शहर को स्मार्ट बनाने के लिए कई कार्य हो रहे हैं, लेकिन आलम यह है कि इस कार्य में लगी कंपनी ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी है। दक्षिणी इलाके में सड़क को काटकर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। जिसके कारण सड़क को काट दिया दिया गया है। लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है दक्षिणी इलाके के हुसैनाबाद में स्थिति काफी दयनीय बनी हुई है। लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। लोगों ने इसको लेकर काम कर रहे पैन इंडिया कंपनी के खिलाफ दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। रमजान का समय चल रहा है आने-जाने में परेशानियां हो रही है। बच्चे गिर पड़ जाते हैं। कई बार स्थानीय पार्षद को भी लिखित रूप से दी गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि पिछले महीने सड़क काटकर दो पाइप बिछाई है। उसके बाद सड़क की मरम्मत नहीं की। रमजान का वक्त चल रहा है पानी की समस्या है। उसके बाद सड़क की स्थिति खराब है। जिसके कारण आने- जाने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। अब बाहर से मेहमान आएंगे, बच्चे घर से निकलते हैं तो गिर जाते हैं। हम लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत हो। नहीं तो उग्र आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

3 चांस मिलने के बावजूद नहीं कराया भौतिक सत्यापन

सीवान। जिला प्रशासन आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी में जुटा हुआ है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में शस्त्र अनुज्ञप्ति धारी का शास्त्र का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया था। जिला प्रशासन द्वारा तीन-तीन बार शस्त्र का भौतिक सत्यापन करने का शस्त्र अनुज्ञप्ति धारी को मौका दिया गया। इसके बावजूद जिला भर के कुल 1308 शस्त्र अनुज्ञप्ति धारी ने अपने आग्नेय शस्त्र का भौतिक सत्यापन नहीं कराया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला अधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता ने भौतिक सत्यापन नहीं करने वाले सभी शस्त्र अनुज्ञप्ति धारी का आग्नेयास्त्र के लाइसेंस को रद्द करने का निर्देश दिया है। बता दें कि शस्त्र सत्यापन के लिए प्रथम चरण की तिथि 12 फरवरी से 15 फरवरी तक, द्वितीय चरण की तिथि 19 फरवरी से 21 फरवरी तक निर्धारित की गई थी जिसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि जिला में सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी निर्धारित समय सीमा के अन्दर अपने शस्त्र का सत्यापन शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करेंगे। जिसके आलोक में 2503 शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों के द्वारा अपने शस्त्र का सत्यापन कराया गया। इस तिथि तक जिन्होंने शस्त्र का सत्यापन नहीं कराया था, उन्हें जिला दण्डाधिकारी सीवान द्वारा तृतीय एवं अंतिम मौका 18 से 20 मार्च तक दिया गया ताकि शेष अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा सत्यापन कराया जा सके। द्वितीय चरण की निर्धारित अवधि में शस्त्र का सत्यापन नहीं कराने वाले शस्त्रधारियों से शस्त्र दण्डाधिकारी सिवान द्वारा शीघ्र शस्त्र का सत्यापन कराते हुए स्पष्टीकरण की मांग की गयी। जिसके आलोक में 19 शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों द्वारा स्पष्टीकरण का जवाब दिया गया कि उनके शस्त्र को संबंधित थाना/गन हाउस में जमा किया जा चुका है। 36 शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों के विरूद्ध किसी न किसी मामले में केस दर्ज होने के कारण उनके शस्त्र को संबंधित थानों में जमा करने का निर्देश दिया गया। अंतिम चरण के बाद भी 1308 शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों द्वारा अपने शस्त्र का सत्यापन नहीं कराया गया है। जिसके आलोक में जिला दण्डाधिकारी सिवान द्वारा उनके शस्त्र अनुज्ञप्ति को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।

बिहार के लिए ऐतिहासिक दिन जननायक को मिला का भारत रत्न

बिहार। के लिए ऐतिहासिक दिन है। राज्य के महान विभूति, पूर्व उपमुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों रामनाथ ठाकुर अपने पिता के सम्मान को ग्रहण किया। यह सम्मान बिहारवासियों का गौरव है। आइए जानते हैं कौन थे कपूर्री ठाकुर, जिन्हें जननायक कहा गयाकपूर्री ठाकुर का जन्म आज से 100 साल पहले भारत में ब्रिटिश शासन काल के दौरान समस्तीपुर के एक गांव पितौंझिया में नाई जाति के परिवार में हुआ था। अब कपूर्री ठाकुर की जन्मस्थली होने के कारण इस गांव को कपूर्रीग्राम कहा जाता है। कपूर्री ठाकुर समाजवाद के सच्चे सिपाही थे। केवल सत्रह साल की उम्र में उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल गए। देश की आजादी वे लोकनायक जेपी और समाजवादी चिंतक डॉ.राम मनोहर लोहिया के सच्चे चेले थे। तब बिहार के लालू प्रसाद यादव, नितीश कुमार, राम विलास पासवान और सुशील कुमार मोदी जैसे छात्र नेता राजनीति का ककहरा पढ़ रहे थे। इन सब ने कपूर्री ठाकुर को राजनीतिक गुरु माना। कपूर्री की पहचान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक और राजनीतिज्ञ के रूप में रही है। वह बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री और दो बार मुख्यमंत्री रहे थे। लोकप्रियता के कारण उन्हें जन-नायक कहा जाता था।

कहा जाता है कि पूरी जिंदगी उन्होंने कांग्रेस विरोधी राजनीति की और अपना सियासी मुकाम हासिल किया। सत्तर के दशक में हुए जेपी आंदोलन एक टर्निंग प्वाइंट बन गया जब सारे समाजवादी और पिछड़े वर्ग के नेता एक झंडे के नीचे खड़े हो गए। कपूर्री ठाकुर 1970 में पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। 22 दिसंबर 1970 को उन्होंने पहली बार राज्य की कमान संभाली थी। उनका पहला कार्यकाल महज 163 दिन का रहा था। 1973-77 के बीच लोकनायक जयप्रकाश के छात्र-आंदोलन से कपूर्री भी जुड़ गए।

शर्त के साथ भाजपा को दी गई नवादा सीट

नवादा। लोकसभा सीट 2019 में लोक जनशक्ति पार्टी के पास थी। मगर, 5 साल बाद हो रहे इस बार के चुनाव में सीटों का गणित बदला हुआ है। नवादा सीट अब भारतीय जनता पार्टी के पास है। इस सीट से भाजपा ने विवेक ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। पर क्या आपको पता है कि लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने नवादा की सीट को शर्तों के साथ भाजपा को वापस किया है? जी हां, सूत्रों के हवाले से इसकी इनसाइड स्टोरी यही है। नाम ना छापने की शर्त पर उनके पार्टी के एक राज्य

स्तर के नेता ने भी इस बात को कंफर्म किया है। पिछले लोकसभा चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी के पास कुल 6 सीटें थीं। मगर, इस बार 5 सीटें ही मिली है। इसमें एक सीट नवादा शामिल नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में नवादा की सीट भाजपा के पास थी। तब गिरिराज सिंह चुनाव जीतकर सांसद बने थे। फिर 2019 में यह सीट लोजपा को मिली। उस वक्त चिराग पासवान ने लोजपा के संकटमोचक कहे जाने वाले बाहुबली पूर्व सांसद सूरजभान सिंह के भाई चंदन सिंह को यहां से टिकट दिया था। इस सीट से चंदन सिंह चुनाव जीते भी थे। मगर, 2020 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव के बाद पासवान परिवार और पार्टी, दोनों का ही बंटवारा हो गया था। तब सूरजभान सिंह और उनके सांसद भाई बाकी सांसदों के साथ चाचा व पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ खड़े हो गए थे। पार्टी में टूट के बाद पटना में भूतनाथ रोड स्थित सूरजभान सिंह के घर पर ही चाचा पशुपति पारस के गुट की बैठक हुई थी। उसी बैठक में पशुपति पारस को राष्ट्रीय लोजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष व संसदीय दल का नेता चुना गया था। चिराग इस बात को मानते हैं कि उनकी पार्टी और परिवार को तोड़ने में सूरजभान सिंह की अहम भूमिका रही है। पर राजनीति एक्सपर्ट और सीनियर जर्नलिस्ट अरुण पांडेय बताते हैं कि सूरजभान सिंह अगर उस वक्त पशुपति कुमार पारस का साथ नहीं दिए होते तो लोजपा का बंटवारा नहीं होता।

वीटीआर के टूरिस्ट हुए रोमांचित

बिहार। वीटीआर में आए पर्यटक बगहा-वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क पर उस वक्त रोमांचित हो उठे जब वन राज का उन्हें करीब से दीदार हुआ। इस दौरान कुछ देर तक बाघ आसानी से बड़े आराम के मूड में सड़क पार करता रहा फिर घने जंगल में प्रवेश कर गया। वहीं आज सुबह लोगों ने भालुओं की टोली भी देखी जिसका सबने खूब आनंद उठाया। बताया गया कि 1999 मैट्रिक बैच के छात्रों का काफिला शुगर मिल्स हाई स्कूल नरईपुर से सिल्वर जुबली एल्युमीनी मीट सेलिब्रेशन में गुरुजनों का सम्मान कर बिहार के कश्मीर में टूर पर निकला था। इसी दौरान इको टूरिज्म

की मस्ती ने इन पर्यटकों को रास्ते में ही कुछ पल के लिए रोक दिया। जब बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जंगल से बाहर आकर एक बाघ मटर गश्ती करते मुख्य सड़क पर दिखा, बाघ को करीब से देखकर दूर दराज से आए युवाओं की टोली आनंदित हो उठी । बताया गया कि 1999 मैट्रिक बैच के छात्रों का काफिला शुगर मिल्स हाई स्कूल नरईपुर से सिल्वर जुबली एल्युमीनी मीट सेलिब्रेशन में गुरुजनों का सम्मान कर बिहार के कश्मीर में टूर पर निकला था। इसी दौरान इको टूरिज्म की मस्ती ने इन पर्यटकों को रास्ते में ही कुछ पल के लिए रोक दिया। जब बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जंगल से बाहर आकर एक बाघ मटर गश्ती करते मुख्य सड़क पर दिखा, बाघ को करीब से देखकर दूर दराज से आए युवाओं की टोली आनंदित हो उठी । बता दें की इंडो-नेपाल सीमा पर स्थित बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 54 पार कर गई है। हालांकि तीन दिन पहले एक बाघ की मौत हो चुकी है, जिसके बाद बाघों की संख्या 53 हो गई। लिहाजा देश विदेश से आने वाले हर पर्यटक यहां खुली जंगलों में बाघ के दीदार की हसरतें पाले रहते हैं। फिर बाघ और तेंदुआ का दीदार होना लकी माना जाता है। इन दिनों वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वाल्मीकिनगर और मंगुराहा के इलाकों में बाघ और तेंदुआ की चहलकदमी बढ़ गई है और यही वजह है कि बड़ी ही आसानी से इधर बाघ और तेंदुआ अक्सर दिख जा रहे हैं। इधर, शनिवार की सुबह सुबह जंगल सफारी के दौरान आए पर्यटकों को भालुओं की पर्यटकों ने खूब आनंद उठाया।

भाकपा-माले ने 3 सीट पर उम्मीदवार फाइनल किए

बिहार। भाकपा-माले ने आज बिहार की तीन लोकसभा सीट पर अपने कैंडिडेट के नामों का ऐलान कर दिया है। इंडी गठबंधन में भाकपा-माले को आरा, काराकाट और नालंदा लोकसभा सीटें मिली हैं। कल हुए सीट शेयरिंग के बाद पार्टी ने आरा से सुदामा प्रसाद, काराकाट से राजा राम सिंह और नालंदा से संदीप सौरभ को अपना कैंडिडेट बनाया है। वहीं झारखंड की कोडरमा सीट से बगोदर के वर्तमान विधायक विनोद सिंह कोडरमा से प्रत्याशी होंगे। विनोद सिंह अपने पिता महेंद्र सिंह के निधन के बाद 2005 में बगोदर से विधायक बने। इधर अगिआंव उपचुनाव में भाकपा माले ने आरवाइए के राज्य सचिव शिवप्रकाश रंजन को मैदान में उतारा है। मनोज मंजिल को हत्या के केस में सजा होने के बाद उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। शिवप्रकाश रंजन बिहार में छात्र आंदोलन के चर्चित नेता रहे हैं। उन्होंने आइसा के बिहार राज्य सचिव की जिम्मेवारी भी संभाली है। वे भाकपा-माले की राज्य कमिटी के भी सदस्य हैं। बता दें कि आरा और काराकाट में भाकपा-माले का मजबूत जनाधार माना जाता है। भोजपुर जिले में पार्टी के दो विधायक हैं। अगिआंव से मनोज मंजिल और तरारी से सुदामा प्रसाद विधायक हैं। हालांकि अब मनोज मंजिल की सदस्यता खत्म हो गई है। वहीं काराकाट विधानसभा क्षेत्र से अरुण सिंह विधायक हैं। इसी इलाके के ओबरा से राजा राम सिंह विधान सभा चुनाव जीतते रहे हैं। पिछली बार वे हार गए थे। पार्टी ने 3 में से 2 विधायक को टिकट दिया है। इनमें सुदामा प्रसाद और संदीप सौरभ हैं। सुदामा प्रसाद आरा जिले के ही तरारी विधानसभा से भाकपा-माले के विधायक हैं। उन्होंने 2015 में पहली बार तरारी सीट पर जीत हासिल की और फिर 2020 के विधानसभा चुनाव में दोबारा निर्वाचित हुए। वे बिहार विधानसभा में कृषि-उद्योग समिति के सभापति भी हैं। सुदामा प्रसाद अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं।

पप्पू यादव को कांग्रेस की चेतावनी

बिहार। पप्पू यादव के कांग्रेस में शामिल होने के 10 दिन के अंदर ही कांग्रेस से निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। एक तरफ जहां पप्पू यादव पूर्णिया सीट पर कांग्रेस का झंडा फहराने और राहुल गांधी को पीएम बनाने का नारा बुलंद कर रहे हैं तो दूसरी तरफ पार्टी के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई की रणनीति बन रही है। पप्पू यादव की तरफ से शनिवार की सुबह घोषणा की गई कि वे 2 अप्रैल को पूर्णिया में अपना नॉमिनेशन करेंगे। इसके तुरंत बाद कांग्रेस के भीतर से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात सामने आने लगी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राजेश राठौर ने बताया कि

महागठबंधन की सीट शेयरिंग में कांग्रेस के कोटे में जो 9 सीटें आई हैं, पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार वही होगा। बाकी सीटों पर गठबंधन के सहयोगी दलों से अधिकृत उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। राजेश राठौर ने कहा कि इसके अलावा किसी भी सीट पर अगर महागठबंधन के किसी दल का कोई और कैंडिडेट नॉमिनेशन करता है तो वे पार्टी के सदस्य नहीं माना जाएगा। वहीं, फ्रेंडली फाइट के सवाल पर उन्होंने कहा कि कहीं पर कोई फ्रेंडली फाइट नहीं होगी। गठबंधन के तहत चुनाव होगा। कांग्रेस प्रवक्ता के बयान पर फिलहाल पप्पू यादव फिलहाल कोई बयान देने से मना कर दिया है। पप्पू यादव कैंडिडेट घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि वे निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी में भी जुट गए हैं। यही कारण है कि कांग्रेस का झंडा फहराने की बात करने वाले पप्पू यादव ने नॉमिनेशन के रिलीज में खुद को जनता समर्थित उम्मीदवार बताया है। पप्पू यादव ने कहा था कि उन्हें मधेपुरा और सुपौल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऑफर दिया गया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि मैं चुनाव लडूंगा तो पूर्णिया से ही, नहीं तो राजनीति छोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि पूर्णिया की जनता मेरी सांस है। इससे अगर कोई मुझे अलग करेगा तोमेरी अर्थी ही उठेगी और मेरी अर्थी कांग्रेस के झंडे में लिपटी होगी।

दूसरी ओर, पप्पू यादव ने निर्वाचन कार्यालय से अपना एनआर (नाजिर रसीद) कटवाया है। महागठबंधन में आज ही सीट शेयरिंग की घोषणा हुई है। राजद 26 सीटों पर लड़ रही है, को उम्मीदवार बनाया है। वे पूर्णिया से फ्रेंडली फाइट करेंगे।

ट्रक ने खड़ी बस में मारी टक्कर एक की मौत

रोहतास। के डेहरी नगर थाना क्षेत्र के पाली पुल के पास शनिवार की सुबह खड़ी बस में कोयला लदे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एक यात्री की मौत हो गई। वहीं, छह से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। ट्रक चालक समेत तीन की हालत गंभीर है जिन्हें रेफर कर दिया गया है। रांची से तीर्थ यात्रियों की दो बस अयोध्या जा रही थी जिसमें एक खराब हो गई तो सड़क किनारे खड़ी थी तभी ट्रक ने टक्कर मार दी। चालक को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। बताया जाता है कि एक बस 70 सीट वाली थी, दूसरी 35 सीट वाली थी। शनिवार की सुबह डेहरी पहुंचने पर बड़ी बस खराब हो गई, जिसके कारण दोनों बसों को

सड़क किनारे खड़ी कर उसे ठीक किया जा रहा था। बस बन गई, तो सभी यात्री बारी-बारी से बैठ रहे। तभी पीछे से एक तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस में सवार लोग घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि छह से ज्यादा का इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान 62 साल के बलेश्वर साहू के रूप में की गई है।

मंगलवार को उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

नालंदा। जिला मुख्यालय बिहार शरीफ से पश्चिम 3 किलोमीटर दूर पर अवस्थित है मघड़ा गांव, जहां मां शीतला का प्रसिद्ध मंदिर है। मां शीतला के प्रसिद्ध मंदिर में चैती कृष्ण पक्ष अष्टमी मंगलवार को विशेष पूजा होगी। वैसे मंदिर में सोमवार से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगेगी, यह आयोजन तीन दिनों तक चलेगा। श्री शीतला पंडा कमेटी के सदस्य रंजीत कुमार ने बताया कि इस मंदिर की मान्यता यह है कि यहां के जल एवं भभूत से बड़े-बड़े रोगों को निवारण प्राप्त होता है। खासकर के चेचक का प्रकोप जब गर्मी के दिनों में बढ़ता है तो यहां के जल और भभूत से चेचक रोग का निवारण हो जाता है। इस मंदिर का स्कंद पुराण में भी वर्णन है। व्हेन सांग जब पढ़ते थे तो शीतला मंदिर के पीछे पीपल के पेड़ के नीचे वह विश्राम करते थे और इसके बाद हिरण्य पर्वत पर स्थित लाइब्रेरी में पढ़ाई करने जाते थे। प्राचीन काल से ही चैती कृष्ण पक्ष सप्तमी के दिन मघड़ा गांव एवं आसपास के दर्जनों गांव में बसियौड़ा मनाने की परंपरा चली आ रही है। अष्टमी के दिन गांव के किसी घर में चूल्हे नहीं जलते हैं। लोग एक दिन पहले बने भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। गांव की एक ब्राह्मण को माता ने रात में स्वप्न दिया था कि उनकी मूर्ति नदी के किनारे जमीन के अंदर दबी है। उसे गांव के किसी स्थान पर स्थापित कर पूजा अर्चना करें। इसके बाद ब्राह्मण ने नदी के किनारे से स्थित एक कुएं की खुदाई कराई। जहां से मां शीतला की प्रतिमा मिली। तरह-तरह की दुकाने लगाई जा रही है।

सन ऑफ मल्लाह बातचीत में ही फंसे रहे सीट शेयरिंग में हाथ खाली

बिहार। अलायंस में आखिरकार 29 मार्च को सीटों का बंटवारा हो गया। इसमें केवल लालू यादव का दबदबा नजर आया। बिहार में कुल 40 सीटों में से आरजेडी सबसे ज्यादा 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इतना ही नहीं, कांग्रेस के सामने ही पप्पू यादव का पत्ता भी कट गया। कांग्रेस केवल 9 सीटें लेकर सारा तमाशा चुपचाप देखती रही। वामदलों को भी 5 सीटों पर संतोष करना पड़ा।यहां एक नाम और भी था, जिसे सीट शेयरिंग से बड़ी आस थी। वो वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी हैं। जिन्होंने दो से तीन सीटों की मांग रखी थी, मगर इनकी दाल नहीं गली। इससे

पहले मुकेश सहनी की बातचीत एनडीए से भी चली थी, पर वहां भी हाथ खाली रह गए। पॉलिटिकल एक्सपर्ट अरूण पांडेय कहते हैं कि मुकेश सहनी दोनों गठबंधन से सौदेबाजी करते आए हैं, लेकिन कहीं भी उनकी बात नहीं बनी। अभी लालू यादव ही सबसे बड़े सौदेबाज हो गए हैं। उनकी यही शर्त थी कि सहनी अपनी पार्टी का विलय राजद में कर लें, तभी उनको सीट दी जा सकती है। इसके लिए सहनी तैयार नहीं हुए। हालांकि, वीआईपी प्रवक्ता का कहना है कि उन्हें राजद की तरफ से विलय के लिए नहीं कहा गया था। अगर विलय ही करना होता तो ऐसा ऑफर भाजपा की तरफ से पहले भी मिल चुका है। सीट शेयरिंग में एनडीए से मिले झटके के बाद मुकेश सहनी ने तेजस्वी से मुजफ्फरपुर और खगड़िया की मांग करते हुए गठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मुजफ्फरपुर सीट तेजस्वी पहले ही कांग्रेस को देने का वादा कर चुके थे। मुजफ्फरपुर से कांग्रेस किसी भी कीमत पर हटना नहीं चाहती थी। खगड़िया सीट भी सीपीएम को चली गई, जिसके बाद सहनी के लिए सभी रास्ते बंद हो गए।वीआईपी के प्रवक्ता देव ज्योति भी सीट ना मिलने के सवाल को टाल गए। उन्होंने निषाद आरक्षण की बात रखते हुए कहा कि हमें लालू यादव और राहुल गांधी पर पूरा भरोसा है। अगर वो निषाद आरक्षण देते हैं तो हम अब भी उनका समर्थन करने को तैयार हैं। लालू यादव की जिद के आगे बेबस पप्पू यादव ने तो पूर्णिया से चुनाव लड़ने का ऐलान करके अपने इरादे बता दिए हैं, लेकिन अब सहनी क्या करेंगे? यह देखना रोचक होगा। अगर वो चुनाव मैदान में कैंडिडेट उतारते हैं तो मिथिलांचल और सीमांचल में महागठबंधन का खेल बिगाड़ सकते हैं। मुकेश सहनी पिछले 10 वर्षों से बिहार में खुद को मल्लाह का नेता स्थापित करने में एक हद तक कामयाब रहे हैं। मल्लाह अति पिछड़ा जाति से आते हैं। मिथिलांचल खासकर दरभंगा, मुजफ्फरपुर और मधुबनी के इलाके में इनकी आबादी अच्छी-खासी है। इसके अलावा खगड़िया और सीमांचल की एक-दो सीटों में ये जीत-हार का समीकरण बिगाड़ सकते हैं।सीटों पर लड़ी थीं। खुद वे खगड़िया से 2 लाख से ज्यादा वोट से हार गए थे।

इस बार मतदान 'इसलिए' महत्वपूर्ण है

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

याद रखें, हमने प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत जीवन के सभी तत्वों में बढ़ने में मौलिक रूप से सहायता करने का मार्ग चुना है, फिर सामाजिक जीवन, फिर राष्ट्र का निर्माण, और अंत में दुनिया को एक साथ लाने के लिए एक सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने और शांति लाने के लिए। यदि हम जीतने के बारे में आत्मसंतुष्ट होने या गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण वोट नहीं देते हैं, तो केवल अपने परिवार या पार्टी के लिए काम करने वाला उम्मीदवार हमें सभी मोर्चों पर पीछे धकेल देगा, यहां तक कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करेगा। क्या आप

इस साल 2024 के आम चुनाव की घंटी बज चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दस साल के शासन और खंडित विपक्ष की चर्चा पूरे देश में हो रही है। लगभग सभी संचार व अन्य माध्यम मोदी के लिए प्रचंड बहुमत का अनुमान लगा रहे हैं, वह भी तब जब उनके शासन के खिलाफ दो कार्यकालों से विपक्ष का झूठा विमर्श स्थापित कर विरोध चल रहा है। जब यह सब चल रहा है, तो भारतीय नागरिकों की सामान्य मानसिकता, विशेष रूप से कस्बों और शहरों में रहने वाले लोग यह मानने लगे हैं कि चूंकि प्रधानमंत्री मोदी चुनाव जीत ही रहे हैं, इसलिए हमें लाइन में खड़े होकर एक खास दिन वोट क्यों देना चाहिए, जबकि हम इसके बजाय परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं।

कई लोगों का मानना है कि मतदान न करने से कोई फर्क नहीं पड़ता (मेरे एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा)। यही कारण है कि शहरों और महानगरीय क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम है। जो कोई भी भारत को सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक विकास के सभी पहलुओं में एक महान राष्ट्र के रूप में देखना चाहता है, उसे व्यापक दृष्टिकोण पर विचार करना चाहिए। हर वोट देश को मजबूत बनाने और आंतरिक और बाहरी दोनों दुश्मनों से लड़ने में मदद करता है। हमने अपने महान राष्ट्र में बहुत उथल-पुथल देखी है, और हम ऐसी मानसिकता के शिकार हुए हैं जिसे कोई नहीं चाहता। पिछले कुछ दशको में विकसित हुई 'औपनिवेशिक मानसिकता' ने वंशवादी राजनीतिक दलों को लाभ पहुंचाया है, वे कभी नहीं चाहेंगे कि ऐसी मानसिकता बदले, जिसने उन्हें इस राष्ट्र को लूटने और कमजोर करने में मदद की है। अगर हम वास्तव में अपने आंतरिक और बाहरी दुश्मनों में डर पैदा करना चाहते हैं, तो हमें मतदान करना चाहिए।

जब भी देशप्रेमी ईवीएम बटन दबाता है, तो यह दुश्मन के दिमाग में एक शॉकवेव भेजता है। हमने पिछले दो कार्यकालों में देखा है कि अगर हम चुनाव में जाते हैं और भारी बहुमत से सरकार चुनते हैं, तो देश सही दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर देता है, हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है। कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि दस साल बाद भी अभी भी बहुत सारी चुनौतियां हैं। हां, हर कोई सहमत होगा, लेकिन हमें अपने जीवन के अनुभवों का अध्ययन करने की

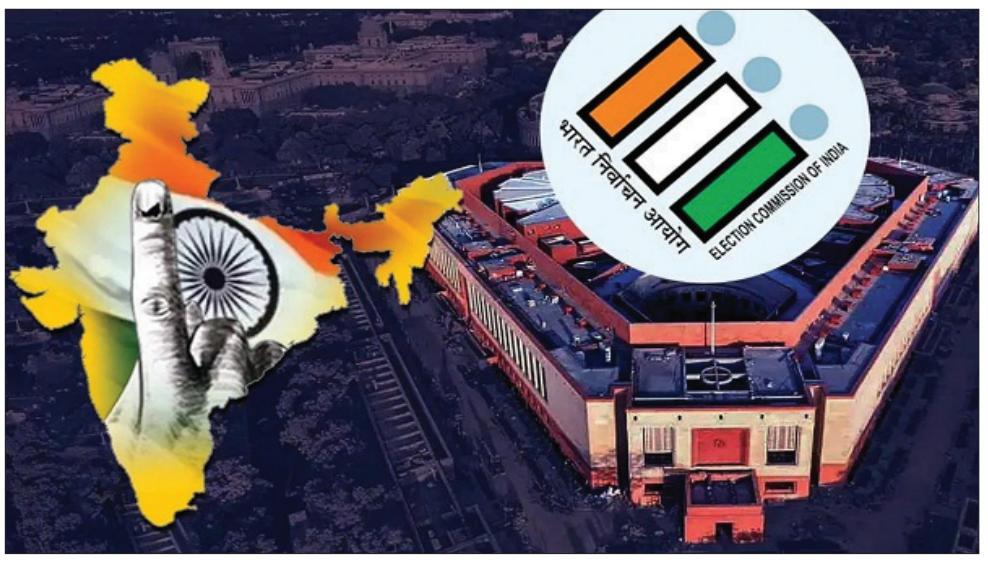

आवश्यकता है। हम जो कुछ भी अब हैं, वह हमारे पूर्वजों और परिवारों की कई पीढ़ियों के प्रयासों का परिणाम है। वैसे ही, इस विशाल देश में 24 करोड़ से अधिक परिवार हैं, जिनमें विभिन्न संस्कृतियां, राजनीतिक विचारधारा और सभी स्तरों पर अलग प्रशासन हैं।

इसलिए, जबकि हम जमीनी स्तर पर विकास के प्रमाण देख सकते हैं, महत्वपूर्ण बदलाव लाने में कम से कम एक दशक और लगेगा। आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को मजबूत करना, अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनेक अवसरों पर सम्मान और नेतृत्व की भूमिका, आर्थिक चक्र में सकारात्मक बदलाव, आत्मनिर्भर भारत के एक हिस्से के रूप में 'स्व' आधारित अनेक नीतियां और क्रियान्वयन, औपनिवेशिक मानसिकता को हटाकर 'स्व' आधारित मानसिकता का विकास, और राष्ट्र के विकास और सुरक्षा के लिए सनातन धर्म के महत्व को मान्यता देना, ऐसी सरकार को वापस चुनकर देना होगा। इसलिए, राष्ट्र विनाशकारी मानसिकता से रचनात्मक मानसिकता में परिवर्तित हो गया है, और यदि हम इस मानसिकता का निर्माण जारी रखते हैं, तो निस्संदेह हम एक या दो दशक में 'विश्वगुरु' बन जाएंगे। और ऐसा होने के लिए, हमें चुनाव के दिन मतदान करना चाहिए और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

याद रखें, हमने प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत जीवन के सभी तत्वों में बढ़ने में मौलिक रूप से सहायता करने का मार्ग चुना है, फिर सामाजिक जीवन, फिर राष्ट्र का निर्माण, और अंत में दुनिया को एक साथ लाने के लिए एक सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने और शांति लाने के लिए। यदि हम जीतने के बारे में आत्मसंतुष्ट होने या गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण वोट नहीं देते हैं, तो केवल अपने परिवार या पार्टी के लिए काम करने वाला उम्मीदवार हमें सभी मोर्चों पर पीछे धकेल देगा, यहां तक कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करेगा। क्या आप फिर से कष्ट सहना चाहते हैं?

कुछ लोग तर्क देते हैं कि सभी पार्टियां एक जैसी हैं और नैतिकता से काम नहीं करतीं। हां, हम कुछ हद तक सहमत होंगे, लेकिन जब हम हजारों साल पीछे देखते हैं और दुनिया भर के दूसरे देशों से भी तुलना करते हैं, तो हम देख सकते हैं कि स्थिति पहले भी थी या है। हालाँकि, हमारे पास 'उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ' को चुनने का विकल्प है, जिसका 'राष्ट्र प्रथम' एजेंडा है, आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए काम करता है, अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए काम करता है, भ्रष्टाचार को खत्म करने का इरादा रखता है और काम करता है, भले ही भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने में दशकों लग जाएँ, संस्कृति और धर्म को पुनर्स्थापित करने के लिए काम करता है, और 'स्व'-आधारित मानसिकता विकसित करने के लिए काम करता है।

हमें मतदान क्यों करना चाहिए और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए-

1. 2026 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पूरा होगा।
2. उद्यमिता और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 'स्व' आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।
3. पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और सतत विकास की योजना और कार्यान्वयन।
4. नक्सलवाद और विदेशी एजेंटों का मुकाबला करना और उन्हें धराशायी करना जो हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को खतरे में डालते हैं।
5. शुद्ध निर्यात हासिल करना।
6. ऐसे कानून जो भारत के संप्रभुता के लिए हानिकारक हैं और जिन्हें डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर ने नहीं बनाया था, बल्कि कुछ राजनीतिक नेताओं ने राजनीतिक लाभ के लिए लागू किया था, उन्हें निरस्त किया जाएगा।
7. सेमीकंडक्टर को मुख्य घटक के रूप में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिक हब विकसित करना।
8. रक्षा उपकरण निर्यात में उच्च वृद्धि।
9. अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति।
10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी और कुशल कार्यान्वयन।
11. स्टार्ट-अप, पेटेंट और यूनिकॉर्न में तेजी से वृद्धि।
12. गरीबी दर में उल्लेखनीय कमी।
13. व्यापार करने में आसानी बढ़ेगी।
14. व्यवस्था को बेहतर बनाने और त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए। न्यायिक परिवर्तन। यह औसत व्यक्ति के लिए आसानी से सुलभ होगा।
15. ड्रग माफिया और ड्रग तस्करी के स्रोत को नष्ट किया जाएगा।

संपादकीय

साख बचाने की जवाबदेही

सर्वोच्च न्यायालय के छह सौ अधिवक्ताओं का पत्र काफी संवेदनशील है। जो प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता के हस्तक्षेप से बहसतलब हो गया है। सात पेज के पत्र में अधिवक्ताओं के 'एक समूह' द्वारा सर्वोच्च अदालत से मनमाफिक फैसले के लिए संस्था के भीतर और बाहर न्यायाधीश पर दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। यह समूह सुनवाई एवं निर्णयों में निहित स्वार्थों की पूर्ति न होने पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता पर ही सवाल उठाना लगता है। भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामले में यह होता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्य सभा सांसद रंजन गोगोई ने भी अपनी किताब में इसकी पहचान करते हुए बताया है कि कैसे इस समूह ने न्यायिक स्वतंत्रता पर सवाल उठाने और न्यायाधीशों पर व्यक्तिगत हमले शुरू करने के लिए सार्वजनिक भाषणों और चुनिंदा एजेंडा-आधारित प्रकाशनों का इस्तेमाल किया, जो गलत सूचना पर आधारित थे। इस समूह के खिलाफ कदम उठाने के लिए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से अपील की गई है। ऐसा रास्ता क्या हो सकता है? क्या उन अधिवक्ताओं पर कार्रवाई होगी या उनके व्यवहार को नियंत्रित करने वाली कोई लक्ष्मण रेखा तय होगी? अब तक देखने को यही मिला है कि कार्रवाई 'क्षमा याचना' कराने और उसको 'स्वीकार करने' में अंतिम गति को प्राप्त हो जाती है। नरेन्द्र मोदी ने देश में एक 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' बनाने की कांग्रेस की पचास दशकीय प्रवृत्तियों की आलोचना करते हुए उसकी संवैधानिक स्वायत्तता के अवमूल्यन का आरोप लगाया है। हालांकि मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी राज में संस्थाओं के ह्रासमान होने के आरोपों के बीच हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को उनके इस्तीफे के बाद तुरंत बाद भाजपा प्रत्याशी बनाने का नजीर दिया है। दरअसल, यह प्रसंग न्याय को अपनी तरह से देखने-दिखाने की सत्ता की स्वाभाविक लालसा का है, जो अनुपातिक रूप से कहीं कम या ज्यादा हो सकता है। गोगोई ने उस दबाव समूह के साथ-साथ सत्ता के दबाव की बात भी मानी है। पर लंबे राज में कांग्रेस के खाते में वैसे व्यवहारों की सूची लंबी है। खुद न्यायाधीश ही तीन साल के कूलिंग पीरियड तक रोकने को तैयार नहीं हैं। न्यायपालिका की निष्पक्षता-स्वतंत्रता बनाए रखने या इसका विश्वसनीय संदेश देश को देने का काम सर्वोच्च अदालत और उनके न्यायाधीश का ही है।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

तबाही का सामान मुहैया कराने वालों के मुंह से शांति की बात

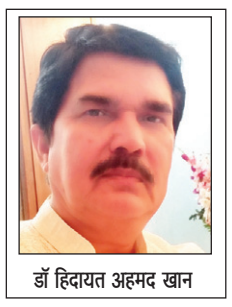

डॉ हिदायत अहमद खान

जंगल की आग और युद्ध की विभीषिका अपना और पराया नहीं देखती, बल्कि जो इसकी जद में आ जाता है वह तवाह हो जाता है। यह परिदृष्य सभी को सामान्यतौर पर नजर आ ही जाता है। इस पर चर्चा भी अक्सर होती रहती है और बताया जाता है कि आग और युद्ध से बचने के लिए क्या कुछ करना चाहिए और क्या कुछ नहीं करना चाहिए। इससे हटकर आग और युद्ध को लेकर पर्दे के पीछे जो खेल-खेला जाता है वह कम लोगों को ही नजर आ पाता है। उसकी बात भी कम ही होती है और होती भी है तो दबी जुबान में, क्योंकि इसकी भनक लगने से पहले ही खेल तमाम कर दिया जाता है। सियासी गलियारे में यह खेल खूब खेला जाता है। दरअसल यह खेल आग और युद्ध को शांत करने की बजाय भड़काने का काम करता है। वर्ना कौन नहीं जानता कि आग को बुझाने के लिए आग इस्तेमाल में नहीं लाई जाती है। इसके लिए तो पानी की ही बारिश करना होती है, या कार्बन डाइऑक्साइड जो एक अम्लीय रंगहीन गैस है जिसका धनत्व शुष्क हवा की तुलना में 53 फीसदी से अधिक होता है का उपयोग करना बेहतर होता है। ठीक इसी प्रकार तबाही मचाने वाले हथियारों को मुहैया कराकर युद्ध को रोका नहीं जा सकता है, बल्कि ऐसा करके युद्ध की विभीषिका को और भयावह बनाया जाता है। ऐसा करने वाले शांति का नहीं बल्कि और अधिक खून-खराबा करने का संदेश देते प्रतीत होते हैं। यहां इस भूमिका की आवश्यकता इसलिए जान पड़ी है क्योंकि एक तरफ तो अमेरिका जैसे देश हैं जो गाजा में युद्ध रोकने और शांति बहाल करने की बात कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस्त्राइल को घातक हथियार सप्लाई करने में ये किसी से पीछे नहीं रहना चाहते हैं।

यहां बताया जा रहा है कि अमेरिका ने अपने सहयोगी देश इस्त्राइल को 2,000 बम, 25 एफ-35 के हस्तांतरण वाले मसौदे पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिका ने ऐसा सब कुछ ऐसे समय में किया है जबकि राफा हमले पर वह चिंता जाहिर कर सभी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। अमेरिका की चिंताओं को क्या माना जाए, जबकि वह घातक हथियारों की सप्लाई करने जा रहा हो, बावजूद इसके कि संयुक्त राष्ट्र ने भी गाजा के हालात पर चिंता जाहिर कर तुरंत युद्ध रोकने की वकालत की है। यह सच है कि हमास ने हमला करके बहुत गलत किया, लेकिन क्या इसे सही ठहराया जा सकता है कि इस्त्राइली सेना हमास के नाम पर फिलिस्तीन के बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं को भी निशाना बनाने से गुरेज नहीं कर रही है। स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चौपट हो चुकी हैं, खाने के लाले पड़े हुए हैं। भूख और प्यास से त्राहिमाम मचा हुआ है। इसे देखते हुए इस्त्राइल के कदम को अब शांतिप्रिय तमाम देशों ने गलत बताया है और जल्द से जल्द इस युद्ध को रोके जाने की वकालत की है। अब सवाल यही है कि युद्ध रुकेगा कैसे, इस पर कोई ठोस फामूर्ला अभी तक तो सामने नहीं आया है। यही वजह है कि अमेरिका ने युद्ध की आग को भड़काने के लिए घी रुपी असले का इंतजाम करने जैसे मसौदे पर हस्ताक्षर कर दुनियां को चौंका दिया है। कहने वाले इसे ही मुंह में राम बगल में छुरी की उपमा देते हैं। यदि वाकई मानवता की चिंता इन देशों को होती तो वो असला पहुंचाने की बजाय शांति के कपोत उड़ाने का इंतजाम करते। यहां मानवता पर व्यापार भारी पड़ता नजर आ रहा है, यही कारण है कि अमेरिका जैसा संपन्न देश भी इस्त्राइल को असला देने से गुरेज नहीं कर रहा है।

गौरतलब है कि युद्ध की बात यदि नहीं भी की जाए तो अमेरिका इस्त्राइल को सालाना 3.8 अरब डॉलर की सैन्य सहायता प्रदान करता है। ऐसे में क्या यह कहना उचित होगा कि इस्त्राइली बलों द्वारा गाजा के राफा में एक प्रत्याशित सैन्य हमले के बारे में अमेरिका द्वारा चिंता व्यक्त करना महज दिखावा है, क्योंकि जो बाइडेन प्रशासन तो इस्त्राइल को अरबों डॉलर से अधिक के बम और लड़ाकू जेट हस्तांतरित करने को अधिकृत कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि नए हथियार पैकेज में अमेरिका 1,800 से अधिक एमके 84 2,000-पाउंड बम और 500 एमके 82 500-पाउंड बम के साथ-साथ 25 एफ-35 इस्त्राइल को मुहैया कराने जा रहा है। बताया जा रहा है कि 2008 की शुरूआत में अमेरिकी कांग्रेस ने एक बड़े पैकेज के हिस्से के रूप में इसे मंजूरी प्रदान की थी। अब ऐसे में व्हाइट हाउस भी हथियारों की सप्लाई पर कोई प्रतिक्रिया कैसे दे सकता है, लिहाजा खामोश रहकर समय निकल जाने का इंतजार तो करना ही होगा। वाशिंगटन स्थित इस्त्राइली दूतावास भी खामोश है, मतलब जो हो रहा है वह होने दिया जाए और जो होगा वो देख लिया जाएगा की तर्ज पर कार्य किया जा रहा है।

इससे शांतिप्रिय देशों की मुहिम को जरुर धक्का लगता है, क्योंकि आखिरकार भरोसा किस पर किया जाए जो युद्ध कर रहे हैं या जो युद्ध पर चिंता जाहिर कर युद्ध के लिए असला मुहैया कराने को अपना फर्ज मान रहे हैं। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका का यह पैकेज उस वक्त आया है जबकि दक्षिणी इस्त्राइल पर हमास के हमले के जवाब में गाजा पट्टी में घातक हमले को लेकर इस्त्राइल को अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। यहां यह भी बतलाते चलें कि 25 मार्च को जब गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करने वाले प्रस्ताव पर मतदान हुआ तो अमेरिका ने उससे गुरेज किया था। शांति के कपोतों को तभी समझ लेना चाहिए था कि जुबानी जमा खर्च करने वाला अमेरिका असल में चाहता क्या है। यह अलग बात है कि तब इस्त्राइल ने अमेरिका पर हमला बोलते हुए कहा था कि वह अपनी नीति से डिग रहा है। बहरहाल यह कूटनीति है जिस पर कौन कितना सफल रहता है यह तो युद्ध का अंजाम ही बताएगा, लेकिन यह तय है कि युद्ध का सामान मुहैया कराकर शांति बहाली तो कतई नहीं की जा सकती है।

विश्व रैंकिंग : फिनलैंड़ की खुशहाली का राज

रजनीश कपूर

विश्व खुशहाली रिपोर्ट में फिनलैंड लगातार सातवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना है। इसके बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन का नंबर है। इस्त्राइल ने भी रैंकिंग के शीर्ष पांच में जगह बनाई है। कांगो, सिएरा लियोन, लेसोथो और लेबनान के बाद अफगानिस्तान को सबसे कम खुशहाल देश माना गया है। रैंकिंग में संयुक्त राज्य अमेरिका 16वें स्थान से गिरकर इस साल 23वें स्थान पर आ गया है। इस साल कनाडा 15वें स्थान पर रहा है, जबकि ब्रिटेन 20वें, जर्मनी 24वें और खंस 27वें स्थान पर हैं। मध्य पूर्वी देशों में संयुक्त अरब अमीरात 22वें और सऊदी अरब 28वें स्थान पर रहे हैं।

एशियाई देशों में सिंगापुर 30वें स्थान पर रहा है। जापान 50वें पर और दक्षिण कोरिया 51वें स्थान पर है। भारत 126वें स्थान पर है, जबकि चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है। गौरतलब है कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट हर साल संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (एसडीएसएन) द्वारा प्रकाशित की जाती है। इस साल यह रिपोर्ट गैलप, ऑक्सफोर्ड वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क और डब्ल्यूएचआर के संपादकीय बोर्ड की साझेदारी में तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में 6 कारक को ध्यान में रखा जाता है, जिसमें जीडीपी पर कैपिटा, हैल्थी लाइफ एक्सपेक्टेशन, किसी पर भरोसा करना, जीवन विकल्प चुनने की आजादी, उदारता और भ्रष्टाचार से खिडम शामिल है। रिपोर्ट में सातवें साल अव्वल रहने वाले फिनलैंड की उच्च खुशहाली के पीछे एक महत्त्वपूर्ण कारक इसकी मजबूत सामाजिक कल्याण प्रणाली है। फिनलैंड व्यापक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता देता है। सुलभ स्वास्थ्य सेवा यह सुनिश्चित करती है कि नागरिकों को अत्यधिक लागत के बोझ के बिना गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा मिले, जिससे तनाव कम हो और समग्र जीवन संतुष्टि बढ़े। इसी प्रकार फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली अपनी समावेशिता और उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है, जो सभी नागरिकों को शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करती है। इसके अलावा फिनलैंड का कार्य-जीवन संतुलन पर जोर खुशी पैदा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिनिश कार्य संस्कृति उचित कामकाजी घंटों, पर्याप्त छुट्टियों के समय और माता-पिता की छुट्टी की नीतियों को बढ़ावा देती है जो पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत जीवन के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन को बढ़ावा देती है। यह संतुलित दृष्टिकोण न केवल तनाव के स्तर को कम करता है, बल्कि नागरिकों को अवकाश, पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को प्राथमिकता देने की भी अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त फिनलैंड की सामुदायिक और सामाजिक एकजुटता की मजबूत भावना उसकी खुशहाली रैंकिंग में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। फिनिश समाज विश्वास, समानता और एकजुटता को महत्त्व देता है, एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देता है जहां नागरिक जुड़े हुए और मूल्यवान महसूस करते हैं। इसके विपरीत भारत को बहुमुखी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो खुशहाली के मोर्चे पर उसकी प्रगति में बाधक हैं। सबसे गंभीर मुद्दों में से एक आय असमानता है, जो आवश्यक सेवाओं और अवसरों तक पहुंच में असमानता को बढ़ा देता है। हाल के वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि के बावजूद आबादी का एक बड़ा हिस्सा हाशिये पर है और अल्पसेवा से वंचित है, जिससे गरीबी और असंतोष का चक्र बना हुआ है।

इसके अलावा भारत अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा बुनियादी ढांचे, स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच की कमी जैसे व्यापक सामाजिक मुद्दों से जूझ रहा है। ये चुनौतियां न केवल व्यक्तिगत भलाई को कमजोर करती हैं, बल्कि संस्थानों में विश्वास भी कम करती हैं और सामाजिक अशांति और असंतोष में योगदान करती हैं। भारत के तेजी से शहरीकरण और आर्थिक विकास के कारण पर्यावरणीय गिरावट आई है और संसाधनों पर तनाव बढ़ गया है, जिससे सतत विकास और जीवन की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा हुई हैं। प्रभावी शहरी नियोजन और पर्यावरण नीतियों की कमी प्रदूषण, भीड़भाड़ और अन्य पर्यावरणीय खतरों को बढ़ाती है, जिससे लाखों नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता कम हो जाती है। फिनलैंड से सबक लेकर भारत में नीति निमार्ताओं को सभी नागरिकों के लिए अवसरों और सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके अतिरिक्त कार्य-जीवन संतुलन की संस्कृति, सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक सामंजस्य को मजबूत करना सामाजिक स्तर पर खुशी और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भारत की सबसे अमीर बच्ची बनी रणवीर कपूर की बेटी राहा

- रणबीर ने 250 करोड़ का बंगला अपनी 1.4 साल की बेटी के नाम किया

मुंबई ।

पिछले दिनों जब इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने अपने 4 महीने के पोते को तोहफा दिया था तो उसे भारत का सबसे अमीर बच्चा बताया जा रहा था। नारायण मूर्ती ने अपने पोते को गिफ्ट में इंफोसिस के 15 लाख शेयर दिए थे जिसकी कीमत 240 करोड़ रुपये थी। हालांकि अब रणबीर कपूर ने अपनी बेटी राहा को गिफ्ट देकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बॉलीवुड अे भिनेता रणबीर ने 250 करोड़ का बंगला अपनी 1.4 साल की बेटी के नाम कर दिया है। नीतू कपूर, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को अक्सर एक साथ बांद्रा में लगभग तैयार कृष्णा राज बंगले पर जाते देखा गया है। बॉलीवुड लाइफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक मशहूर जोड़ी अपनी बेटी राहा कपूर के नाम पर 250 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले बंगले का नाम रखेगी, जिससे वह बॉलीवुड की सबसे अमीर संतान बन जाएंगी। बता दें कि रणबीर की बेटी 1 साल 4 महीने की हो गई है। उसका जन्म 6 नवंबर 2022 को हुआ था। दिवंगत अभिनेता राज कपूर और उनकी पत्नी कृष्णा राज इस बंगले के मालिक थे। कपूर परिवार में इकलौता पोता होने के नाते रणबीर कपूर को यह पैतृक संपत्ति विरासत में मिली थी, जिसे अब उन्होंने अपनी बेटी को गिफ्ट

कर दिया है। बता दें कि भारत में पैतृक संपत्ति को टैक्स से बाहर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रणबीर और आलिया दोनों इस बंगले को बनाने के लिए अपनी मेहनत की कमाई बराबर निवेश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक बार यह सब बन जाने के बाद इस घर की कीमत 250 करोड़ रुपए से अधिक होगी।

बिजली विशेषज्ञों ने आरआईएल और अदाणी समूह के बीच सहयोग की सराहना की

- आरआईएल ने मध्य प्रदेश में अदाणी समूह के बिजली संयंत्र में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों ने मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और गौतम अदाणी के अदाणी समूह के बीच सहयोग की सराहना की। आरआईएल ने मध्य प्रदेश में अदाणी समूह के बिजली संयंत्र में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। उन्होंने कहा कि यह देश के बिजली क्षेत्र के प्रमुख अध्यायों में से एक है, विशेष रूप से इसकी 4,28,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता और 2030 तक इसमें 5,00,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना को देखते हुए। बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कहा कि इस क्षेत्र को उदार बनाने के लिए केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा प्रोत्साहन के मद्देनजर इस तरह के कई और सहयोग होंगे। सहयोग के अनुसार आरआईएल 50 करोड़ रुपये में अदाणी पावर की सहायक कंपनी महान एनर्जेन में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी और मध्य प्रदेश संयंत्र के लिए 500 मेगावाट बिजली खरीदेगी। अदाणी पावर के अनुसार मध्य प्रदेश में महान थर्मल पावर प्लांट की 600 मेगावाट क्षमता वाले एक संयंत्र को निर्धारित मानदंडों के अनुसार कैप्टिव यूनिट के रूप में नामित किया जाएगा। पूर्व बिजली सचिव आर.वी. शाही ने कहा कि देश के दो सबसे बड़े समूहों के बीच सहयोग से न केवल ऐसे सहयोगों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सहयोग के अन्य प्रयासों को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे सफलता की और भी अधिक ऊंचाइयां हासिल होंगी। उन्होंने कहा कि विद्युत अधिनियम, 2003 के बाद जो हासिल किया गया है, वह उससे पहले के 50 वर्षों के दौरान हासिल उपलब्धियों से तीन गुना से ज्यादा है। यह नवीकरणीय ऊर्जा का युग है, जिसे बिजली उत्पादन के डी-लाइसेंसिंग से भी मदद मिली है, जिसने बिजली क्षेत्र में विकास को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया है। हम वर्ष 2032 तक आठ लाख मेगावाट से अधिक क्षमता हासिल करने के लिए तैयार हैं। 2032 के बाद अगले 10 वर्षों में पूरी क्षमता को दोगुना किया जा सकता है, जिससे क्षमता 1,500 गीगावॉट से अधिक हो जाएगी। यह जीडीपी को पांच लाख करोड़ डॉलर और उससे भी अधिक तक बढ़ाने की देश की विकास रणनीति के मूल में होगा।

म्युचुअल फंड निवेशकों को राहत, नहीं कराना पड़ेगी रीकेवायसी

- निवेशकों को नए मध्यस्थ से जुड़ने के लिए नई केवायसी कराना जरूरी, आखिरी तारीख 31 मार्च

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को फिर से केवाईसी यानी री-केवायसी कराने के लिए राहत मिल गई है। अब आपको री-केवायसी नहीं कराना पड़ेगा। मगर केवायसी से ही संबंधित एक ऐसा जरूरी काम भी है जिसके लिए आपके पास महज दो दिन का वक्त बचा हुआ है। वित्त वर्ष 24 खत्म होने में सिर्फ दो दिन बचे हुए हैं और 31 मार्च को ही इसके लिए डेडलाइन है। केवायसी रजिस्ट्रेशन एजेंसियों में से एक सीडीएसएल वेंचर्स ने म्यूचुअल फंड वितरकों को सूचित किया है कि निवेशकों को अपने मौजूदा पोर्टफोलियो में लेनदेन जारी रखने के लिए फिर से केवाईसी करना जरूरी नहीं है। हालांकि, सीडीएसएल वेंचर्स की तरफ से भेजी गई सूचना में कहा गया कि इन निवेशकों को किसी भी नए मध्यस्थ के साथ जुड़ने के लिए मौजूदा फ्रेमवर्क के अनुसार नई केवायसी कराना होगा। इसका मतलब यह है कि म्यूचुअल फंड में आप अगर एक नया निवेश करते हैं तो आपको केवायसी कराना पड़ेगा, जो पहले से ही आपने निवेश किया है, उसके लिए फिर से केवायसी कराने की जरूरत नहीं है। जिन निवेशकों का केवायसी आधिकारिक तौर पर वैध दस्तावेजों का उपयोग करके नहीं किया गया है, उन्हें 31 मार्च, 2024 तक फिर से केवायसी करना होगा। अगर समय सीमा यानी डेडलाइन से पहले फिर से केवायसी न करा ली जाती तो निवेशकों को मौजूदा पोर्टफोलियो में सभी ट्रांजैक्शन्स ब्लॉक हो जाते। हालांकि अब निवेशकों को केवायसी दोबारा कराने की जरूरत नहीं है, फिर भी उन्हें केवायसी रिकॉर्ड के अनुसार अपने मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी को मान्य करना होगा। 28 मार्च को म्यूचुअल फंड वितरकों को भेजे गए एक ईमेल में सीडीएसएल वेंचर्स ने कहा कि अगर निवेशक ऐसा नहीं करते हैं तो 1 अप्रैल से उनके केवायसी को रोक दिया जाएगा।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कहीं महंगा हुआ

- कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर निकल गई है1 शुक्रवार को ऋूड 83.12 और ब्रेंट ऋूड 86.97 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ। ऋूड में यह तेजी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर डाल सकती है। शे निवार को छत्तीसगढ़, एमपी और केरल समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतें 0.70 पैसे तक बढ़ी हैं, जबकि गुजरात, असम, बिहार और गोवा समेत कुछ राज्यों में ईंधन 0.50 पैसे तक सस्ता हुआ है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.4 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63

रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

अबूधाबी मंदिर और अंडरवाटर मेट्रो बनाने वाली कंपनी ला रही आईपीओ

मुंबई ।

अगर आप आईपीओ में पैसा लगाकर बंपर कमाई करने की सोच रहे हैं, तब ये खबर आपके लिए बहुत जरुरी है। दरअसल देश का जानमाना शापूरजी पलौंजी ग्रुप की प्रमुख कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ा आईपीओ लाने वाली है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि यह एक दशक में सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओ हो सकता है। इस आईपीओ के द्वारा कंपनी की 7,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी है। कंपनी ने बाजार नियामक सेबी के पास जरुरी दस्तावेज फाइल कर दिए हैं। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर शापूरजी पलौंजी ग्रुप की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन फर्म है। इसके प्रोजेक्ट देश-विदेश में चल रहे हैं। इसी कंपनी को अबूधाबी मंदिर और कोलकाता अंडरवाटर मेट्रो बनाने का श्रेय जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला आईपीओ 1,250 करोड़ रुपये के शेयरों के ताजा इश्यू और गोस्वामी इंफ्राटेक प्राइवेट की ओर से 5,750 करोड़ रुपये तक की बिक्री की पेशकश करता है। शेयर बाजार सूत्रों के मुताबिक, यह एक दशक का सबसे बड़ा इंफ्रा आईपीओ है। बात दें कि एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का इतिहास छह दशकों से ज्यादा पुराना है। यह दिग्गज कंस्ट्रक्शन कंपनियों में शुमार है। कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं को पूरा करने का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। देश की टॉप इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनियों में इसकी गिनती होती है। कंपनी ने एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट के 25 से ज्यादा देशों में सफलतापूर्वक प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। कंपनी ने 1959 से 350 से ज्यादा इंफ्रा प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। मरीन, एलएनजी और मेट्रो रेल सेगमेंट में यह देश में लीडर है।

इको इंडिया मोबिलिटी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली । इको (इंडिया) मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के द्वारा से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तकों- राजेश लूंबा और आदित्य लूम्बा द्वारा 1.8 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। इसमें किसी तरह के नए शेयर शामिल नहीं हैं। फिलहाल प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह की इकाइयों के पास कंपनी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चूंकि यह एक ओएफएस है तो आईपीओ से होने वाली कमाई का कोई अंश कंपनी को नहीं मिलेगा और यह राशि शेयर बेचने वाले प्रवर्तकों के पास जाएगी। कंपनी 25 वर्षों से अधिक समय से कॉरपोरेट ग्राहकों को चालक के साथ कार किराये (सीसीआर) पर दे रही है और कर्मचारी परिवहन सेवाएं (ईटीएस) प्रदान कर रही है। इसके बेड़े में किफायती से लेकर लक्जरी कारों तक 9,000 से अधिक वाहन हैं। यह विकलांग लोगों के लिए सामान ढुलाई के लिए विशेष प्रकार की वैन के अलावा लिमोजिन और विंटेज वाहन भी उपलब्ध कराती है।

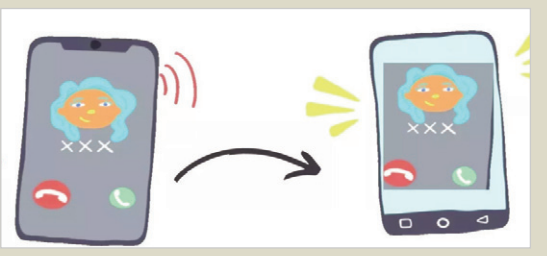

दूरसंचार कंपनियां यूएसएसडी-आधारित कॉल फॉरवर्डिंग 15 अप्रैल से बंद करें: डीओटी

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार कंपनियों से कहा है कि वे 15 अप्रैल से यूएसएसडी-आधारित कॉल फॉरवर्डिंग को बंद कर दें। एक आधिकारिक आदेश में यह भी कहा गया कि वैकल्पिक तरीके के जरिये इन सेवाओं को फिर से शुरू किया जा सकता है। मोबाइल फोन के जरिये होने वाली धोखाधड़ी और ऑनलाइन अपराधों पर रोक लगाने के लिए इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। मोबाइल ग्राहक अपने फोन स्क्रीन पर कोई भी सक्रिय कोड डायल करके यूएसएसडी सेवा का उपयोग करते हैं। इस सेवा का उपयोग ज्यादातर आईएमईआई नंबर और बाइल फोन शेष राशि समेत अन्य जानकारी पता लगाने के लिए किया जाता है। विभाग ने 28 मार्च के एक आदेश में कहा था कि उसके संज्ञान में आया है कि एसएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा) आधारित कॉल फॉरवर्डिंग सुविधा का दुरुपयोग कुछ अनुचित गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। आदेश के मुताबिक इस संबंध में सक्षम प्राधिकारी ने यह फैसला किया है कि सभी मौजूदा यूएसएसडी-आधारित कॉल फॉरवर्डिंग सेवाओं को 15 अप्रैल, 2024 से अगली सूचना तक बंद कर दिया जाए। आदेश में कहा गया है कि सभी मौजूदा ग्राहक जिन्होंने यूएसएसडी-आधारित कॉल फॉरवर्डिंग सेवा सक्रिय की है, उन्हें वैकल्पिक तरीकों से फिर से कॉल फॉरवर्डिंग सेवाओं को सक्रिय करने के लिए कहा जा सकता है।

जी एंटरटेनमेंट ने प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषण केंद्र के 50 फीसदी कर्मचारी निकाले

नई दिल्ली । जी एंटरटेनमेंट ने अपने बेंगलुरु स्थित प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषण केंद्र (टीआईसी) में लगभग 50 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने एक विशेष समिति के सुझाव के बाद यह फैसला लिया गया है। इस समिति ने कंपनी के विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों का गंभीरता से आकलन किया था। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेईईएल) ने कहा कि प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने लागत दक्ष ढांचा बनाने के लिए टीआईसी के 50 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की है। टीआईसी प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराता है। हालांकि, कंपनी ने इस कदम से प्रभावित कर्मचारियों की सटीक संख्या साझा नहीं की है, लेकिन जी एंटरटेनमेंट ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि केंद्र में 650 से अधिक इंजीनियर हैं, जो हमें डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में आगे बढ़ने में अद्वितीय बढ़त देते हैं। जी ने एक मासिक प्रबंधन परामर्श कार्यक्रम 3एम का गठन किया है। यह प्रदर्शन से जुड़े प्रमुख मोर्चों पर प्रबंधन टीम का मार्गदर्शन करता है। कंपनी ने कहा कि हाल ही में आयोजित 3एम कार्यक्रम के दौरान बोर्ड से प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर कंपनी ने टीआईसी की संरचना में लगभग 50 प्रतिशत की कटौती की है और इसके काम के दायरे को सुव्यवस्थित किया है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख, रुपये की विनिमय दर में गिरावट से धारणा प्रभावित होने के बावजूद बिजली, वाहन और धातु शेयरों में मांग मजबूत रहने से शेयर बाजार में एक फीसदी तेजी देखी गई। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले दिन सोमवार को होली और आखिरी दिन शुक्रवार को गुडफ्राइडे का अवकाश होने की वजह से बंद रहे, जिससे इस सप्ताह शेयर बाजार में केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। बीते सप्ताह कम कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में एक दिन गिरावट और दो दिन तेजी देखी गई। होली के त्योहार की छुट्टी के बाद शेयर बाजार का कारोबार गिरावट के साथ शुरू हुआ। मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 468 अंक की गिरावट के साथ 72,363 पर खुला और 361.64 अंक गिरकर 72,470.30 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 149 अंकों की गिरावट के साथ 21,947 पर खुला और 92.05 अंक फिसलकर 22,004.70 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से नकारात्मक संकेतों के बावजूद हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और वित्तीय शेयरों के मजबूत प्रदर्शन से भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बुधवार को हरे निशान पर करोबार करते दिखे। भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 500 अंकों की तेजी के साथ 72,976 पर खुला और 526.01 अंकों की मजबूती के साथ 72,996.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंकों की तेजी के साथ 22,150 अंक पर खुला और 118.96 अंकों की बढ़त के साथ 22,123.65 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 289.96 अंकों की मजबूती के साथ 73,286.27 के स्तर पर खुला और 655.04 (0.89 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 73,651.35 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 86.15 अंक उछलकर 22,209.80 पर खुला और 203.25 (0.92 फीसदी) अंक उछलकर 22,326.90 पर बंद हुआ।

स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं में लगाई जा सकती है कई तरह की रोक

- एमएफ न्या सियों ने बाजार निवेशकों के हितों की सुरक्षा के बताए उपाय

नई दिल्ली । निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए बाजार में तेज गिरावट के दौरान स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं में कई तरह की रोक लगाई जा सकती हैं। उनके यूनिट बिक्रय पर प्रतिबंध लगा सकती है, कर्मचारियों द्वारा निकासी की सीमा तय की जा सकती है। म्युचुअल फंड (एमएफ) न्यासियों ने हाल में पेश की गई निवेशक सुरक्षा नीतियों में ये उपाय बताए हैं। एमएफ न्यासियों ने स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं के लिए नीतियां इस महीने की शुरुआत में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से निर्देश मिलने के बाद तैयार की हैं। न्यासियों द्वारा तैयार की गई नीतियों में दो पहलुओं पर खास ध्यान दिया गया है। पहला निवेश की सीमा तय कर रकम का प्रवाह संभालना और दूसरा बाजार में गिरावट के समय सभी निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। निप्पॉन इंडिया एमएफ, डीएसपी एमएफ और क्वांट एमएफ जैसी कुछ योजनाओं में कहा गया है कि बोर्ड और न्यासियों से मंजूरी मिलने के बाद फंड कंपनियां सेबी के नियमों के हिसाब से निकासी पर अंकुश लगा सकती हैं। अन्य फंड कंपनियों ने भी कहा कि वे लागू मानकों के अनुसार निवेश की अचानक निकासी को संभालने के उपाय कर सकती हैं। हालांकि म्युचुअल फंडों के पास इस तरह के उपाय पहले से मौजूद हैं मगर पहली बार उन्होंने चुनिंदा योजनाओं के साथ इन्हें जोड़ा है।

सरकार ने गेहूं खरीद लक्ष्य पूरा कराने नियमों में किया बदलाव

- क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीदी होने तक व्यापारी व आटा मिल संचालक भंडारण नहीं कर सकेंगे

मिर्जापुर ।

सरकार की ओर से गेहूं की खरीद लक्ष्य को पूरा कराने के लिए नियमों में बदलाव किया गया है। क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद हो जाने तक व्यपारी व आटा मिल के संचालक भंडारण नहीं कर सकेंगे। नियमों को पालन नहीं करने पर लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। रबी विपणन वर्ष 2023-24 में गेहूं की खरीद लक्ष्य के मुकाबले महज 12 प्रतिशत हुई थी। इस वर्ष शासन लक्ष्य को पूरा कराने के लिए जुट गया है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा खरीद करने के लिए नियमों में बदलाव किए गए हैं। बता दें कि बारिश नहीं होने की वजह से इस बार भी गेहूं की पैदावार प्रभावित हुई है। वहीं शासन की ओर से गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये तय किया गया है। गेहूं खरीद शत-प्रतिशत कराने के लिए नियमों में बदलाव हुआ है। इससे व्यपारी खरीद नहीं कर सकेंगे। वहीं आटा मिल संचालक भी तय लक्ष्य से ज्यादा गेहूं का भंडारण नहीं कर सकेंगे। बीते दिनों इसको लेकर निर्देश भी जारी किया गया है। अे धिकारी ने बताया कि आटा मिल मालिक भी सिर्फ प्रसंस्करण प्रयोजन के लिए ही गेहूं की खरीद करेंगे। आटा मिल मालिक के द्वारा गोदाम पर गेहूं उतरवाने की स्थिति में लाईसेंस निलंबित कर दिया जाएगा। खरीद पूरा होने तक व्यापारी को खरीद और बिक्री करने की अनुमति नहीं रहेगी। मिर्जापुर जनपद में विपणन वर्ष 2023-24 में 83 क्रय केंद्रों पर 72 हजार टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके मुकाबले महज 8732 टन गेहूं का खरीद हुआ था, जो लक्ष्य के मुकाबले महज 12.13 प्रतिशत था। 2250 किसानों ने गेहूं बिक्री की थी। 2024-25 में लक्ष्य को पूरा करने के लिए शासन- प्रशासन जुट गया है। इस बार बटाईदार

के गेहूं बिक्री को लेकर नियमों में ढील दी गई है। मिर्जापुर जिले के 115 क्रय केंद्रों पर एक मार्च से गेहूं की खरीद शुरू हो गई है। खाद्य विभाग के 19, पीसीएफ के 22, यूपीएसएस के 20, नैफेड के 12, पीसीयू के 23, एनसीसीएफ के 13, भारतीय खाद्य निगम के चार और मंडी समिति के दो क्रय केंद्र बनाए गए हैं। गेहूं की बिक्री के लिए अब तक 55 सौ से अधिक किसान पंजीयन करा चुके हैं लेकिन अभी तक एक भी किसान ने गेहूं की बिक्री नहीं की है। ऐसा माना जा रहा है कि अप्रैल के पहले सप्ताह से खरीद तेज होगी।

थोक-खुदरा विक्रेताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं को गेहूं का भंडार घोषित करने का निर्देश

नई दिल्ली ।

गेहूं पर स्टॉक की सीमा खत्म होने के साथ हि सरकार ने थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं को गेहूं का भंडार घोषित करने का निर्देश दिया। सरकार ने गेहूं की जमाखोरी रोकने और कीमतों पर लगाम लगाने के लिए यह निर्देश दिया। गेहूं पर स्टॉक सीमा पिछले साल 12 जून को लगाई गई थी। खाद्य सुरक्षा बनाए रखने और जमाखोरी तथा सट्टेबाजी रोकने के लिए 31 मार्च, 2024 तक यह सीमा लागू थी। ताजा निर्देश के तहत एक अप्रैल से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में थोक विक्रेताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं और बड़े खुदरा विक्रेताओं सहित खुदरा विक्रेताओं को एक पोर्टल पर अपने स्टॉक की जानकारी देनी होगी। इसके बाद उन्हें प्रत्येक शुक्रवार को स्टॉक की घोषणा करनी होगी। व्यापारियों को पहले ही इस पोर्टल पर चावल का स्टॉक घोषित करने के लिए कहा जा चुका है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने बयान में कहा कि वह कीमतों को नियं त्रित करने और घरेलू बाजार में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल के स्टॉक पर कड़ी नजर रख रहा है।

ओयो की नजर 100 करोड़ के मुनाफे पर

नई दिल्ली । ट्रैवल टेक ब्रांड ओयो की मूल कंपनी ओरेवेल स्टेज वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में कर के बाद लाभ (पीएटी) 100 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024 में 20 फीसदी राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रही है। इन आंकड़ों पर इस सप्ताह की शुरुआत में कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी और वरिष्ठ प्रबंधन के बीच आंतरिक समीक्षा बैठक के दौरान चर्चा की गई थी, जहां उन्होंने कंपनी की वृद्धि और लाभप्रदता की राह पर चर्चा की थी। सूत्र ने कहा कि ओयो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में अग्रवाल ने कहा कि लाभ में यह तीन गुना वृद्धि निरंतर राजस्व वृद्धि और उपयोगकर्ताओं के बढ़े हुए विश्वास का परिणाम है। कंपनी ने कहा कि यह आंतरिक चर्चा थी। हमारे पास आधिकारिक रूप से कहने के लिए कुछ नहीं है। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से मुनाफे में आने के बाद ओयो हर तिमाही में लाभ कमा रही है।

सातों महाद्वीपों में से सबसे ठंडा महाद्वीप अंटार्कटिका महाद्वीप है। वह सबसे दुर्गम तथा मानव-बस्तियों से सबसे दूर स्थित जगह भी है। वह साल के लगभग सभी महीनों में दुनिया के सबसे अधिक तूफानी समुद्रों और बर्फ के बड़े-बड़े तैरते पहाड़ों से घिरा रहता है। इसका कुल क्षेत्रफल 1.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से वह आस्ट्रेलिया से बड़ा है। अंटार्कटिका में बहुत कम बारिश होती है, इसलिए उसे ठंडा रेगिस्तान माना जाता है। वहां की औसत वार्षिक वृष्टि मात्र 200 मिलीमीटर है।

अंटार्कटिका

दुनिया का सबसे ठंडा महाद्वीप

सन 1774 में अंग्रेज अन्वेषक जेम्स कुक अंटार्कटिका वृत्त के दक्षिण में किसी भूभाग की खोज में निकल पड़ा। उसे बर्फ की एक विशाल दीवार मिली। उसने अनुमान लगाया कि इस दीवार के आगे जमीन होगी। उसका अनुमान सही था, वह अंटार्कटिका की दहलीज तक पहुंच गया था। पर स्वयं अंटार्कटिका पर पैर रखने के लिए मनुष्य को 75 साल और लगे। आर्कटिक (उत्तरी ध्रुव) और अंटार्कटिका (दक्षिणी ध्रुव) में काफी अंतर है। सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि अंटार्कटिका में आर्कटिक से छह गुणा अधिक बर्फ है। यह इसलिए क्योंकि अंटार्कटिका एक महाद्वीप है, जबकि आर्कटिक क्षेत्र मुख्यत: एक महासागर है। अंटार्कटिका की बर्फ की औसत मोटाई 1.6 किलोमीटर है। अंटार्कटिका महाद्वीप का अधिकांश भाग पर्वतों के उभरे हुए कंधों और चोटियों से बना हुआ है।अंटार्कटिका का मौसम बिरले ही पाले और बर्फीली हवाओं से मुक्त रहता है। इस महाद्वीप में शायद मात्र 2,000 वर्ग किलोमीटर खुली जमीन है। साल में केवल 20 ही दिन तापमान शून्य से ऊपर रहता है। पृथ्वी की सतह पर मापा गया सबसे कम तापमान भी अंटार्कटिका में ही मापा गया है। सोवियत रूस द्वारा स्थापित वोस्टोक नामक शोधशाला में 24 अगस्त 1960 को तापमान -88.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। अंटार्कटिका के बारे में सही ही कहा गया है कि वह पवनों की राजधानी है। कभी-कभी 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चल पड़ती हैं, जो जमीन से मिट्टी के कणों को काट कर उड़ा ले जाती हैं। पूरे अंटार्कटिका महाद्वीप में मात्र 70 प्रकार की जीवधारियां खोजी गई हैं। इनमें से 44 कीड़े-मकोड़े हैं। सबसे बड़ा कीड़ा एक प्रकार का पंखहीन मच्छर है। जोंख, खटमल, मक्खी, जुए आदि भी वहां काफी संख्या में पाए जाते हैं। अंटार्कटिका में कोई स्थलीय स्तनधारी प्राणी नहीं है, पर बहुत से समुद्री स्तनधारी उसके तटों पर विश्राम करने आते हैं, या उसके आसपास के समुद्रों में आहार खोजते हैं। इनमें शामिल हैं कई प्रकार की व्हेलें और दक्षिणी ध्रुव के आसपास रहनेवाले पांच प्रकार के सील -केकड़ाभोजी सील, तेंदुआ सील, रोस सील, वेडेल सील और गजसील। रोस सील अत्यंत दुर्लभ प्राणी है, जबकि वेडेल सील तटों के नजदीक ही रहता है। सभी सीलों में बड़ा गजसील है। वह प्रजनन तो अंटार्कटिका के निकट के द्वीपों में करता है, लेकिन अंटार्कटिका के आसपास भोजन की तलाश करने आता है।

अंटार्कटिका के पास के समुद्रों में बिना दांतवाली व्हेलें काफी मात्रा में पाई जाती हैं। उन्हें एक समय मांस, चर्बी आदि के लिए बड़े पैमाने पर मारा जाता था। आज उनके शिकार पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा हुआ है। अंटार्कटिका में पाए जानेवाले पक्षियों में शामिल हैं दक्षिण ध्रुवीय स्कुआ तथा अडेली और सम्राट पेंग्विन।

अंटार्कटिका में शाकाहारी प्राणी अत्यंत दुर्लभ हैं, कारण कि वनस्पति के नाम पर वहां शैवाल (लाइकेन), काई आदि आदिम पौधों की कुछ जातियां और केवल दो प्रकार के फूलधारी पौधे ही हैं। अंटार्कटिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वहां अनेक प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने वहां पृथ्वी की चुंबकीय विशेषताओं, मौसम, सागरीय हलचलों, जीवों पर सौर विकिरण के प्रभाव तथा भूगर्भविज्ञान से संबंधित अनेक प्रयोग किए हैं।

भारत सहित अनेक देशों ने अंटार्कटिका में स्थायी वैज्ञानिक केंद्र स्थापित किए हैं। इन देशों में शामिल हैं चीन, ब्राजील, आर्जेन्टीना, कोरिया, पेरू, पोलैंड, उरूग्वे, इटली, स्वीडन, अमरीका, रूस आदि। भारत द्वारा स्थापित प्रथम पड़ाव का नाम था दक्षिण गंगोत्री। जब यह पड़ाव पानी के नीचे आ गया, तो मैत्री नामक दूसरा पड़ाव 1980 के दशक में स्थापित किया गया। सदियों से अंटार्कटिका प्रदूषण के खतरे से मुक्त था, पर अभी हाल में वैज्ञानिकों ने वहां की बर्फ में भी डीडीटी, प्लास्टिक, कागज आदि कचरे खोज निकाले हैं, जो वहां स्थापित वैज्ञानिक शिविरों से पैदा हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अंटार्कटिका में 900 से भी अधिक पदार्थों की महत्वपूर्ण खानें हैं। इनमें शामिल हैं सीसा, तांबा और यूरेनियम। अंटार्कटिका पर अभी किसी देश का दावा नहीं है, न ही विभिन्न देशों के कुछ वैज्ञानिक शिविरों के सिवा वहां कोई मानव बस्तियां ही हैं। पर क्या यह स्थिति हमेशा ऐसी बनी रह पाएगी? जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जाएगी, अमरीका, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया आदि महाद्वीपों के समान इसके उपनिवेशीकरण के लिए भी होड़ मच सकती है। यदि वहां किसी महत्वपूर्ण खनिज (जैसे, सोना, पेट्रोलियम, आदि) की बड़ी खानों का पता चले, तो भी उन पर अधिकार जमाने के लिए अनेक देश आगे आएंगे। पृथ्वी के गरमाने से अंटार्कटिका की काफी बर्फ पिघल सकती है, जिससे वहां काफी क्षेत्र बर्फ से मुक्त हो सकता है और मनुष्य के रहने लायक बन सकता है। इससे भी अंटार्कटिका में मनुष्यों का आना-जाना और बसना बढ़ सकता है। पर्यटन भी इसमें योगदान कर सकता है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकीय विकास होगा, ऐसे उपकरण उपबल्ध होने लगेंगे जो अंटार्कटिका जैसे अत्यंत ठंड वाले इलाकों में भी सामान्य जीवन बिताने को सुगम बनाए।

इसलिए 17वीं 18वीं सदी में श्वेत जातियों द्वारा अफ्रीका, द. अमरीका आदि में जो लूट-खसोट और विनाश लीला मचाई गई थी, उससे इस अनोखे परिवेश को बचाने और इस महाद्वीप के अधिक संतुलित और समस्त मानव-जाति के हित में उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1959 में 12 देशों ने अंटार्कटिका संधि में हस्ताक्षर करके इस महाद्वीप को सैनिक गतिविधियों और खनन से मुक्त रखने का निर्णय लिया। अब इस संधि में 46 देशों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसमें भारत भी शामिल है।

दक्षिण ध्रुव की दुनिया

दोस्तो जरा सोचो, यूरोप और अमेरिका के उन इलाकों का क्या हाल होगा, जहां आये दिन बर्फीले तूफान आते हैं। इतना ही नहीं, दक्षिणी ध्रुव एक ऐसी जगह है, जहां पूरे साल बर्फ जमी रहती है। हाल ही में अंटार्कटिका को दुनिया की सबसे ठंडी जगह के रूप में दर्ज किया गया है...

बर्फ का रेगिस्तान

- दक्षिणी ध्रुव (साउथ पोल) पृथ्वी के सुदूर दक्षिणी हिस्से में स्थित है। यह स्थान अंटार्कटिका महाद्वीप में है।
- 9 हजार फीट से भी अधिक बर्फ की मोटी चादर यहां सालों भर बिछी रहती है। यही कारण है कि यहां उत्तरी ध्रुव (पृथ्वी के सुदूर उत्तर में) की अपेक्षा कई गुना ज्यादा ठंड पड़ती है।
- (-89.2) डिग्री होता है यहां का न्यूनतम औसत तापमान।
- यहां छह महीने का दिन और छह महीने की रात होती है। यहां वर्ष में एक बार सितंबर में सूर्योदय होता है, तो मार्च में सूर्यास्त।
- दक्षिणी ध्रुव का 2 प्रतिशत भाग चट्टानों और 90 प्रतिशत भाग बर्फ से बना है। चट्टानों पर काई (मॉस) और लाइकेन पाए जाते हैं। पेंगुइन यहां पाया जाने वाला प्रमुख जीव हैं।

पहला कदम

- 102 साल पहले 14 दिसंबर, 1911 को नार्वे के रोएल्ड एमुंडसन ने दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा था।
- इसके बाद जनवरी 1912 में ब्रिटेन के खोजी रॉबर्ट फाल्कन स्कॉट यहां पहुंचे तो, लेकिन बेहद खराब मौसम, भूख और विकसित कपड़े न होने के कारण लौटते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।
- 1928 में अमेरिकी नौसेनाध्यक्ष रिचर्ड एवलिन बायर्ड ने साउथ पोल की यात्रा हवाई जहाज से की।

रिसर्च स्टेशन

- दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च करने के लिए 1956-57 में अमेरिका ने सबसे पहला रिसर्च स्टेशन एमुंडसन-स्कॉट साउथ पोल स्टेशन की स्थापना की।
- 30 देश (अक्टूबर 2006 तक) यहां रिसर्च स्टेशन स्थापित कर चुके हैं।

भारतीय पहल

- एनएसएओआर (नेशनल सेंटर फॉर अंटार्कटिक ऐंड ओशन रिसर्च) (भू-विज्ञान मंत्रालय) के तहत भारत अंटार्कटिका आधारित अपना रिसर्च वर्क करता है। हर साल नवंबर-दिसंबर के महीने में भारत दक्षिणी ध्रुव के लिए अपना मिशन भेजता है।
- 1983 में यहां पहले भारतीय रिसर्च बेस दक्षिण गंगोत्री की स्थापना हुई। दक्षिणी ध्रुव की स्थिति बदलते रहने के कारण यह अब बर्फ के अंदर समा गया है।
- 1989 में दूसरा रिसर्च स्टेशन मैत्री स्थापित किया गया।
- 2012 में भारत का तीसरा रिसर्च स्टेशन भारती स्थापित हुआ।

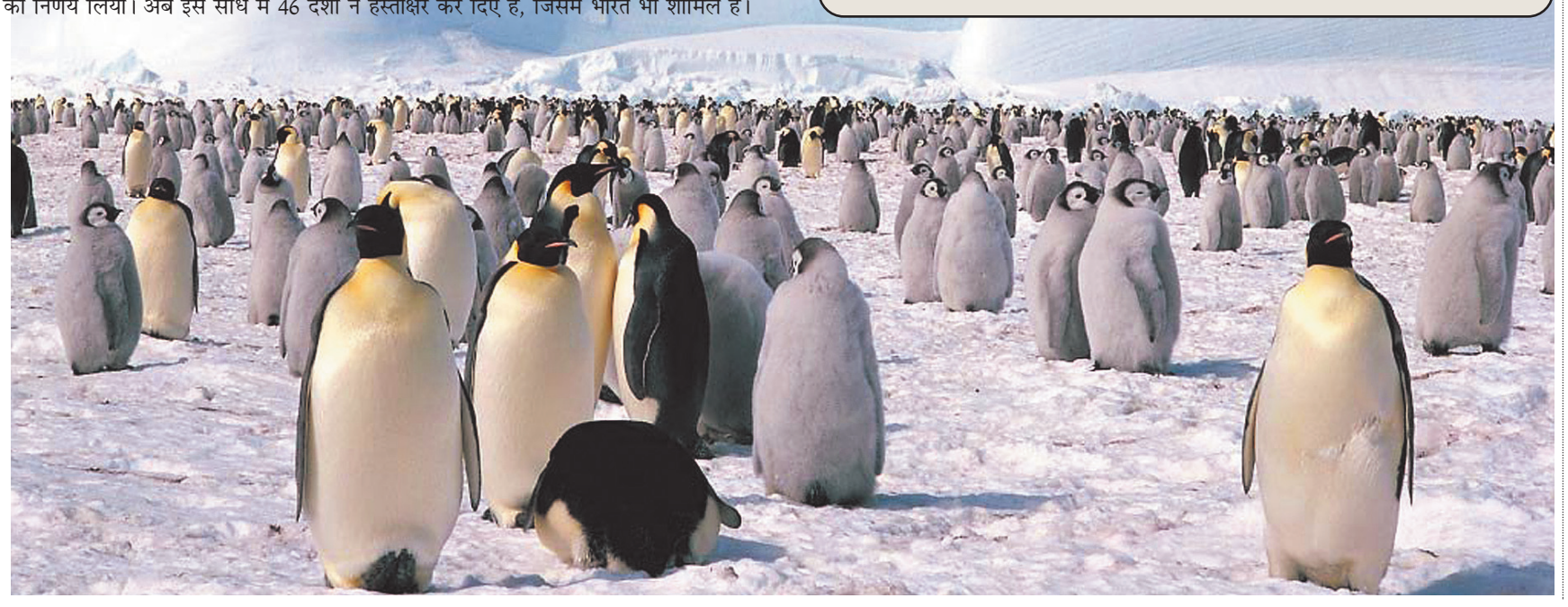

फ्लेमिंगो से सीखो साथ निभाना

फ्लेमिंगो पानी में तैरने वाली ऐसी चिड़िया है, जो बहुत ही सामाजिक है। ये ज्यादातर झुंड में रहने में विश्वास करती हैं। इनके झुंड में हजार से भी ज्यादा फ्लेमिंगो एक साथ रहती हैं। अमेरिका में फ्लेमिंगो की चार प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि दो प्रजातियां विश्व के ज्यादातर जगहों पर पाई जाती हैं। फ्लेमिंगो एक पैर पर कई घंटों तक खड़ी रह सकती हैं। ये अपना दूसरा पैर अपने पंखों के बीच छिपा लेती हैं। हाल ही में हुए रिसर्च में यह बात सामने आई कि वे शायद ज्यादा से ज्यादा बॉडी हीट कंजर्व करने के लिए ऐसा करती हैं।

सामाजिक जीवनशैली

फ्लेमिंगो बहुत ही सामाजिक पक्षी है। इन्हें बड़े-बड़े झुंडों में रहना पसंद है। इनके झुंड बना कर रहने से ही ये शिकारियों से बच पाती हैं, साथ ही भोजन सामग्री बचाने और मिल-बांटकर खाने में इन्हें मजा आता है। झुंड में रहने से इन्हें घोंसला बनाने के लिए जगह ढूंढने में भी सहायता मिलती है। हां, प्रजनन क्रिया से पहले झुंड को 15-20 के ग्रुप में बांट लेते हैं, ताकि सभी एक-दूसरे का अच्छे से खयाल रख सकें।

शैवाल खाना है पसंद

फ्लेमिंगो ब्लू-ग्रीन शैवाल खाना पसंद करती है। उनके चोंच इस तरह से बने होते हैं कि वह अपने भोजन से कीचड़ और कंकड़-पत्थर को अलग कर देती है। उनकी खुरदुरी जीभ भी उसे इस काम में बहुत मदद करती है।

खास बातें

प्रारंभ में इजिप्टियन कल्चर में फ्लेमिंगो को भगवान माना जाता था, सूर्य भगवान की तरह उनकी पूजा की जाती थी। फ्लेमिंगो की छह प्रजातियां होती हैं, जिसमें दो विश्व में हर जगह पाई जाती हैं। बाकी चार साउथ अमेरिका, मध्यपूर्व अफ्रीका और यूरोप में पाई जाती हैं।

वैसे तो ये तैरने वाली चिड़िया हैं, लेकिन ये तेज रफ्तार से उड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। यह 35 मील प्रति घंटा की गति से उड़ सकती है।

फ्लेमिंगो साल में एक ही अंडा देती है, लेकिन उसकी देखभाल बहुत अच्छी तरह से करती हैं।

इनके पंख गुलाबी, लाल या नारंगी इसलिए होते हैं क्योंकि उनके भोजन में कैरोटीनॉयड पिगमेंट होता है।

इसका भोजन झींगा, शैवाल और प्लवक है।

फ्लेमिंगो के पैर पूरे शरीर से अधिक लंबे होते हैं। इनकी लंबाई 30-35 इंच होती है।

फ्लेमिंगो बच्चे की देखभाल 6 साल तक करते हैं।

फ्लेमिंगो सबसे ज्यादा जीने वाली चिड़िया है, उनकी उम्र 40 वर्ष तक होती है।

फ्लेमिंगो अपना घोंसला कीचड़ में बनाती हैं और वहीं अंडा देती हैं। नर-मादा दोनों मिल कर उसकी देखभाल करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से अन्य जीवों की तरह फ्लेमिंगो भी प्रभावित हो रही हैं, क्योंकि वे रेनफॉल पर ही निर्भर करती हैं।

अनमोल धरोहर का केंद्र लूव्र म्यूजियम

फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित लूव्र म्यूजियम दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिमों में एक है। 6,52,300 वर्गफीट में फैले म्यूजियम में 35,000 से ज्यादा ऐतिहासिक धरोहर मौजूद हैं। इस म्यूजियम में 600 ईपू से लेकर 19वीं शताब्दी तक की चीजें सहेजी गई हैं। कला के शौकीन लोगों और इतिहासकारों के लिए यहां देखने को बहुत कुछ है। मशहूर मोनालिसा की पेंटिंग भी इसी संग्रहालय में मौजूद है। ऐसे तो सिर्फ पेरिस शहर में नब्बे से भी अधिक छोटे-बड़े संग्रहालय हैं, पर लूव्र म्यूजियम की बात ही कुछ और है।

कहानी लूव्र की

लूव्र म्यूजियम की इमारत मूल रूप से एक मध्यकालीन किला थी। फिलिप अगस्त ने 1200 ई. में इसे बनवाया था। शुरुआत में इस किले का नाम लुपारा था जिसे बाद में बदलकर लूव्र कर दिया गया। चार्ल्स पंचम ने 14वीं सदी में लूव्र को एक शाही महल में बदल दिया। फ्रांस में हुए विभिन्न युद्धों के दौरान यह लगभग 150 साल तक उपेक्षित रही। पेरिस में जब योद्धा वापस आए, तो इस किले के रिइनोवेशन का काम किया गया। 1739 में इसे पूर्णत: म्यूजियम का रूप दिया गया। फ्रांसीसी क्रांति के दौरान इस म्यूजियम को पहचान मिली।

खजाने में है बहुत कुछ

लूव्र म्यूजियम बहुत बड़ी है, इसलिए इसे कई हिस्सों में बांटा गया है। ओरिएंटल पुरावशेषों को देखने के लिए ही अच्छा खासा समय लग जाता है। मिश्र की प्राचीन सभ्यता का प्रामाणिक परिचय पाने के लिए भी लूव्र म्यूजियम प्रसिद्ध है। यूनानी और रोमन पुरावशेषों के भी अद्भुत रूप इस म्यूजियम में देखे जा सकते हैं।

पेंटिंग का कलेक्शन

लूव्र के पेंटिंग कलेक्शन को विश्व का सबसे अच्छा कलेक्शन माना जाता है। हालांकि, संख्या के मामले में यह विश्व का नंबर एक नहीं है, पर गुणवत्ता और विविधता की दृष्टि से इसे नंबर एक माना जाता है। स्वाभाविक रूप से इस संग्रह में दो तिहाई हिस्सा फ्रांसीसी चित्रकला का है, पर इटली के महान चित्रकारों की कला के अद्वितीय रूप भी लूव्र म्यूजियम में मौजूद हैं।

दिल्ली के गायब हो चुके दो स्मारक अब कागजों से भी हटेंगे

नई दिल्ली । दिल्ली के गायब हो चुके दो स्मारक अब कागजों से भी हटेंगे। भारत सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित दिल्ली के इन दो स्मारकों सहित देश के 18 स्मारकों से राष्ट्रीय स्मारकों का दर्जा समाप्त करने का फैसला लिया है। इसके लिए अधिसूचना जारी की गई है। जनता से दो माह के भीतर सुझाव मांगे गए हैं। दिल्ली के दो स्मारकों में कोटला मुबारकपुर में कभी रही इंचला वाली गुमटी और बाराखंभा कब्रिस्तान शामिल है। इसके बाद दिल्ली में राष्ट्रीय स्मारकों की संख्या 174 की जगह 172 रह जाएगी। दिल्ली में गायब हो चुके स्मारकों की बात करें तो कभी कोटला मुबारकपुर में इंचला वाली गुमटी रही थी, जो 30-25 साल पहले गायब हो चुकी है। इसके स्थान पर मकान बन गए हैं। इसी तरह बाराखंभा के शाही कब्रिस्तान को गायब हुए भी करीब इतने ही साल हो गए हैं। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि ये स्मारक बहुत पहले से अनुपलब्ध हैं। मगर कागजों में इनका जिक्र लगातार आ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इन्हें सूची से हटाने का फैसला लिया है। सरकार द्वारा गत आठ मार्च को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा अरुणाचल प्रदेश में एएसआइ द्वारा संरक्षित 18 स्मारकों को राष्ट्रीय महत्व से हटा रहा है।

राहुल ने दी गारंटी बोले- सरकार बदलने पर लोकतंत्र का चीर हरण करने वालों को सबक सिखाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के फ्रीज हुए खाते और आयकर विभाग की विसंगतियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने काफी नाराजगी जाहिर की है।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग ने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं, जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है। पार्टी ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले कर आतंकवाद के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। पार्टी को 1823 करोड़ रुपये के भुगतान के नोटिस जारी किए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता आईटी डिपार्टमेंट पर काफी भड़के नजर आए। मुख्य विपक्षी दल के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान दिए एक बयान का वीडियो एक्स पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने पोस्ट किया, 'जब सरकार बदलेगी तो लोकतंत्र का चीरहरण करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, ये सब करने की। यह मेरी गारंटी है।'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की ओर से 42 करोड़ रुपये जमा करने के लिए 4,600 करोड़ रुपये के जुर्माने की अनदेखी की गई, जबकि कांग्रेस के विधायकों और सांसदों द्वारा 14 लाख नकद जमा करने के लिए 135 करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग की गई है।मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया कि केवल विपक्ष के खिलाफ इस अनुचित तरीके से कार्रवाई करने के लिए आयकर विभाग पर कौन दबाव डाल रहा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, 'मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को परेशान करने के लिए आयकर विभाग को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति क्यों दी जा रही है? वे लोकतंत्र को नष्ट करने और संविधान को कमजोर करने के लिए आयकर विभाग, ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि केंद्र सरकार कांग्रेस को वित्तीय रूप से दिवालिया करने का प्रयास कर रही है।

जनता को कर्ज में डुबोकर देश का भला नहीं कर रही सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर देश के आम नागरिकों भारी कर्ज में डूबने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब देश की जनता का भला नहीं हो रहा है तो उन पर कर्ज में क्यों थोपा जा रहा है। श्रीमती वाड्रा ने कहा, 'पिछले 10 वर्ष में अकेले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार देश का कर्ज़ ने बढ़ाकर 205 लाख करोड़ पहुंचा दिया है। इनकी सरकार ने लगभग 150 लाख करोड़ कर्ज लिया बीते 10 साल में। आज देश के हर नागरिक पर लगभग डेढ़ लाख का औसत कर्ज बनता है।' उन्होंने सवाल करते हुए कहा, 'यह पैसा राष्ट्रनिर्माण के किस काम में लगा।क्या बड़े पैमाने पर नौकरियाँ पैदा हुईं या दरअसल नौकरियाँ तो गायब हो गईं। क्या किसानों की आमदनी दोगुनी हो गई। क्या स्कूल और अस्पताल चमक उठे। सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हुआ या कमजोर कर दिया गया। क्या बड़ी-बड़ी फ़ैक्ट्रियाँ और उद्योग लगाये गये।' श्रीमती वाड्रा ने कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, अगर अर्थव्यवस्था के कोर सेक्टर्स में बदहाली देखी जा रही है, अगर श्रम शक्ति में गिरावट आई है,अगर छोटे-मध्यम कारोबार तबाह कर दिए गए - तो आखिर यह पैसा गया कहाँ। किसके ऊपर खर्च हुआ? इसमें कितना पैसा बट्टेखाते में गया। बड़े-बड़े खरबपतियों की कर्जमाफी में कितना पैसा गया। अब सरकार नया कर्ज लेने की तैयारी कर रही है तो सवाल उठता है कि पिछले 10 साल आम जनता को राहत मिलने की बजाय जब बेरोजगारी, महंगाई आर्थिक तंगी का बोझ बढ़ता ही जा रहा है तो भला भाजपा सरकार जनता को कर्ज में क्यों डुबो रही है।'

किराए के बंगले में अश्लील वीडियो बनाने वाला गिरोह गिरफ्तार, 13 युवक-युवतियां भी पकड़ाये

पुणे । पुणे के लोनावला में अश्लील वीडियो बनाने वाले एक गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गोरखधंधा 2 दिन से चल रहा था। यहां अलग-अलग राज्यों के युवक-युवतियां पकड़े गए हैं। कुछ अश्लील वीडियो पुलिस के हाथ लगे हैं। इसी के साथ विला किराए पर देने वाले तीन लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है। लोनावला में स्थित अर्णव विला नाम के बंगले में अलग-अलग राज्यों के 15 युवक-युवतियां पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि ये लोग अश्लील ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए पोर्न वीडियो की शूटिंग कर रहे थे जबकि भारत में पॉर्न वीडियो बनाना एक क्राइम है ये प्रतिबंधित भी है। जब पुलिस को इस बात की भनक लगी तो अफसरों ने अपने स्तर से जानकारी करवाई। इसके बाद लोनावला ग्रामीण पुलिस ने अर्णव विला पर छापेमारी कर दी। पुलिस को देख अश्लील वीडियोज की शूटिंग कर रहे युवक-युवतियों के होश उड़ गए। पुलिस ने इस दौरान 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि ये गैंग लोनावला में पॉर्न वीडियो बना रहा था। 15 लोगों में 5 युवतियां भी शामिल हैं। ये सभी देश के अलग-अलग राज्यों से हैं। पुलिस ने 15 में से 13 लोगों को अरेस्ट किया है। लोनावला ग्रामीण पुलिस ने मौके से कैमरे और अन्य सामग्री भी जब्त कर ली है। इसी के साथ बंगला किराए पर देने वाले तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

एक और शादी करना चाहते हैं बदरुद्दीन अजमल ! हिमंता बोले- अभी कर लें, बाद में जाना पड़ेगा जेल

मुंबई (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को उनकी वैवाहिक योजनाओं को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की। सरमा ने कहा कि यदि अजमल दोबारा शादी करने का इरादा रखते है, तो उन्हें आगामी चुनावों से पहले ऐसा करना चाहिए। सरमा ने आगे कहा कि चुनाव से पहले अजमल की शादी में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित होगी, क्योंकि यह मौजूदा कानूनों के तहत वैध है। हालाँकि, चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने से परिदृश्य बदल जाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा ने बदरुद्दीन अजमल को लेकर कहा कि उन्हें अभी शादी कर लेनी चाहिए, चुनाव के बाद यूसीसी असम आएगी, फिर गिरफ्तारी होगी। इसलिए अगर वह चुनाव से पहले शादी कर लें तो ठीक है। फिर हम उनकी शादी में भी जायेंगे। अब ये गैरकानूनी नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक ??मुझे पता है, उनकी एक पत्नी है, आज वह दो या तीन शादियां कर सकते हैं लेकिन चुनाव के बाद हम बहुविवाह बंद कर देंगे। सारी तैयारी हो चुकी है। अगर आप अभी शादी करते हैं, तो कुछ दिनों के भीतर करें, हमें भी बुलाएं क्योंकि यह अभी भी कानूनी है। लेकिन चुनाव के बाद यह अवैध है।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी अजमल की दूसरी शादी करने की कथित इच्छा के जवाब में आई है। अब तक, यह ज्ञात है कि अजमल की केवल एक पत्नी है, लेकिन सरमा ने चेतावनी दी कि यूसीसी कार्यान्वयन के बाद किसी भी अतिरिक्त विवाह को कानून के तहत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 28 मार्च को, बदरुद्दीन अजमल ने अपनी उम्र के बावजूद शादी के लिए अपनी पात्रता पर जोर देते हुए विवादास्पद टिप्पणी की, ÷आज भी मैं शादी करने के लिए युवा हूं... मुझमें ताकत है और मैं दोबारा शादी कर सकता हूं।÷ एआईयूडीएफ पार्टी प्रमुख ने 74 वर्ष से अधिक उम्र होने के बावजूद खुद को ÷बलवान अजमल÷ कहा।

ननद-भौजाई के बीच बारामती में होगा मुकाबला, शरद पवार के बाद अजित ने भी घोषित किया उम्मीदवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने शनिवार को सुनेत्रा पवार को चर्चीत बारामती लोकसभा सीट से उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा, जिससे यह पवार परिवार के भीतर सीधी लड़ाई बन गई। सुनेत्रा पवार अजित पवार की चचेरी बहन और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह घोषणा आज तीव्र अटकलों के बीच हुई, जिसमें राकांपा नेता सुनील तटकरे ने आधिकारिक तौर पर सुनेत्रा अजीत पवार को बारामती लोकसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया।

वहीं, 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - शरद चंद्र पवार' पार्टी की केंद्रीय संसदीय समिति ने आज लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की। सूची की घोषणा करते हुए राज्य इकाई प्रमुख जयंत पाटिल ने कहा कि सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे को क्रमशः बारामती और शिरूर निर्वाचन क्षेत्रों से बरकरार रखा गया है।÷ पार्टी ने पांच सीटों - वर्धा, डिंडोरी, बारामती, शिरूर और अहमदनगर के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। पार्टी ने बारामती से सुप्रिया सुले को फिर से उम्मीदवार बनाया है; वह एनसीपी की सुनेत्रा पवार से मुकाबला करेंगी जिनके नाम की घोषणा बारामती से एनसीपी (एससीपी) की सूची जारी होने के कुछ घंटों बाद की गई। इस बीच, एनसीपी (एससीपी) ने नासिक जिले की डिंडोरी सीट से भास्कर भागरे और वर्धा से पूर्व कांग्रेस विधायक अमर काले को उम्मीदवार बनाया है। भगरे डिंडोरी (एसटी) सीट पर केंद्रीय मंत्री और मौजूदा भाजपा सांसद भारती पवार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। पारनेर से मौजूदा विधायक लंके का मुकाबला अहमदनगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद सुजय विखे पाटिल से होगा। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा एनसीपी (एसपी), जिसमें शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस भी शामिल हैं, महाराष्ट्र में 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जो लोकसभा में 48 सदस्यों को भेजता है।

भजनलाल ने राजस्थान स्थापना दिवस पर मोदी की शुभकामना पर जताया आभार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाओं पर सभी प्रदेशवासियों की तरफ से आभार प्रकट किया हैं। श्री शर्मा ने श्री मोदी के राजस्थान स्थापना दिवस पर प्रदेश के लोगों को शुभकामना देने पर कहा 'प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थाना स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदत्त शुभकामनाओं के लिए समस्त प्रदेशवासियों की तरफ से आत्मीय आभार।' उन्होंने कहा कि सुशासन को समर्पित प्रदेश की भाजपा सरकार प्रधानमंत्री की गारंटियों को साकार करते हुए विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग करने के लिए वचनबद्ध हैं। इस मौके मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सबक का साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की संकल्पना के अनुरुप प्रदेश भाजपा सरकार 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के निर्माण के लिए प्रत्येक स्तर पर निरंतर क्रियाशील है। आज के इस विशेष दिवस पर श्री गिरिराज महाराज से प्रार्थना है कि अध्यात्म, संस्कृति एवं गौरवशाली इतिहास से परिपूर्ण हमारा प्रदेश यूंही प्रगति के नित नए प्रतिमान स्थापित करता रहे और समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में समृद्ध एवं खुशहाल का मार्ग प्रशस्त हो।

आयकर विभाग ने ऐसे मामले में मुझे नोटिस दिया, जिसका निपटारा पहले ही हो चुका है : डी के शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें एक आयकर नोटिस मिला है, हालांकि उनके खिलाफ उस मामले का निपटारा हो चुका है। केंद्र पर विपक्ष को परेशान करने का आरोप लगाते हुए, कनकपुरा के विधायक एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन से डर लगता है। शिवकुमार ने कहा, 'मुझे भी कल रात आयकर से एक नोटिस मिला, जबकि उस मामले का पहले ही निपटारा हो चुका है। मैं और मेरे निजी सहायक तथा बाकी सभी लोग हैरान थे।'' शिवकुमार ने कहा, मामला अदालत में होने के बावजूद आयकर अधिकारी सभी जगहों पर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं से जुड़े कई मामले हैं, जिनके खिलाफ कोई कार्रवाई होने की उम्मीद नहीं। हालांकि उन्होंने मामलों का विवरण सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया। शिवकुमार ने कहा, ''मैं कर्नाटक से मौजूदा केंद्रीय मंत्री के खिलाफ (मामले) सहित (अन्य मामलों का) उल्लेख नहीं करना चाहता, लेकिन पिछले चार-पांच वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। किसी गवाह को नहीं बुलाया गया, कोई आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया।

देवरिया में गैस सिलेंडर में विस्फोट, मां और तीन बच्चों की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया के भलुअनी क्षेत्र में शनिवार सुबह घर में चाय बनाते समय गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद लगी आग से झुलस कर एक महिला और उसके तीन बच्चों की मौत हो गयी। उपजिलाधिकारी बरहज दिशा श्रीवास्तव ने बताया कि भलुअनी क्षेत्र के ग्राम डुमरी में शिव शंकर की पत्नी आरती देवी ने आज सुबह करीब पांच बजे चाय बनाने के गैस जलाई तो गैस सिलेंडर के रेगुलेटर में आग पकड़ लिया। गैस सिलेंडर में आग लगने से सिलेंडर में विस्फोट हो गया। इस हादसे में आरती देवी (35), उनकी बेटी आंचल(14) बेटा कुंदन(12) और 11 माह की बेटी सृष्टि की जलने से मौत हो गई। सिलेंडर में विस्फोट से मकान की दीवार और टीन सेड क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के समय तीनों बच्चें कमरे में सो रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को मेरठ में रैली को संबोधित कर चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे

मेरठ/लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को एक रैली संबोधित कर राज्य में चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री की इस रैली में मेरठ के अलावा बागपत, बिजनौर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे। भाजपा मुख्यालय से प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता को प्रधानमंत्री की रैली के समन्वय की जिम्मेदारी दी गयी है। उत्तर प्रदेश में 80 सीट पर सभी सात चरणों में चुनाव होने हैं जिसकी शुरुआत पश्चिमी उप्र से हो रही है। पहले चरण के तहत बिजनौर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। हालांकि मेरठ और बागपत में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। मेरठ से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अंकित चौधरी ने कहा, ''यह 2024 के चुनाव की पहली रैली है। कार्यकर्ताओं का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री क्रांति धरा मेरठ से चुनावी अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं।' मेरठ के एक अधिकारी ने बताया कि मेरठ में 31 मार्च को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित रैली के मद्देनजर सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत रैली स्थल के आठ किमी के दायरे में हवाई प्रदर्शन, ड्रोन, पतंग या गुब्बारे उड़ाना प्रतिबंधित कर दिया है। जिलाधिकारी ने सभी थानाध्यक्षों को आदेश दिए हैं कि वह अपने क्षेत्रों में आदेशों का सख्ती से पालन कराएं।

पूर्व सांसद पप्पू यादव के कारण पूर्णिया लोकसभा सीट राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में बदला

पटना (एजेंसी)। पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव जिन्होंने पिछले हफ्ते अपनी जन अधिकार पार्टी (जेएपी) का कांग्रेस में विलय कर बिहार के पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ने की उम्मीद की थी। बाद में यह सीट राजद कोटे में चली गई। ऐसे में पूर्व सांसद पप्पू यादव की दृढ़ महत्वाकांक्षा के कारण पूर्णिया लोकसभा सीट राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में बदल गया है। महागठबंधन में राजद द्वारा बीमा भारती को उम्मीदवार बनाए जाने से चर्चा तेज हो गई है। जबकि पप्पू यादव चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं।

इस मामले पर पप्पू यादव ने कहा कि मैं सहज हूं क्योंकि मुझे पूर्णिया के लोगों का समर्थन प्राप्त है और लोग मेरे दिल के बहुत करीब हैं। राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी मेरे बहुत करीबी हैं। वे मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करता हूं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि सीमांचल कोसी जीतकर देश में कांग्रेस सरकार बनाएंगे और पूर्णिया में कांग्रेस का झंडा लहराएंगे। हम राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे। राजद कांग्रेस की अहम सहयोगी है। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का कोई अफसोस नहीं है क्योंकि मैंने ऐसा एक बड़े उद्देश्य के लिए किया है। मेरा उद्देश्य भेदभाव को खत्म करना, लोकतंत्र, संस्थानों और अन्य संगठनों को बचाना है। ऐसा करने के लिए एक बड़े मंच की जरूरत थी यही वजह है कि मैंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस में हूं और वहीं रहूंगा। मैं निश्चित रूप से पूर्णिया से कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर लड़ूंगा। मैं पिछले 2 वर्षों से इस निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रहा हूं। पूर्णिया सीमांचल की राजधानी है और पूरा देश इसे आशा भरी नजरों से देखता है। पूर्णिया ने मुझे कभी दूर नहीं किया तो मैं पूर्णिया कैसे छोड़ सकता हूं? मेरे पास मधेपुरा और सुपौल सीट का ऑफर था लेकिन मैंने मना कर दिया। ऐसे में अगर पप्पू यादव चुनाव लड़ते हैं तो इससे किसका नुकसान करेंगे यह देखना होगा। कांग्रेस ने कई मौकों पर बलिदान दिया है क्योंकि उनके लिए सत्ता ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है। वे युवाओं के रोजगार, किसानों और महिला सुरक्षा के लिए काम करते हैं। कांग्रेस ने राजद को बड़े भाई की तरह सम्मान दिया है। महागठबंधन के सहयोगियों के भीतर आंतरिक कलह स्पष्ट है जिसमें यादव मानने में अनिच्छा दिखा रहे हैं। उन्होंने 2 अप्रैल को अपना नामांकन दाखिल करने की योजना के साथ आधिकारिक तौर पर पूर्णिया से आम चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

इंदौर में रंगपंचमी की 'गेर' में उमड़े हजारों हुरियारे, मुख्यमंत्री भी शामिल हुए

इंदौर (मध्यप्रदेश)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में फागुनी मस्ती के माहौल में रंगपंचमी पर हर साल निकाली जाने वाली 'गेर' (होली की विशाल शोभायात्रा) में शनिवार को हजारों लोग शामिल हुए और त्योहारी उल्लास में डूब गए। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शहर में गेर की करीब 75 साल पुरानी रंगारंग परंपरा में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ एक खुले वाहन में सवार हुए और उन्हें गेर में शामिल लोगों पर पिचकारी से रंग बरसाते देखा गया। यादव ने संवाददाताओं से कहा, 'गेर होली खेलने वाले लोगों की वह टोली है जो सबको अपना बनाने के लिए निकलती है।' उन्होंने कहा कि गेर की गौरवशाली परंपरा विजयोत्सव की प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पुराने दौर में अलग-अलग समुदाय के लोग अपने पारंपरिक प्रतीक चिह्नों के साथ दल-बल संग गेर में शामिल होते थे।' अधिकारियों ने बताया कि इंदौर का जिला प्रशासन गेर को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के तौर पर यूनेस्को की सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास कर रहा है। गेर को 'फाग यात्रा' के रूप में भी जाना जाता है जिसमें शहर के हजारों हुरियारे बगैर किसी औपचारिक बुलावे के उमड़ते हैं और होली खेलते हैं। रंगपंचमी पर यह रंगारंग जुलूस शहर के अलग-अलग हिस्सों से गुजरते हुए ऐतिहासिक राजबाड़ा (इंदौर के पूर्व होलकर शासकों का महल) के सामने पहुंचता है जहां रंग-गुलाल की चौतरफा बौछारों के बीच हुरियारों का आनंद में डूबा समूह कमाल का मंजर पेश करता है। जानकारों ने बताया कि शहर में गेर की परंपरा रियासत काल में शुरू हुई, जब होलकर राजवंश के लोग रंगपंचमी पर आम जनता के साथ होली खेलने के लिए सड़कों पर निकलते थे। उन्होंने बताया कि होलकर शासकों के राज में गेर में बैलगाड़ियों पर लदी कड़ाहियों से बड़ी-बड़ी पिचकारियों के जरिये रंग भरा जाता था और इसे हुरियारों पर बरसाया जाता था।

बिहार में आरजेडी 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दल 5 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

-लालू ने सभी सीटों पर किए उम्मीदवार घोषित, कांग्रेस कल कर सकती है घोषणा

पटना (एजेंसी)। बिहार में सीटों को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान खत्म हो गई है। महागठबंधन में काफी मशक्कत के बाद लालू की आरजेडी बिहार में सबसे ज्यादा सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उसके बाद कांग्रेस और फिर लेफ्ट दलों बंटावारे में आई सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस की कल यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होने वाली है।

आखिरकार बिहार में विपक्षी महागठबंधन दलों के बीच सीट बंटवारा हो चुका है। लालू यादव की आरजेडी को 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दलों (भाकपा माले, भाकपा और माकपा) को 5 सीटें मिली हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने 2019 में भी 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। वहीं आरजेडी एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी थी।

लालू यादव ने उनके खाते में आई सभी सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सीटें बंटावारे के बाद अब कांग्रेस भी अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करने में जुट गई है। कांग्रेस चुनाव समिति की 31 मार्च यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होनी है, जिसमें बिहार में किन उम्मीदवारों को टिकट देना है इस पर बातचीत होगी। सूत्रों की मानें तो इसी दिन कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

किशनगंज से वर्तमान सांसद मोहम्मद जावेद का नाम इस बार भी लगभग तय माना जा रहा। भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है। कटिहार से तारिक अनवर कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं। पटना साहिब सीट पर मीरा कुमार के बेटे अंशुल अभिजीत और राजकुमार राजन के नाम मोहर लग सकती हैं। वहीं समस्तीपुर सीट से पूर्व आईपीएस वीके रवि और अशोक राम दावेदारों में माने जा रहे हैं। कांग्रेस मुजफ्फरपुर से विधायक विजेंद्र चौधरी को अपना लोकसभा उम्मीदवार बना सकती है। महाराजगंज से विधायक विजय शंकर दुबे और कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश सिंह के नाम की चर्चा है। पश्चिम चंपारण से केदार शाश्वत कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं। वहीं सासाराम सीट पर पार्टी किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है।

लालू यादव की आरजेडी बिहार में जिन 26 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी उनमें दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, वैशाली, झंझारपुर, मधुबनी, सीवान, हाजीपुर, औरंगाबाद, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज शामिल हैं। भाकपा माले तीन सीटों आरा, नालंदा और काराकाट से चुनाव लड़ेगी। भाकपा को बेगूसराय और माकपा को खगड़िया सीट मिली है।

एनडीए में भाजपा 17 तो जेडीयू 16 पर लड़ेगी चुनाव

भाजपा और नीतीश कुमार की जेडीयू (एनडीए) के सीट बंटावारे की बात करें तो भाजपा 17 और जेडीयू 16 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ रही है। वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 5 सीटें मिली हैं जिस पर वह चुनाव लड़ रही है। जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 1-1 सीट पर ही संतोष करना पड़ा है।

आसिफा भुट्टो निर्विरोध संसद सदस्य निर्वाचित

इस्लामाबाद, । आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद खाली हुई सीट पर पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की छोटी बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी को निर्विरोध संसद सदस्य निर्वाचित हुईं। आसिफा ने सिंध प्रांत के शहीद बेनजीराबाद इलाके की एनए-207 सीट के लिए हुए उपचुनाव में भाग लिया था। यह सीट आसिफा के पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद खाली हुई थी। क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार तीन उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद आसिफा निर्विरोध निर्वाचित हो गईं।

रमजान के महीने में सऊदी अरब में तैयार हो गई दुनिया की पहली मस्जिद

जेद्दा । रमजान के महीने में सऊदी अरब को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। सऊदी अरब के जेद्दा शहर में दुनिया की पहली 3डी प्रिंटिंग तकनीक से बनी मस्जिद का उद्घाटन हुआ है। 3डी प्रिंटिंग तकनीक से बनी मस्जिद को जेद्दा के जवहरा में बनाया गया है। मस्जिद का नाम स्वर्गीय अब्दुलअजीज अब्दुल्ला शर्बतली के नाम पर रखा गया है। अब्दुलअजीज की पत्नी सऊदी की मशहूर उद्यमी वजनात अब्दुलवहीद ने अपने पति की याद में मस्जिद का निर्माण किया है। मस्जिद प्रोजेक्ट का नेतृत्व फुर्सन रियल एस्टेट की मालकिन अब्दुलवहीद ही कर रही थीं। मस्जिद बनाने के लिए अब्दुलवहीद ने 3डी प्रिंटिंग के क्षेत्र में बड़ा नाम प्रसिद्ध चीनी निर्माता गुआनली से अत्याधुनिक 3डी प्रिंटर से खरीदी तकनीक का इस्तेमाल किया। मस्जिद के बारे में बताकर अब्दुलवहीद ने बताया कि मस्जिद वास्तुशिल्प सुंदरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मस्जिद का डिजाइन ऐसा किया गया है कि यह लोगों के बीच शांति और आतिथ्य की भावना को बढ़ावा दे। उनका कहना है कि सऊदी अरब इस तकनीक का इस्तेमाल कर विशाल मस्जिद बनाने वाला पहला देश बना है। 3डी प्रिंटिंग मस्जिद का निर्माण सऊदी अरब के वास्तविक शासक क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन सलमान के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 को बढ़ावा देता है। इस विजन का उद्देश्य सऊदी की तेल आधारित अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। इसके तहत सऊदी विदेशी निवेश,पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश कर रहा है। इस्लाम में मक्का और मदीना को दो सबसे पवित्र स्थलों के रूप में जाना जाता है। ये दोनों ही पवित्र शहर सऊदी अरब में स्थित है। हर साल मक्का में हज और उमराह के लिए लाखों की संख्या में पर्यटक सऊदी अरब पहुंचते हैं। सऊदी अरब अपने अर्थव्यवस्था में विविधता के लिए रूढ़िवादी इस्लामिक देश की अपनी छवि भी बदल रहा है और उदार इस्लाम को अपना रहा है।

मुइज्जू ने पूर्ववर्ती राष्ट्राध्यक्ष पर लगाया गंभीर आरोप, विदेशी राजदूत की तरह काम करने का

माले । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने पूर्ववर्ती राष्ट्राध्यक्ष को एक विदेशी राजदूत के रूप में काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इब्राहिम मोहम्मद सोलिया एक विदेश राजदूत के आदेशों पर काम करते थे। हालांकि, मुइज्जू ने किसी देश का नाम नहीं लिया और न ही किसी राजनयिक का नाम लिया। मुइज्जू ने इंटरव्यूद के दौरान सैन्य ड्रोन की खरीद को लेकर विपक्ष की आलोचना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देकर कहा कि साल 2018 से 2023 तक मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के पास भी संसद में बहुमत था। हालांकि, पार्टी मालदीव की स्वतंत्रता की रक्षा करने में विफल रही और उन्होंने एक विदेशी देश के हाथों में छोड़ दिया। इब्राहिम सोलिह ने एक विदेशी राजदूत के आदेश पर काम किया था, जिसके परिणामस्वरूप देश को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हमने आर्थिक सहित सभी अर्थों में अपनी स्वतंत्रता खो दी थी। यह सब करने के बाद वे इन सबका हल करने और देश को वापस रास्ते पर लाने के हमारे प्रयासों को स्वीकार नहीं करने वाले हैं, जो मालदीव के लोग चाहते हैं।

मैक्सिको में नौका हादसे में आठ प्रवासियों की मौत

मैक्सिको सिटी । मैक्सिको के दक्षिणी प्रशांत तट के पास एक नौका हादसे में आठ प्रवासियों की मौत हुई है। प्रारंभिक जांच के आधार पर मृतक संभवत- एशिया के थे। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। अभियोजकों ने कहा कि इस हादसे में जीवित बचे एक एशियाई व्यक्ति का पता लगा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि इस हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति एशिया के थे। मृतकों के शव प्लाया विसेंटे शहर में एक समुद्र तट के पास मिले। नौका हादसे का कारण पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

गुड फाइडे के पारंपरिक जुलूस में शामिल नहीं हुए पोप फ्रांसिस

रोम । पोप फ्रांसिस रोम के एक बड़े कलागृह में निकाले गए गुड फ्राइडे के पारंपरिक जुलूस में शामिल नहीं हुए। जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताए फिर बढ़ गई हैं। वेटिकन ने जुलूस में उनके शामिल नहीं होने की जानकारी दी है। फ्रांसिस के 'वे ऑफ क्रॉस' जुलूस की अगुवाई करने की उम्मीद थी जो ईसा मसीह के जुनून और उन्हें सलीब पर चढ़ाने की घटना का पुन-प्रदर्शन करता है। जैसे ही कार्यक्रम शुरू होने वाला था, तब वेटिकन ने घोषणा की कि फ्रांसिस अपने घर से कार्यक्रम की निगरानी कर रहे हैं। यह पहली बार है जब वह पोप के अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में पारंपरिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए हैं। वेटिकन ने बयान में कहा, '' प्रार्थना और ईस्टर रविवार को होने वाली सभा के मद्देनजर उनकी सेहत के लिए पोप फ्रांसिस आज शाम कलागृह में 'वे ऑफ क्रॉस' जुलूस की कासा सांता मार्टा से निगरानी करने वाले है।

चीन के शख्स ने मुंह से नलके की तरह पानी निकलकर बनाया रिकॉर्ड

बीजिंग । एक शख्स ने सबसे अधिक समय तक लगातार मुंह से एक नलके की तरह पानी निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। इतना ही नहीं शख्स ने गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कराया है। दुनिया में कई लोग अजीबोगरीब तरह के रिकॉर्ड बनाते हैं, जिन्हें करना, तब दूर उनके बारे में सोचना भी मुश्किल होता है। हाल ही में एक शख्स ने बहुत ही अजीबोगरीब वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, इसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इसकारण हर तरफ इसकी ही चर्चा हो रही है। शख्स का गजब का टैलेंट देखकर हर कोई हैरान रह गया है। दरअसल शख्स ने सबसे अधिक समय तक लगातार मुंह से एक नलके की तरह पानी निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, और गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कराया है। हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक शख्स को अजीबोगरीब रिकॉर्ड बनाते हुए देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के रहने वाले 35 साल के शख्स ने पहले 4.5 लीटर पानी पिया। इसके बाद वहां लगातार पांच मिनट, 51.88 सेकंड तक एक नलके की तरह अपने मुंह से पानी निकालता रहा। शख्स का नाम मा हुआ है। रिकॉर्ड को पूरा करने के लिए पानी को लगातार बिना रुके मुंह से बाहर निकालना था। पानी मुंह से इस तरह टपकना चाहिए जैसे पानी नल से निकलता है बिना रुके। इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए मा हुआ ने बिल्कुल ऐसा ही किया। इससे पहले ये रिकॉर्ड इथियोपिया के किरुबेल यिल्मा ने 2016 में बनाया था।

बारिश से मकान की छत गिरने से पांच मजदूरों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भारी बारिश के कारण मकान की छत गिरने से करीब पांच खदान श्रमिकों की मौत हुई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह मकान स्थानीय कोयला खदान के बाहर मजदूरों के रहने के लिए बना था। उन्होंने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण कोयला खदान ढह गई और पांच मजदूर मलबे में दब गए जिससे उनकी मौत हो गई।

काठमांडू में पचाली भैरव खडगे सिद्धी जतरा उत्सव में लोग विभिन्न देवताओं की वेशभूषा धरे हुए नजर आये।

सऊदी अरब ने दुश्मन देश के लिए खोला खजाना, हजारों जरुरतमंद परिवारों को मिलेगा फायदा

रियाद।सऊदी अरब के किंग सलमान रिलीफ सेन्टर ने यमन को जकात अल-फितर पहुंचाने के लिए एक नागरिक समाज संगठन के साथ समझौते किया हैं। इस समझौते से यमन के 31,333 जरूरतमंद परिवारों को फायदा मिलेगा। समझौते का मकसद यमन के जरूरतमंदों लोगों को ईद से पहले मदद पहुंचाना है, जोकि ग्रहयुद्ध के कारण मानवीय संकट से गुजर रहे हैं ।इससे पहले एजेंसी ने सऊदी रिलीफ सी ब्रिज के जरिए सूडान के लिए अपना सातवां रिलीफ शिपमेंट रवाना था। शिपमेंट में 12 रेफ्रिजरेटर ट्रक शामिल थे, जिनमें 14,960 फूड पार्सल थे। यह जेद्दा शिप इस्लामिक बंदरगाह से चलके गुरुवार को सूडान के सुआकिन बंदरगाह पहुंचा। यह मदद सूडान में खाद्य सुरक्षा परियोजना के दूसरे फेज का हिस्सा है, जिसे सऊदी एजेंसी द्वारा चलाया जा रहा है।

एजेंसी ने मलेशिया को 25 टन खजूर तोहफे में दिए हैं। कई मलेशियाई अधिकारियों की मौजूदगी में मलेशिया में सऊदी राजदूत मुसैद बिन इब्राहिम अल-सलीम ने एजेंसी की ओर से गिफ्ट दिए। इस मौके पर अल-सलीम ने सऊदी अरब और मलेशिया के बीच मजबूत रिश्ते की सराहना की। इसके अलावा रिलीफ ने दक्षिण अफ्रीका के जरूरतमंद परिवारों को 400 फूड पार्सल बाटे हैं। यह वितरण दक्षिण अफ्रीका में रमजान एताम खाद्य वितरण परियोजना का हिस्सा है। सऊदी अरब केएस रिलीफ के तहत संकट से जूंझ रहे कई देशों की मदद कर रहा है। सुडान में चल रहे सऊदी रिलीफ मिशन से करीब 1।5 मिलियन लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। यह पहल सूडानी लोगों के सामने आने वाली मौजूदा परिस्थितियों को कम करने में मदद कर रही है। सऊदी अरब और सूडान के बीच पहले से ही मजबूत रिश्ते रहे हैं और अब सुडान के बुरे वक्त में सऊदी अरब उसके काम आ रहा है।

परमाणु प्रोग्राम, सैनिकों की पोजीशन, पुतिन का स्वास्थ्य, क्या सच में यूएस तक पहुंचा दी गई सारी जानकारियां, रूसी पॉप स्टार मोसाद एजेंट हैं?

मास्को (एजेंसी)। जंग के मैदान से इतर एक अलग खबर सामने आई है। पुतिन के घर से जासूस को लेकर कई सारी बातें कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कहा जा रहा है कि रूस में एक जासूसी नेटवर्क एक्टिव था। इस रूस के जासूसी नेटवर्क के केंद्र में एक टॉप पॉप गायिका थी। अल्ला पुगाचेवा पर आरोप लग रहे हैं कि एक दशक से बहुत सारी जानकारियां पश्चिम देशों को भेजी हैं। आशंका जताई जा रही है कि क्या रूस के गुप्त परमाणु हथियारों की तकनीक यूरोप और अमेरिका तक पहुंचाई गई है? इसके साथ ही रूस की घातक मिसाइलों के तैनाती की जानकारी लीक की गई है। तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं और कटघरे में पॉप गायिका अल्ला पुगाचेवा का नाम सामने आ रहा है।

रूस की तरफ से पॉप स्टार को विदेशी एजेंट घोषित करने की मांग उठने लगी है। अल्ला पुगाचेवा पर मोसाद एजेंट होने का शक है। अल्ला पुगाचेवा यूक्रेन युद्ध और पुतिन सरकार की आलोचक रही हैं। 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल में रह रही हैं। इसलिए मोसाद से कनेक्शन जोड़ा जा रहा है। अल्ला

पुगाचेवा के पति मैक्सिम गल्किन पुतिन विरोधी हैं। गल्किन को रूस में विदेशी एजेंट का टैग हासिल है। वहीं पुगाचेवा पर क्लासिफाइड जानकारियां लीक करने के गंभीर आरोप हैं। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि रणनीतिक जानकारियों तक उनकी पहुंच रही है। रूस को राजनीतिक तौर पर अस्थिर करने का भी आरोप है।

पॉप स्टार को लेकर कहा जा रहा है कि मोसाद के लिए शीत युद्ध में भी काम किया है। मोसाद के माध्यम से उन्होंने सैकड़ों अहम जानकारियों को अमेरिका तक पहुंचाया है। पश्चिमी देश शीत युद्ध से ही रूस की जासूसी करते आए हैं। अब रूसी पॉप स्टॉर पर विदेशी जासूस होने का शक जताया जा रहा है।

बाइडन का दावा, जी20 में जिस भी देश के नेता से मिले सभी ने कहा- डोनाल्ड ट्रंप को जीतने नहीं दे सकते

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस पद के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब बाइडन ने दावा किया है कि भारत में हुए जी20 समेत कई बैठकों में दुनियाभर के नेताओं ने उनका समर्थन किया है। साथ ही उनसे यह भी कहा कि वह आगामी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को नहीं जीतने दे सकते हैं।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति बाइडन ने न्यूयॉर्क में अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि विश्व के नेता हमेशा कहते हैं कि उनका लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने कहा, भारत में जी20 बैठक हो या किसी अन्य देश में हुई बैठक, जब भी दुनिया भर के नेता जुटते हैं तो वो यही कहते हैं कि आप उन्हें (ट्रंप) जीतने नहीं देंगे।

मैं बढ़ा- चढ़ाकर नहीं बता रहा

उन्होंने कहा, आपको लग रहा होगा कि मैं बढ़ा- चढ़ाकर बता रहा हूं, पर ऐसा नहीं है। मैं बिना नाम लिए पत्रकारों को बता सकता हूं कि करीब सभी देशों के नेता मुझसे यह बात कह चुके हैं। दुनिया भर से आए नेता मुझसे हाथ मिलाते हुए कहते हैं कि देश का लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने आगे कहा, मैं यही कहूंगा कि यह एक अतिशयोक्ति नहीं है। इसके बारे में सोचिए। यह एक ऐसा शख्स है, जो नाटो से दूर हो गया है।

अमेरिका के साथ क्या हो रहा है

राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रंप के उस अपने बयान पर भी प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया है कि वह रूस को उन देशों के साथ जो कुछ भी करना चाहता है उसे करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो रक्षा पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का दो प्रतिशत खर्च नहीं करते हैं। बाइडन ने कहा, बस आप देखो कि उन्होंने क्या किया है। बाकी दुनिया सोच रही है कि अमेरिका के साथ क्या हो रहा है। हालांकि वह राहत महसूस कर रहे हैं, इसलिए नहीं कि मैं बहुत खास हूं, बल्कि इसलिए कि मैं ट्रंप नहीं हूं। मैं गंभीर हूं। काश ऐसा इसलिए ही होता क्योंकि उन्हें लगता कि बाइडन इतने गंभीर व्यक्ति हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वे मेरा सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि वे मेरी बात सुनते हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर वह (ट्रंप) फिर से जीतते हैं तो वे अपने देशों के लिए मौत से डरते हैं।

इटली में जारी है जन्म दर में गिरावट-जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या 1.24 से घटकर 1.2 रह गई

रोम। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग ने एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जिसमें हर देश में 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी का विश्लेषण किया गया, जापान 29.8 फीसदी और 23.7 फीसदी बुजुर्गों के साथ इटली दूसरे स्थान पर है, लेकिन फिनलैंड 22.9 फीसदी, पुर्तगाल 22.6 फीसदी, और यूनान 22.5 प्रतिशत से अधिक है। हम इटली की बात करें तो यहां जन्मदर में गिरावट दर्ज की गई है जबकि आप्रवासन के कारण कुल जनसंख्या स्थिर है। इटली में 1 जनवरी, 2024 तक लगभग 5.89 करोड़ लोग थे, जिसमें पिछले साल के मुकाबले 7,000 लोगों की गिरावट है। आंकड़ों से पता चला है कि पिछले साल 379,000 बच्चे पैदा हुए थे, और जन्म दर 2022 में 6.7 प्रति हजार तुलना में प्रति 1,000 लोगों पर 6.4 बच्चों के बराबर थी। संख्यात्मक रूप से, यह 2022 की तुलना में 14,000 कम नवजात शिशु है और 2008 की तुलना में लगभग 197,000 कम है। वर्ष 2008 में पहली बार जन्म दर में गिरावट शुरु हुई थी। इटली में जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या 2022 में 1.24 से घटकर 2023 में 1.2 रह गई, जो 1995 में दर्ज प्रति महिला 1.19 बच्चों के सर्वकालिक निम्न स्तर के करीब था।

राष्ट्रपति बाइडेन ने पाक पीएम शाहबाज को खत लिखा, कहा- पाकिस्तान को सपोर्ट करते रहेंगे

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी में हुए आम चुनाव के बाद पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नए पाक पीएम शाहबाज शरीफ के नाम एक खत लिखा। इसमें उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों की अहमियत बताते हुआ पाकिस्तान के लिए अमेरिका के सपोर्ट की बात की।

खत में बाइडेन ने लिखा कि हमारी साझेदारी दुनियाभर के लोगों और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम है। अमेरिका वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। इसी के साथ यह पहली बार है जब बाइडेन ने पाकिस्तान में चुनाव के बाद किसी प्रधानमंत्री से बात की है।

साल 2018 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनाव जीता था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने उनसे कोई बात नहीं की थी। इसके बाद साल 2022 में इमरान की सरकार गिरने के बाद जब शाहबाज शरीफ ने सरकार बनाई, तब भी बाइडेन ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया।

दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने पर फोकस

बाइडेन ने अपने लेटर में लिखा कि अमेरिका विकास और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करता रहेगा। दोनों देश मिलकर मजबूत साझेदारी और अपने नागरिकों के बीच बेहतर रिश्ते कायम करेंगे। इससे पहले पाकिस्तान में मौजूद अमेरिकी राजदूत ने 15 मार्च को पाकिस्तान को अमेरिका का अहम पार्टनर बताया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि पाकिस्तान की नई सरकार अमेरिका के साथ मिलकर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए काम करेगी।

तालिबान का फरमान- यौन अपराध में लिप्त महिलाओं को पत्थर मार हलाक कर दें

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में महिलाओं को व्यभिचार के लिए सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाएंगे। इतना ही नहीं, पत्थर मारकर उस स्त्री की हत्या कर दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पश्चिमी लोकतंत्र के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की भी कसम खाई है और इस आश्य का फरमान जारी कर दिया है। तालिबान कहीं अफगानिस्तान को अंधकार युग में वापस लेकर न चला जाए, यह आशंका लंबे वक्त से जताई जा रही है। मगर, अब यह डर सच साबित होता नजर आ रहा है। दरअसल, तालिबान सुप्रीमो मुल्ला हिबतुल्ला अखुंदजादा ने सरकारी टेलीविजन पर नया संदेश जारी किया है।

इसके अलावा संवाददाताओं को भेजे गए निमंत्रण में कहा गया है कि 'बहनों के लिए उपयुक्त जगह की कमी के कारण, हम महिला पत्रकारों से माफी मांगते हैं।' अखुंदजादा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिल रहे महिलाओं के अधिकार तालिबान की इस्लामी शरिया कानून के विरोधाभासी हैं। उन्होंने कहा, क्या महिलाएं उस तरह के अधिकार चाहती हैं जिनके बारे में पश्चिमी लोग बात कर रहे हैं? वे शरिया और मौलवियों की राय के खिलाफ हैं, जबकि मौलवियों ने पश्चिमी लोकतंत्र को उखाड़ फेंका। तालिबान प्रमुख के मुताबिक, हमने मुजाहिदीन से कहा कि हम पश्चिमी लोगों से कहते हैं कि आपके खिलाफ 20 साल लड़ाई लड़ी। हम आपके खिलाफ 20 या उससे भी अधिक बरसों तक लड़ेंगे। यह खत्म नहीं होने वाला है। हम इस धरती पर शरिया लाएंगे। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के विद्यालयों में बुधवार को लड़कियों के बिना ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया। दरअसल, तालिबान ने छठी कक्षा से आगे की कक्षाओं में लड़कियों की पढ़ाई पर रोक लगा दी है। महिला शिक्षा पर रोक लगाने वाला अफगानिस्तान दुनिया का इकलौता देश है। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के मुताबिक, प्रतिबंध से 10 लाख से अधिक लड़कियां प्रभावित हुई हैं। एजेंसी का यह भी अनुमान है कि सुविधाओं की कमी और अन्य कारणों से तालिबान के कब्जे से पहले ही 50 लाख लड़कियां विद्यालय छोड़ चुकी थीं। तालिबान के शिक्षा मंत्रालय ने नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत एक समारोह के साथ की जिसमें महिला पत्रकारों को शामिल होने की अनुमति नहीं थी।

पाकिस्तान पहुंचे चीनी अधिकारी खुद करेंगे आतंकी हमले की जांच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर-पख्तूनख्वा में मंगलवार को विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी, जिससे बस में सवार कम से कम पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। ये चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने यहां चीनी दूतावास में जांचकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें अब तक की जांच के बारे में जानकारी दी। इस भीषण आत्मघाती हमले की जांच के लिए चीनी अधिकारी पाकिस्तान पहुंचे हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में आतंकवादी हमले में चीन के पांच नागरिकों की मौत हो गई थी। अब इस मामले की जांच के लिए पड़ोसी देश से जांचकर्ता शुक्रवार को पाकिस्तान पहुंचे। चीन के ताजा कदम से प्रतीत होता है कि उसे पाकिस्तान की जांच पर भरोसा नहीं है।

'पावर कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन ऑफ चाइना' (पीसीसीसी) द्वारा केपी प्रांत के स्वाबी जिले में तारबेला पांचवीं एक्सटेंशन जलविद्युत परियोजना में कार्यों को निलंबित करने और 2,000 से अधिक श्रमिकों को नौकरी से निकालने के एक दिन बाद सामने आया है। खबर के अनुसार चीन के नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे और 4,320 मेगावाट की इस परियोजना का निर्माण विश्व बैंक की मदद से चीन गेझोउबा द्वारा किया जा रहा है।इसके अनुसार तारबेला परियोजना के बाद, चीनी कंपनियों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण अब दासू और डायमर-भाषा बांधों पर काम रोक दिया है और दोनों परियोजनाओं पर काम कर रहे चीन के लगभग 1,000 इंजीनियरों ने काम बंद कर दिया है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' की खबर के अनुसार, दोनों परियोजनाओं से जुड़े स्थानीय कर्मचारियों को अगले आदेश तक घर पर रहने का निर्देश दिया गया है।चीन के जांचकर्ताओं की यह यात्रा पाकिस्तान के अधिकारियों द्वारा हमले की अपनी जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों को चीनी दूतावास के साथ साझा करने के दो दिन बाद हो रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को चीन के नागरिकों पर घातक आतंकवादी हमले की संयुक्त जांच का आदेश दिया। मंगलवार को हुए हमले की अभी तक किसी समूह ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली है।

प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) से जुड़े विद्रोहियों ने हालांकि पहले विदेशी नागरिकों के खिलाफ ऐसे हमले किए हैं। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज बलूच ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा था कि इस तरह के घृणित हमले आतंकवाद से लड़ने के पाकिस्तान के संकल्प को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और चीन मिलकर आतंकवादियों के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करेंगे।

विदेश कार्यालय की प्रवक्ता ने कहा, ''पाकिस्तान में चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान अपने चीनी भाइयों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।'' पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों के मारे जाने के बाद दो और चीनी कंपनियों ने जलविद्युत परियोजनाओं पर काम बंद कर दिया है। शुक्रवार को एक खबर यह जानकारी दी गई।दासू बांध परियोजना पर काम कर रहे एक अधिकारी ने पुष्टि की कि चीनी कंपनी ने काम बंद कर दिया है और स्थानीय कर्मचारियों को घर पर रहने के लिए कहा गया है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर लगाया आरोप

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवाद से निपटने में अफगानिस्तान की प्रगति की कमी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए खतरों को कम करने के लिए तालिबान सरकार द्वारा और अधिक कड़े सीमा नियंत्रण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।आसिफ ने कहा, आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए सीमा पर बड़े पैमाने पर बदलाव की आवश्यकता है। पाकिस्तान में आतंकवाद का स्रोत अफगानिस्तान ही है। हमारे प्रयासों के बावजूद काबुल इस दिशा में कोई प्रगति नहीं कर रहा है।पाकिस्तान में हाल में कई आतंकवादी हमले हुए हैं। वह इनमें से कुछ के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार मानता है। आपको बता दें कि टीटीपी अफगान तालिबान का हिस्सा है।

आईपीएल में सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला आज

विशाखापट्नम (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच यहां मुकाबला होगा। इस मैच में भी सीएसके का पलड़ा भारी नजर आता है। वह अब तक अपने दोनो मैच जीती है, वहीं दिल्ली कैपिटल्स अपने शुरुआती दोनो ही मैच हारी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली कैपिटल्स के अब तक सीएसके से चार मुकाबले हुए हैं और सभी में दिल्ली को हार का सामना करना पड़ा है। इन मुकाबलों में हालांकि कप्तान ऋषभ पंत टीम में नहीं थे।

ऐसे में दिल्ली को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सीएसके अब तक इस टूर्नामेंट में हर क्षेत्र में बेहतर साबित हुई है। वहीं दिल्ली अब तक लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। सीएसके की ओर से पिछले मैच में 'अनकैप्ड' समीर रिज्वी ने अंतिम ओवरों में काफी तेजी से खेला था। पहली ही आईपील पारी में पंजाब किंग्स के खिलाफ इस बल्लेबाज ने दो छक्के लगाये थे। वहीं दिल्ली के पास इस प्रकार के खिलाड़ियों की कमी है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स आक्रामक सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को शामिल कर सकती है क्योंकि हाल में समाप्त हुए रणजी ट्राफी सत्र में 902 रन जुटाकर सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले रिकी भुई अब तक इस टूर्नामेंट में विफल रहे हैं। वहीं रणजी ट्राफी के दूसरे हिस्से के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने वाले शॉ भले ही कोच रिकी पोंटिंग द्वारा तय किये गये फिटनेस मानकों को पूरा नहीं करते हों पर अनुभव के माले में वह भुई से आगे हैं।

सलामी बल्लेबाज वॉर्नर भी अब पुरानी फॉर्म में नहीं दिखते जबकि कप्तान ऋषभ पंत को लय में आने में कुछ समय लगेगा। इसके अलावा मिचेल मार्श भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में पृथ्वी शॉ की मौजूदगी से ही दिल्ली की बल्लेबाजी को कुछ मजबूती मिलेगी जिसे मुस्तफिजुर रहमान, दीपक चाहर, माथिशा पाथिराना और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा। टीम को असली चुनौती

मुस्तफिजुर की गेंदों से मिलेगी।

अगर कप्तान नहीं खेल पाते हैं तो टीम में कोई और पावर हिटर नहीं है। शाई होप और ट्रिस्टन स्टब्स जमने में समय लेते हैं। टीम की गेंदबाजी भी कमजोर है। अक्षर पटेल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रति ओवर 7.50 से कम रन नहीं दे पाया है। एनरिच नोर्किया सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं कर सके जिससे टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अंतिम पांच ओवरों में काफी रन लुटा दिये। इससे डीसी को तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की कमी महसूस हो रही है।

वहीं दूसरी ओर सीएसके लगातार जीत से उत्साहित है। उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। टीम के साथ महेन्द्र सिंह धोनी जैसा अनुभवी खिलाड़ी है जो कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सहायता कर रहा है। कुल मिलाकर देखा जाये तो सीएसके के लिए ये मैच अधिक कठिन नहीं रहेगा।

टीम

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ, यश धुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा और शाई होप।

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेन्द्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), मोइन अली, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, राजवर्धन हैंगरकर, रवींद्र जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिशेल सेंटनर, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश थीक्षाना, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिशेल, समीर रिज़वी, मुस्तफिजुर रहमान, और अरवेल्ली अवनीश राव (विकेटकीपर)।

आईपीएल : वेंकटेश अय्यर ने लगाया सबसे लंबा छक्का

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेंकटेश अय्यर ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में सबसे लंबा छक्का लगाया है। वेंकटेश ने यह छक्का रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान लगाया। वेंकटेश ने इस मैच में 30 गेंदों पर ही 50 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 4 लंबे छक्के लगाये। वेंकटेश ने इस दौरान एक ऐसा छक्का लगाया जो सत्र का सबसे लंबा छक्का बन गया है। वेंकटेश ने सिराज पर छक्के और एक रन के साथ 29 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। केकेआर की जीत में उनके इस छक्के की अहम भूमिका रही।

वेंकटेश ने मयंक डागर की गेंद को मिडविकेट के ऊपर उछाल दिया। इस दौरान 106 मीटर लंबे छक्के को देखकर सभी हैरान रह गये। इससे पहले इस सत्र में ईशान किशन ने सबसे लंबा छक्का लगाया था। मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले ईशान ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 मीटर लंबा छक्का लगाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने करते हुए केकेआर की ओर से सुनील नारायण और फिल सॉल्ट ने तेज शुरुआत की। सॉल्ट ने मोहम्मद सिराज के पहले ओवर में दो छक्कों और एक चौके से शुरुआत की जबकि नारायण ने तीसरे ओवर में अल्जारी जोसेफ पर दो छक्के लगाये।

शुरुआती मैचों में विफल रहे हैं आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को इस बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने सबसे महंगी कीमत देकर नीलामी में खरीदा था पर वह अब तक असफल रहे हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं।

केकेआर ने स्टार्क पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी रकम 24.75 करोड़ रुपए की बोली लगायी थी। उसे उम्मीद थी कि स्टार्क के आने से उसकी गेंदबाजी बेहतर होगी पर अब तक ऐसा नजर नहीं आया है। शुरुआती मैचों में स्टार्क केकेआर की उम्मीदों को पूरा करते नहीं दिखे हैं। स्टार्क अब तक खेले दो मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं। केकेआर ने हालांकि अपने दोनो मैचों को जीता है पर इसमें स्टार्क की भूमिका नहीं रही है। उसकी जीत में आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, सुनील नरेन और फिल साल्ट की बड़ी भूमिका रही है। रसेल ने 2 मैच में 4 विकेट लेने के अलावा 64 रन भी बनाए हैं। हर्षित ने 5 विकेट लिए हैं। सुनील नरेन ने 49 रन बनाए हैं और 2 विकेट भी लिए हैं। वहीं फिल साल्ट ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाये हैं।

वहीं केकेआर के टीम मैनेजमेंट को अब भी स्टार्क की क्षमताओं पर पूरा भरोसा भी है। केकेआर के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने कहा, 'स्टार्क के पास काफी अनुभव है। उन्हें पता है कि अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या करना जरुरी होता है या हालातों से किस प्रकार से तालमेल बैठाया जा सकता है। हमें भरोसा है कि वह शीघ्र ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' स्टार्क दोनों मैचों में भी काफी महंगे साबित हुए हैं। स्टार्क ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर के अपने स्पेल में 53 रन दिये थे। वहीं आरसीबी के खिलाफ उन्होने 47 रन दिये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही पैट कमिंस आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। सनराइजर्स ने कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। कमिंस ने अब तक दो मैच में 8 ओवर गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए हैं।

टी20 विश्व कप 2024 : अगले महीने हो सकता है भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम के अप्रैल के अंतिम हफ्ते में चुने जाने की संभावना है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टीम सौंपने की अंतिम तारीख एक मई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। लेकिन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली प्रत्येक टीम को 25 मई तक अपनी शुरूआती टीम में खिलड़ियों को बदलने का मौका मिलेगा।

बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'भारतीय टीम का चयन अप्रैल के अंतिम हफ्ते के दौरान किया जाएगा और इस समय तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का पहला हिस्सा खत्म हो जायेगा जिससे राष्ट्रीय चयन समिति दावेदारों की फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने की स्थिति में होगी।' सूत्र ने कहा, 'क्रिकेटरों का पहला जत्था 19 मई को आईपीएल का लीग चरण खत्म होने के तुरंत बाद न्यूयॉर्क के लिए रवाना होगा। जिन खिलाड़ियों की टीम अंतिम चार के लिए क्वालीफाई नहीं करती हैं, वे भी जल्दी जायेंगे जैसा कि पिछले साल डब्ल्यूटीसी फाइनल्स के दौरान हुआ था।'

टी20 विश्व कप टूर्नामेंट अमेरिका और

वेस्टइंडीज में हो रहा है तो उम्मीद है कि कुछ 'स्टैंड बाई' खिलाड़ी भी टीम के साथ यात्रा करेंगे ताकि मुख्य टीम के किसी भी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में या फिर किसी भी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण हटने से कोई 'लॉजिस्टिकल' परेशानी नहीं उठानी पड़े। चारों राष्ट्रीय चयनकर्ता ज्यादातर मैच देखने के लिए यात्रा करेंगे। पता चला है कि विश्व कप के लिए किसी भी दावेदार को कार्यभार प्रबंधन के बारे में कोई निर्देश नहीं दिया गया है क्योंकि इन दो महीनों में वे फ्रेंचाइजी के अधीन खेलेंगे।

आरसीबी का आईपीएल जीतना असंभव : वॉन

बेंगलुरु। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू (आरसीबी) ने अब तक आईपीएल 2024 में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए उसका ट्रॉफी जीता असंभव है। वॉन ने कहा कि आरसीबी की गेंदबाजी इतनी कमजोर नजर आ रही है कि वह 182 रनों के लक्ष्य को भी नहीं बचा सकी। टीम को इस सत्र में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। केकेआर ने दूसरे मैच में आरसीबी को 7 विकेट से हराया। वहीं पहले मैच में उसे चेन्नई सुपरकिंग्स ने हराया। केकेआर के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों ने 182 रन का बड़ा स्कोर बनाया पर उसके गेंदबाजों ने बेहद खराब प्रदर्शन किया जिससे हाथ आया मैच फिसल गया। केकेआर ने 19 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी के मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी विकेट नहीं ले पाये। उन्होंने 3 ओवर में 46 रन दे दिये। वॉन के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से खिताब जीतने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सिराज को कप्तान फाफ डुप्लेसी ने उन्हें 3 ओवर के बाद ही हटा लिया। वहीं यश दयाल को 1 विकेट मिला पर उन्होनें भी 46 रन लुटा दिये। अल्जारी जोसफ के दो ओवरों में ही 34 रन चले गये। इसी को लेकर वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'इस गेंदबाजी आक्रमण के साथ आरसीबी का खिताब जीतना असंभव है।' आरसीबी ने विराट कोहली के 83 रन की सहायता से 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए थे। 183 रन के लक्ष्य को केकेआर की टीम ने आसानी से हासिल कर लिया।

पुराने मतभेद भूलकर मिले विराट और गंभीर

बेंगलुरु। यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच में आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और केकेआर के मेंटोर गौतम गंभीर ने गले मिलकर पिछले मतभेदों को दूर किया। दोनो के बीच पिछले साल एक मैच के दौरान विवाद हो गया था। जिससे प्रशंसक भी निराश थे। इस बार प्रशंसकों को तब सुखद अहसास हुआ जब पिछली कड़वाहट भुलाकर दोनो गले मिले। केकेआर को इस मैच में सात विकेट से जीत मिली। इस मैच में विराट और गंभीर के चेहरे पर मुस्कुराहट थी जिससे देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हो गये।

यह मामला उस समय का है जब पहली पारी के दूसरे रणनीतिक टाइमआउट के दौरान कोहली बल्लेबाजी कर रहे थे तो गंभीर मैदान से बाहर चले गए। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और गले मिले, जिसने कई लोगों ने देखा और इन तस्वीरों के वायरल होने के बाद काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। तब कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर भी इन दोनो दिग्गजों को गले मिलते देखकर खुश नजर आये। शास्त्री ने कहा, विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच इस गले मिलने के लिए केकेआर को फेयरप्ले पुरस्कार। वहीं गावस्कर ने भी तत्काल कहा, न केवल एक फेयरप्ले पुरस्कार, बल्कि एक ऑस्कर पुरस्कार भी।

आईपीएल : वेंकटेश और नारायण के शानदार प्रदर्शन से केकेआर ने आरसीबी को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेंकटेश अय्यर, सुनील नारायण और फिल सॉल्ट के अच्छे प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 183 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने 17 ओवरों में ही तीन विकेट पर 186 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में केकेआर की ओर से वेंकटेश ने 30 गेंद पर चार छक्के और तीन चौके लगाकर 50 रन बनाये। वहीं नारायण ने 22 गेंदों पर पांच छक्के और दो चौके लगाकर 47 रन बनाये। सॉल्ट ने 20 गेंद पर दो छक्के और दो चौके लगाकर 30 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने कोहली की नाबाद 83 रन की पारी की सहायता से छह विकेट पर 182 रन बनाए। कोहली ने कैमरन ग्रीन 33 के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 और ग्लेन मैक्सवेल 28 रनों के साथ तीसरे विकेट के लिए 42 रन बनाये। वहीं दिनेश कार्तिक ने अंत में आठ गेंद में तीन छक्कों की सहायता से 20 रन बनाए। इस मै में लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की ओर से नारायण और सॉल्ट ने तेज शुरुआत की।

केकेआर ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 85 रन बनाए जो इस सत्र में शुरुआती छह ओवर में किसी टीम का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं मयंक डागर ने नारायण को आउट कर केकेआर को पहला झटका दिया। इसके बाद सॉल्ट भी कैच हो गये। केकेआर को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए सिर्फ 16 रन की जरुरत थी। इसपर वेंकटेश और रिंकू सिंह ने टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कोहली ने वेंकटेश के कैच के साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 109 कैच के सुरेश रैना के रिकॉर्ड की बराबरी की।

अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

आरसीबी की ओर से कोहली ने अच्छी शुरुआत की। कप्तान फाफ डुप्लेसी 08 रन बनाकर शुरुआत में ही आउट हो गये। वहीं अन्य बल्लेबाज भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। रजत पाटीदार भी तीन रनों पर ही आउट हो गये। केकेआर की ओर से आंद्रे रसेल और हर्षित ने दो-दो विकेट लिए।

गोवा में दो महिला फुटबॉलरों से हाथापाई, एआईएफएफ ने जांच के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गोवा में दो महिला फुटबॉलरों के साथ कथित तौर पर हाथापाई करने वाले अपनी कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को मामले की जांच पूरी होने तक खेल संबंधित गतिविधियों से दूर रहने के लिये कहा है। हिमाचल प्रदेश के खाड एफसी की दो फुटबॉलर भारतीय महिला फुटबॉल लीग सेकंड डिविजन में भाग ले रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि क्लब के मालिक शर्मा 28 मार्च की रात उनके कमरे में घुस आये और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने एआईएफएफ की प्रतिस्पर्धा समिति और गोवा फुटबॉल संघ के सामने शिकायत भी दर्ज की है। इसके अलावा मापुसा पुलिस थाने में भी शिकायत दर्ज की गई है। सूत्रों के अनुसार शिकायत में दोनों ने कहा कि शर्मा अधिकतर समय नशे में रहते थे और उन्हें उनसे अपनी जान का खतरा है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एआईएफएफ को अधिकारी के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा था। शर्मा हिमाचल प्रदेश फुटबॉल संघ के महासचिव, क्लब के मालिक और एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। जांच समिति में कार्यकारी समिति के सदस्य पिंकी बोंपाल मागर, एआईएफएफ की सुरक्षा और बाल संरक्षण अधिकारी रीटा जयरथ और विजय बाली हैं।

शाहीन अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से निराश, छोड़ सकते हैं टी20 टीम की कप्तानी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट और टी20 कप्तान के रूप में अपने भविष्य के बारे में चर्चा में शामिल नहीं होने से निराश तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। शाहीन के करीबी सूत्र ने कहा कि गेंदबाज इस बात से नाराज हैं कि जहां तक कप्तानी या कोचों की नियुक्ति का सवाल है, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी या राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार भी उनसे अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात नहीं की है।

सूत्र ने कहा, 'शाहीन का निराश होना उचित है क्योंकि राष्ट्रीय टी20 कप्तान होने के नाते उन्हें उम्मीद थी कि अगर बोर्ड/चयनकर्ता उन्हें हटाना भी चाहते हैं तो उन्हें इसके पीछे के कारणों के बारे में सूचित करने और उन्हें हर चीज के बारे में जानकारी देने की शालीनता होगी।' सूत्र ने कहा कि शाहीन इस बात से निराश हैं कि उन्हें लूप में नहीं रखा गया क्योंकि पीसीबी प्रमुख ने इस सप्ताह टी20

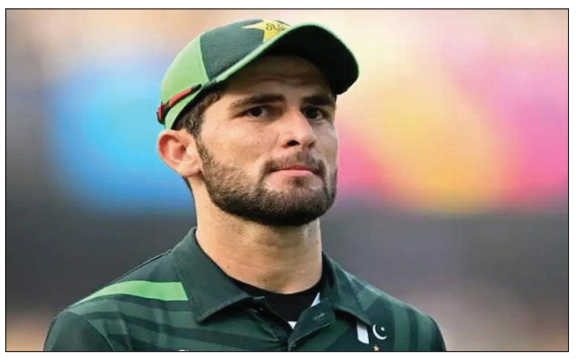

विश्व कप, कोचों की नियुक्ति और कप्तानी पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और बाबर आजम के साथ चर्चा की थी।

सूत्र ने कहा, 'शाहीन का मानना है कि अगर बोर्ड उन्हें हटाना चाहता है तो उन्हें पहले ही इसकी जानकारी दे देनी चाहिए थी क्योंकि वह खुद भी पद छोड़ने को तैयार हैं। दरअसल अब उनके कुछ करीबी लोगों ने उन्हें ऐसा करने और सभी से दूर जाने की सलाह दी है। बोर्ड द्वारा अराजकता और भ्रम पैदा किया जा रहा है।'

पिछले नवंबर में भारत में विश्व कप के बाद शाहीन को टी20 कप्तान बनाया गया था जब जका अशरफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख थे। शाहीन की नियुक्ति पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स फ्रेंचाइजी को लगातार दो खिताब दिलाने की उनकी क्षमता के आधार पर की गई थी। लेकिन कप्तान बनाए जाने के बाद शाहीन न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज 1-4 से हार गए और कलंदर्स के साथ भी अपना जादू नहीं दोहरा सके क्योंकि वे हाल ही में पीएसएल में तालिका में सबसे नीचे रहे।

यानिक सिनर और ग्रिगोर दिमित्रोव मियामी ओपन फाइनल में

मियामी गार्डन्स। दूसरे वरीय यानिक सिनर ने शुक्रवार को यहां तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव पर जीत से मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। रविवार को फाइनल में सिनर का सामना 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने चौथे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल में शिकस्त दी। सिनर ने सेमीफाइनल में दमदार खेल दिखाते हुए मेदवेदेव को 6-1 6-2 से मात दी। दिमित्रोव ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्काराज को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद सेमीफाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को 6-4, 6-7, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनायी। महिला वर्ग का फाइनल शनिवार को अमेरिका की डेनियल कोलिंस और चौथी वरीय एलीना रिबाकिना के बीच खेला जायेगा।

साइना ने कांग्रेस नेता की महिला विरोधी टिप्पणी की निंदा की, सोशल मीडिया पर लिखी ये बात

बेंगलुरु (एजेंसी)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने दावणगेरे सीट से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वर पर की गई महिला विरोधी टिप्पणी करने के लिए राज्य के अनुभवी कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की। दावणगेरे दक्षिण से 92 वर्षीय मौजूदा विधायक शिवशंकरप्पा ने कहा था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वर जीएम की पत्नी गायत्री 'केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं'।

उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए नेहवाल ने अपने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कर्नाटक के एक शीर्ष नेता शमनूर शिवशंकरप्पा जी ने कहा है कि महिलाओं को रसोई तक ही सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गई इस लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जो कहते हैं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं।'

लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतने वाली 34 वर्षीय नेहवाल ने कहा कि जब देश में महिलायें हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की ख्वाहिश रखती हैं तो महिलाओं के खिलाफ इस तरह की द्वेषपूर्ण टिप्पणी परेशान करने वाली हैं। उन्होंने लिखा, 'जब मैंने खेल के मैदान पर भारत के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी, मुझे क्या करना चाहिए था? इस तरह क्यों कहा जा रहा है, जब सभी लड़कियां और महिलाएं किसी भी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सपना देखती हैं।'

नेहवाल ने लिखा, 'एक तरफ हम नारी शक्ति को वंदन कर रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सर के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया गया है और दूसरी तरफ नारी शक्ति का अपमान और महिला विरोधी लोग। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।' शिवशंकरप्पा ने हाल में कहा, 'वह (गायत्री) ठीक से बोलना भी नहीं जानती। वह घर पर खाना पकाने के लिए फिट है।'

राखी सावंत की गिरफ्तारी से पहले की जमानत याचिका खारिज

पूर्व पति आदिल ने ठोका था मानहानि का केस

राखी सावंत का हमेशा से ही विवादों से गहरा नाता रहा है। प्रोफेशनल लाइफ हो या निजी जिंदगी हो, राखी सावंत अक्सर मुश्किलों में पड़ती नजर आती रहती हैं। अब हाल ही में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने अभिनेत्री राखी सावंत का उनके अलग हो चुके पति आदिल दुर्रानी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर में दायर की गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। राखी के पूर्व पति आदिल दुर्रानी ने एक शिकायत दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राखी ने मीडिया चैनलों पर उनके निजी, यौन रूप से स्पष्ट वीडियो प्रसारित किए थे। जस्टिस सारंग कोटवाल ने बुधवार को उनकी याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले राखी ने अपनी गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका खारिज करने के सत्र न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, जब न्यायमूर्ति कोटवाल ने 6 फरवरी को बताया कि वह राहत देने के इच्छुक नहीं हैं, तो उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली थी।

राखी के वकील के एक बयान के आधार पर याचिका वापस ले ली गई। जब किसी पक्ष द्वारा बिना शर्त बयान दिया जाता है, और उस बयान के आधार पर अदालत द्वारा एक आदेश पारित किया जाता है, तो इसे चुनौती नहीं दी जा सकती क्योंकि आदेश पक्ष और उनके बयानों की सहमति से पारित किया जाता है। हालांकि, राखी ने उस वापसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

इसके बाद एक बार फिर अदालत को उन्होंने यह कहते हुए याचिका वापस ले ली कि वह कानून के अनुसार उचित उपाय का लाभ उठाएंगी। इसके बाद, राखी ने उच्च न्यायालय के समक्ष एक और गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका दायर की, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

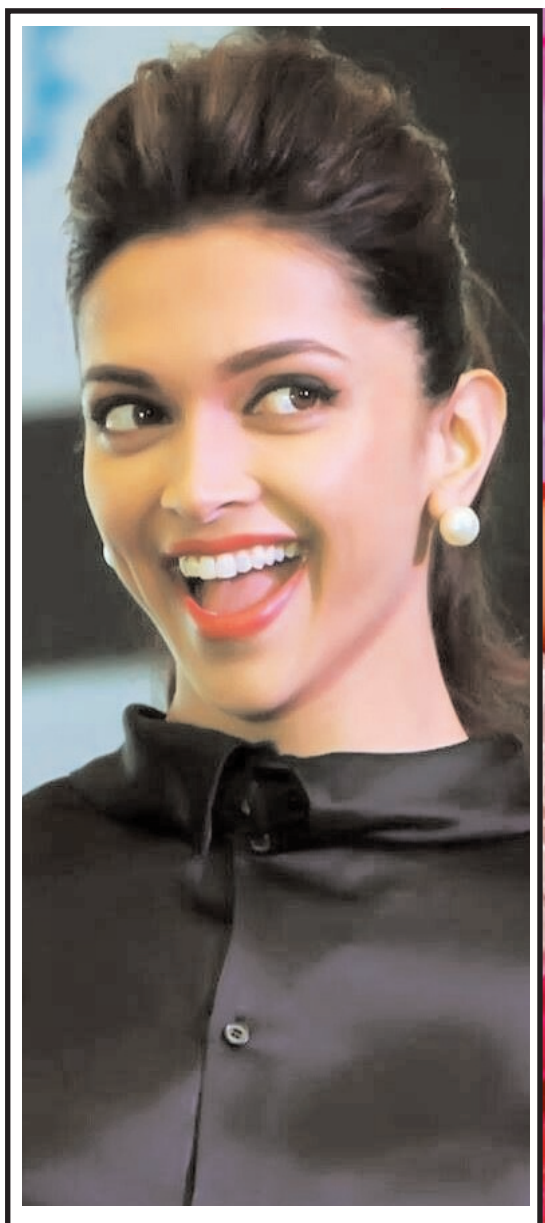

दीपिका का प्रेग्नेंसी के दौरान अजीब पोस्ट पढ़ परेशान हुए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही मां बनने वाली हैं। रणवीर-दीपिका के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। दीपिका इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में कपल ने पोस्ट शेयर कर अपने आने आने वाले बच्चे की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी।

इसी बीच मॉम टू बी दीपिका पादुकोण ने एक ऐसा पोस्ट किया है जिसे पढ़ने के बाद उनके चाहने वाले टेंशन में आ गए हैं। अपने इस पोस्ट में दीपिका ने महिलाओं की सफलता को लेकर बात की है। इसके अलावा भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ लिखा है।

दीपिका पादुकोण ने क्या लिखा

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की है। अपने इस पोस्ट में दीपिका ने महिलाओं की सक्सेस पर तंज कसा है। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा कि चारों तरफ देखें कि आप कहां हैं, देखें कि सफलता की परिभाषा बदलने के लिए आप क्या कर सकते हैं। ताकी आपके बाद आने वाली महिलाओं को ऐसा महसूस नहीं होगा कि सफलता और स्ट्रेस के बीच इसका चयन करना है।÷ दीपिका के प्रेग्नेंसी के दौरान के इस पोस्ट ने उनके फैंस की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि एक्ट्रेस ने ऐसा पोस्ट क्यों किया इसके पीछे की क्या वजह है इस बात की जानकारी नहीं हैं।

मां बनने वाली हैं दीपिका पादुकोण

बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने फरवरी में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सितंबर 2024' लिखा था। तस्वीर के चारों तरफ बच्चों के खिलौने बने हुए थे। इस पोस्ट के सामने आने के बाद कपल के फैंस और स्टार्स ने उन्हें जमकर बधाई दी थी। शादी के लगभग पांच साल बाद कपल पेरेंट्स बनने जा रहा है।

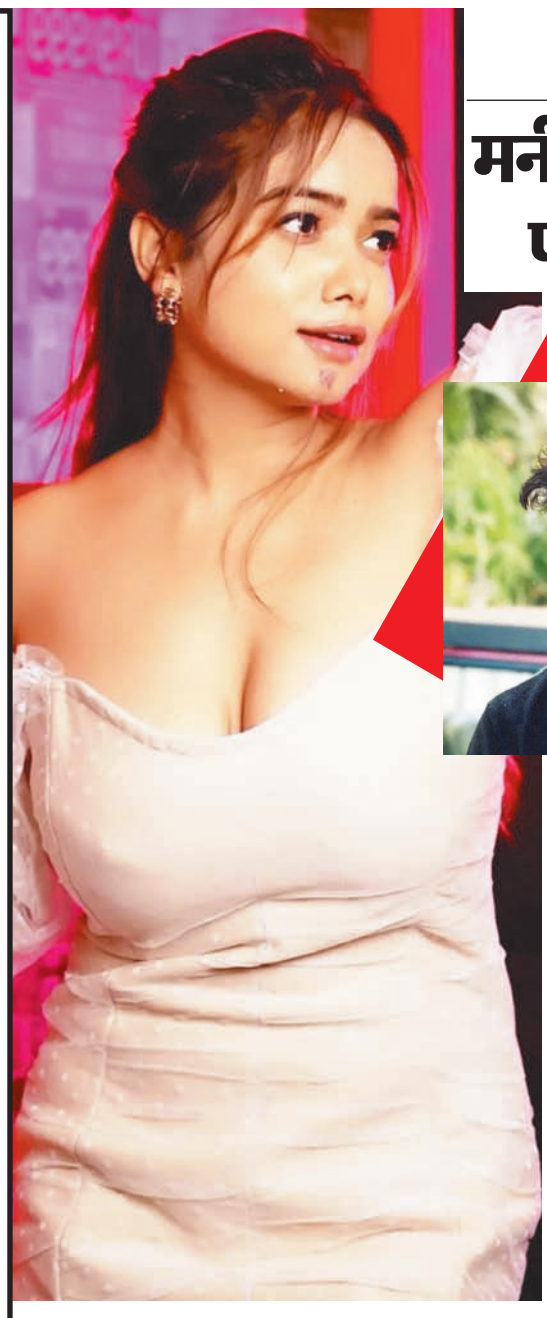

मुझे बचकानी हरकतें नहीं पसंद

मनीषा रानी को अनफॉलो करने पर पहली बार बोले एल्विश यादव

हाल ही में, एक इंटरव्यू में एल्विश यादव से मनीषा को लेकर सवाल किया गया। एल्विश से पूछा गया कि उन्होंने मनीषा रानी को क्यों अनफॉलो किया था।

पांच दिन जेल में बिताने के बाद गुरुग्राम की एक अदालत ने यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव को जमानत दे दी। जिसके बाद वह अपने घर पहुंचे और फैंस के साथ अपना अनुभव साझा किया था। इस बीच एक अपडेट ये भी था कि एल्विश यादव और मनीषा रानी के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा. जो दोस्ती बिग बॉस में शुरू हुई थी वो टूटती दिख रही थी। अब एल्विश ने इस पर चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि आखिर उन्होंने मनीषा रानी को क्यों अनफॉलो किया था।

मनीषा को लेकर कही यह बात

हाल ही में, एक इंटरव्यू में एल्विश यादव से मनीषा को लेकर सवाल किया गया। एल्विश से पूछा गया कि उन्होंने मनीषा रानी को क्यों अनफॉलो किया था। इस पर एल्विश ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा, मनीषा से मेरी बात नहीं हुई और उसी ने पहले मुझे अनफॉलो किया था, ये मुझे किसी ने बताया, क्योंकि मुझे नहीं पता थी इसकी वजह। मैं इन सब पर इतना ध्यान भी नहीं देता हूं क्योंकि मुझे यह सब काफी बचकानी चीजें लगती हैं और मेरे पास इतना समय नहीं है कि मैं इस चीज को लेकर सोचू।

मैक्सटर्न कंट्रोवर्सी पर तोड़ी चुप्पी

एल्विश से मैक्सटर्न कंट्रोवर्सी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा,उसने कुछ बोला, मैंने लड़ाई करी, उसे थोड़ी लग गई, लेकिन अब सब नार्मल हो गया है। ऐसा नहीं कि ये दबाव में किया है दूसरी चीज यह है कि मुझे तो कभी-कभी लगता है कि मेरे पीछे कोई तो लग रखा है ऐसा किसी और के साथ क्यों नहीं हो रहा। मतलब मुझे ही क्यों टारगेट कर रखा है हर जगह की इसको ही गलत दिखाओ।

फैंस में जश्न का माहौल

एल्विश यादव को जमानत मिलने की खबर आते ही उनके समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर यू-ट्यूबर के समर्थकों ने नोएडा पुलिस पर बगैर किसी सबूत के गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। आलम यह रहा कि सोशल मीडिया पर एल्विश यादव और नोएडा पुलिस भी फिर से ट्रैंड करने लगे।

जिन्दगी के सफर में फिर

साथ चलने को तैयार हुए नवाज और आलिया

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस के लिए अच्छी खबर है। नवाज और आलिया के बीच के रिश्ते सुधरते दिख रहे हैं। दोनों सेपरेशन के बाद दोबारा एक साथ रहने लगे हैं।

झ आलिया ने हाल ही नवाज के साथ 14वीं मैरिज एनिवर्सरी का जश्न मनाते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाली थी। कपल ने दुबई में एक साथ सालगिरह मनाई। उनके बच्चे शोरा और यानी पढ़ाई के लिए वहां हैं और आलिया उनके साथ रहती हैं।

अब आलिया ने खुलासा किया कि नवाज और वह एक बार फिर रिलेशन में आ गए हैं। आलिया ने कहा कि हाल के दिनों में मेरे जीवन में कुछ चीजें बदल गई हैं। मुझे लगा कि जब हम दुनिया के साथ बुरी बातें साझा करते हैं तो हमें अच्छी बातें भी साझा करनी चाहिए।

मुझे लगता है कि जो अच्छा है उसे भी देखना चाहिए। नवाज भी यहां थे इसलिए हमने बच्चों के साथ मिलकर सालगिरह मनाई। मुझे लगता है कि हमारे रिश्ते में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, वे हमेशा किसी तीसरे व्यक्ति के कारण थीं, लेकिन अब वह गलतफहमी हमारे जीवन से दूर हो गई है। बच्चों की वजह से हमने पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है। अब जिंदगी में अलग रहने का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि बच्चे भी बड़े हो रहे हैं।

साथ ही नवाज, शोरा के काफी करीब हैं और जो कुछ भी हुआ उसके बाद मेरी बेटी काफी परेशान थीं। शोरा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकीं। इसलिए हमने फैसला किया कि हम लड़ाई नहीं करेंगे और शांति से साथ रहेंगे। बता दें कि आलिया पिछले साल बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आई थीं लेकिन उनका सफर लंबा नहीं रहा। बाद में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड के साथ कई तस्वीरें पोस्ट की थी और बताया कि वो जिंदगी में आगे बढ़ गई हैं। इस सबके कुछ वक्त बाद ही आलिया ने बॉयफ्रेंड के साथ वाली सारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया से हटा दीं। पिछले दिनों आलिया ने नवाज की तारीफें भी कीं। उन्होंने बताया कि उनकी गैरमौजूदगी में नवाज बच्चों के साथ किस तरह वक्त बिताते हैं। बता दें नवाज और आलिया की शादी साल 2009 में हुई थी। आलिया का शादी से पहले नाम अंजलि था और इस शादी से कपल के 2 बच्चे हैं। साल 2020 में दोनों के रिश्ते में अनबन की खबर सामने आई थी। इसके बाद से दोनों की लड़ाई काफी बढ़ती नजर आई। ये कपल अपनी शादी को कोर्ट कचहरी तक लेकर गया।

इस बीच आलिया ने सोशल मीडिया पर नवाज समेत उनके परिवार को लेकर भी कई तरह के खुलासे किए थे। इतना ही नहीं आलिया ने तलाक का केस भी दायर किया था। वह अपने बच्चों के साथ अलग रहने लगी थीं। अब दोनों ने अपने रिश्ते को दूसरा मौका दिया है।

सनी लियोनी के लिए कंगना रनौत ने कही बड़ी बात

सालों पहले उर्मिला मातोंडकर पर की थी टिप्पणी

उर्मिला मातोंडकर को लेकर कंगना ने सालों पहले एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने उर्मिला को सॉफ्ट पोर्न स्टार कहा था। अब उसी पर सफाई देते हुए कंगना ने कहा कि हमारे देश में पोर्न स्टार को सम्मान दिया जाता है, ये बात सनी लियोनी से पूछनी चाहिए। बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत लोकसभा चुनाव 2024 में हिमाचल प्रदेश में अपने गृह जिले मंडी से लड़ने वाली हैं। वह अक्सर अपने बयान को लेकर विवादों में रहती हैं। साल 2020 में उन्होंने हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने उर्मिला को सॉफ्ट पोर्न स्टार कहा था। जिसे लेकर इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। इसपर अब कंगना ने एक और बयान दिया है, जिसके लिए उनकी फिर से आलोचना हो रही है। अब उन्होंने पोर्न स्टार वाले बयान की सफाई देते हुए सनी लियोनी का नाम घसीटा है।

क्या था मामला?

बता दें कि कंगना ने कहा था कि उर्मिला ने अपने इंटरव्यू में उनके स्ट्रगल का मजाक बनाया। जिसके बाद कंगना ने कहा था कि उर्मिला एक सॉफ्ट पोर्न स्टार हैं और अगर उर्मिला टिकट के लिए बीजेपी को रिझाने की कोशिश कर रही हैं। अगर उन्हें टिकट मिल सकता है तो कंगना को क्यों नहीं? इस बात को लेकर दोनों के बीच सोशल मीडिया पर खूब बहस चली थी। अब जब कंगना लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं तो उनका ये पुराना बयान तेजी से वायरल हो रहा है। टाइम्स नाउ समिट में कंगना ने इसे लेकर कहा, क्या सॉफ्ट पोर्न स्टार एक आपत्तिजनक शब्द है? नहीं। ये कोई आपत्तिजनक शब्द नहीं है और ये एक ऐसा शब्द है जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं है।

सनी का जिक्र कर कह डाली ये बात

कंगना ने उर्मिला पर दिए बयान की सफाई के बीच सनी लियोनी का नाम लेते हुए बड़ी बात कह डाली। उन्होंने कहा, हमारे देश में जितना पोर्न स्टार को सम्मान मिलता है, पूछिए सनी लियोनी से, उतना सम्मान पूरे विश्व में किसी को नहीं मिल सकता। लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर कंगना जो भी बयान दे रही हैं, उन्हें इसके लिए ट्रोल किया जा रहा है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर उनका बहिष्कार करने की मांग भी उठ रही है।

करीना-तब्बू, कृति की तिकड़ी ने जीता दर्शकों का दिल

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन स्टारर फिल्म क्रू सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को सोशल मीडिया और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शकों ने आज फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों की टिकट खिड़की भी अच्छी-खासी भीड़ इकट्ठा कर दी है। फिल्म के रिलीज होने के बाद अब पब्लिक रिव्यू भी सामने आ चुका है। आइए जानते हैं कि फिल्म देखने के बाद दर्शकों ने करीना कपूर का, तब्बू और कृति सेनन के अभिनय को कितने नंबर दिए हैं।

सिनेमाघरों में क्रू देख लौटे एक फैन से पूछा गया कि उन्हें फिल्म कैसी लगी तो इसपर उन्होंने कहा, फिल्म को लेकर जितनी उम्मीद बांधी थी, वह उस पर खरी नहीं उतरी हैं। सोच कर आए थे कि फिल्म कॉमेडी होगी, लेकिन किसी-किसी सीन में कॉमेडी देखने को मिला। स्टोरी पर और काम किया जा सकता था।

दूसरे दर्शक ने कहा कि फिल्म बहुत अच्छी थी। हालांकि, कृति इस फिल्म में उतना कमाल नहीं कर पाई, जितना और फिल्मों में करती हैं। उन्हें स्क्रीन पर थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत थी। फिल्म को लेकर सबके अंदर एक चाव था, लेकिन फिल्म देखने के बाद वह पूरी तरह खत्म हो गया है। फिल्म इंडियन मूवी थी। हर सीन के बाद पता चल जा रहा था कि आगे क्या होने वाला है। क्लाइमैक्स जैसा कुछ भी नहीं था।

वही, एक और दर्शक ने फिल्म को मस्ट वॉच और फैमिली फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म की कास्टिंग बहुत अच्छी रही है। कृति कॉमेडी में काफी अच्छी है। इंटरवल के बाद सारे सीन्स साफ हो जाते हैं। यह महिला केंद्रित फिल्म है। तीनों ने अपना काम बहुत अच्छा किया है। फिल्म ट्रेलर से बिल्कुल अलग थी। एक और दर्शक ने कहा, फिल्म बहुत अच्छी थी। फिल्म की कहानी पर थोड़ा और काम करना चाहिए था।